THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 116 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आषाढ शु.12 2081 गुरुवार, 18 जुलाई-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ❊ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

इस दशक का सबसे बड़ा उत्सव!
किसानों के लिए कर्जमाफी महोत्सव!

GOVERNMENT OF TELANGANA

रु. 2 लाख
एकमुश्त किसान कर्ज माफ

18 जुलाई, 2024 से
सीधे किसानों के ऋण खातों में पैसा जमा होगा

प्रगति का पथ.. सर्व जनकल्याण.. जन जन की सरकार!

कृषि विभाग, तेलंगाना सरकार द्वारा जारी

वायनाड सीट से प्रियंका गांधी के खिलाफ कौन लड़ेगा? मंझधार में फंसा 'लेफ्ट'

वायनाड, 17 जुलाई (एजेंसियां)। राहुल गांधी के इस्तीफा देने के बाद केरल की वायनाड सीट से कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी चुनावी मैदान में हैं। उनके खिलाफ किसको चुनाव में उतारा जाए ये वहां का सत्तारूढ़ वाम मोर्चा गठबंधन तय नहीं कर पा रहा है। दरअसल इस सीट से सीपीआई को प्रत्याशी देना है लेकिन पार्टी की केरल इकाई वायनाड लोकसभा सीट के लिए उम्मीदवार पर फैसला नहीं कर पाई है। लोकसभा चुनाव में उसकी उम्मीदवार एनी राजा का प्रदर्शन राहुल गांधी के खिलाफ काफी खराब रहा था। सीपीआई अब दुविधा में है कि यहां से किसको उतारा जाये? सीपीआई राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन का हिस्सा है लेकिन केरल में वह सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाली वामपंथी सरकार में दूसरी सबसे बड़ी सहयोगी पार्टी है। राज्य में उसकी सबसे बड़ी विरोधी कांग्रेस पार्टी है। सीपीआई नेता एनी राजा वायनाड सीट से राहुल गांधी से बुरी तरह हार गईं। बस उनके लिए राहत की बात ये रही कि उन्होंने हार का अंतर 2019 के 4.37 लाख वोटों से घटाकर 3.64 लाख वोटों पर कर दिया। अभी कुछ दिन पहले ही सीपीआई महासचिव डी। राजा की पत्नी एनी राजा ने पार्टी नेताओं की एक बैठक में कहा था कि वो वायनाड से चुनाव नहीं लड़ना चाहती थी, लेकिन बिनॉय विस्वान के कहने पर लड़ीं। अब यह लगभग साफ हो गया है कि वह प्रियंका गांधी से मुकाबला करने के लिए तैयार नहीं हैं और अब उम्मीदवार खोजने की जिम्मेदारी सीपीआई की केरल इकाई पर है। उधर कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ को सीट बरकरार रखने का पूरा भरोसा है, वायनाड में एक ही चर्चा जीत के अंतर को लेकर है। सीपीआई ने राज्य की 20 लोकसभा सीटों में से चार पर चुनाव लड़ा था।

सहकारिता में सहयोग' को पूरे राज्य में लागू करेगी गुजरात सरकार

दो जिलों में खुले चार लाख नए खाते

अहमदाबाद, 17 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात को दो जिलों में सफल पायलट प्रोजेक्ट के बाद गुजरात सरकार सहकारिता में सहयोग योजना को अब सभी जिलों में लागू करने की तैयारी कर रही है। गुजरात सरकार ने पहले राज्य के दो जिलों बनासकांठा और पंचमहल में इस प्रोजेक्ट को लागू किया था और इन दोनों जिलों में इसे खासी सफलता मिली है। सफल पायलट प्रोजेक्ट के बाद अब पूरे राज्य में योजना को लागू करेगी गुजरात सरकार गुजरात सरकार के अनुसार, बनासकांठा और पंचमहल जिलों में सहकारिता में सहयोग प्रोजेक्ट के तहत चार लाख से ज्यादा नए बैंक खाते खुले हैं और सहकारी बैंकों में जमा रकम 900 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई है। बनासकांठा और पंचमहल की सहकारी समितियों में 1700 से ज्यादा माइक्रो एटीएम स्थापित किए गए हैं।

सीएमओ ने एक बयान जारी कर कहा कि 'मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात के बनासकांठा और पंचमहल जिलों में सफलतापूर्वक सहकारिता में सहयोग पायलट प्रोजेक्ट का प्रयोग सफल रहा। अब इस अभियान के तहत केंद्रीय गृह और सहकारी मंत्री अमित शाह के सहयोग से इन जिलों में चार लाख से ज्यादा नए खाते खोले गए हैं। इसके चलते सहकारी बैंकों में जमा रकम 900 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है कि देश के सभी राज्यों के सहकारी क्षेत्रों में आपस में समन्वय बनाकर देश में सहकारी संस्थाओं को एक नई ऊर्जा व नई पहचान दी जाए। अब केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र में नए प्रयोग और पहल की जा रही हैं।

क्या है सहकारी संस्थाओं के बीच सहयोग की पहल

इस पहल का उद्देश्य जिला और राज्य सहकारी बैंकों के खातों में जमा राशियों को केंद्रीकृत करके गुजरात की हजारों सहकारी संस्थाओं के बीच सहयोग बढ़ाना है। इसमें सहकारी संस्थाओं और उनके सदस्यों के विभिन्न वाणिज्यिक बैंकों में संचालित मौजूदा बैंक खातों को जोड़ कर उन्हें एक केंद्रीकृत जिला सहकारी बैंक/राज्य सहकारी बैंक के अंतर्गत लाने की योजना है। सहकारी संस्थाओं की सामूहिक पूंजी को एक केंद्रीकृत बैंक के अंतर्गत लाने पर कई महत्वपूर्ण परिणाम देखने को मिले हैं। उदाहरण के लिए, केंद्रीयकृत सहकारी बैंकों की जमा राशि में काफी वृद्धि हुई है, सहकारी समितियों के बीच वित्तीय लिक्विडिटी बढ़ी है, जिससे लोन संबंधी आवश्यकताओं और मांग को आसानी से पूरा किया जा सकता है। साथ ही, इस पहल से अब यह भी सुनिश्चित किया जा सकेगा कि सहकारी संस्थाओं की सामूहिक पूंजी, अन्य सहकारी संस्थाओं के भी उपयोग में लाई जा सके।

औद्योगिक क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 1470 करोड़ रुपये आवंटित

गुजरात के मुख्यमंत्री ने राज्य के औद्योगिक और खनन इलाकों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 1470 करोड़ रुपये के आवंटन को मंजूरी दी है। राज्य के सूचना विभाग ने बताया कि इन पैसों से राज्य के औद्योगिक और खनन क्षेत्रों में 65 सड़कें बेहतर की जाएंगी। ये सड़कें 688 किलोमीटर का इलाका कवर करेंगी।

विवादित प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी खेडकर की पारिवारिक संपत्ति की जांच एसीबी करेगी

मुंबई, 17 जुलाई (एजेंसियां)। विवादित प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर के परिवार की संपत्ति की जांच पुणे एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम करने वाली है। इससे खेडकर परिवार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पूजा खेडकर के पिता दिलीप खेडकर और मां मनोरमा खेडकर सहित सात लोगों के विरुद्ध किसानों के समक्ष पिस्तौल लहराने का मामला दर्ज किया गया है। इसी मामले में पुलिस टीम दोनों की तलाश कर रही है। पूजा खेडकर के परिवार पर बेहिसाबी संपत्ति जमा करने का आरोप लगाया गया था। इससे संबंधी शिकायत भी पुणे एसीबी कार्यालय को दी गई है। बुधवार को पुणे एसीबी ने खेडकर परिवार के नाम पर बेहिसाब संपत्ति की जांच करने का निर्णय लिया है। पूजा खेडकर के माता-पिता फिलहाल फरार हैं और पुलिस उनकी तलाश कर रही है। पूजा खेडकर के पिता दिलीप खेडकर क्लास वन के प्रशासकीय अधिकारी रहे हैं। उन्होंने सेवानिवृत्त होने के बाद लोकसभा का चुनाव भी लड़ा है। साथ ही कई जगह जमीन भी खरीदी है। जमीन विवाद में ही पुणे के दौंड पुलिस स्टेशन में पूजा खेडकर के पिता दिलीप खेडकर और मां मनोरमा खेडकर सहित सात लोगों के विरुद्ध किसानों के समक्ष पिस्तौल लहराने का मामला दर्ज किया गया है।

इसी मामले में पुलिस टीम दोनों की तलाश कर रही है। इसके साथ ही पूजा खेडकर की आईएएस की ट्रेनिंग भी सरकार ने रोक दी है और पूजा को 23 जुलाई तक लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में उपस्थित होने का आदेश दिया गया है। पूजा खेडकर पर सिविल सेवा परीक्षा में चयनित होने के लिए धोखाधड़ी करने का आरोप लगा है।

शिवसेना के मंत्री को नीति आयोग में शामिल न किए जाने पर उद्धव गुट का तंज

मुंबई, 17 जुलाई (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने अपने मंत्री को पुनर्गठित नीति आयोग में जगह नहीं मिलने पर शिवसेना पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पुनर्गठित नीति आयोग में शिंदे सेना के लिए कोई जगह नहीं। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने मंगलवार को नीति आयोग का पुनर्गठन किया। इसमें चार पूर्णकालिक सदस्य और 15 केंद्रीय मंत्री, जिनमें भाजपा के सहयोगी भी शामिल हैं। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव को पुनर्गठित समिति में जगह नहीं मिली। जाधव महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना से हैं। शिवसेना (यूबीटी) मंत्रियों को आयोग में जगह न मिलने पर प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, पुनर्गठित नीति आयोग में शिंदे सेना के लिए कोई जगह नहीं। जब नीति ही अनैतिक, सत्ता हथियाना है, तो समझ सकते हैं। नीति आयोग का गठन 2015 में किया गया था। एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, पीएम मोदी आयोग के अध्यक्ष और अर्थशास्त्री सुमन के बेरी नीति आयोग के उपाध्यक्ष बने रहेंगे। पुनर्गठित नीति आयोग में विशेष आमंत्रित सदस्य केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, जेपी नड्डा, एचडी कुमारस्वामी, जीतन राम मांझी, राजीवल रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह शामिल होंगे। इसके अलावा अन्य विशेष आमंत्रित सदस्यों में वीरेंद्र कुमार, किंजरापु राममोहन नायडू, जुएल ओराम, अन्नपूर्णा देवी, चिराग पासवान और राव इंद्रजीत सिंह हैं। बता दें कि एचडी कुमारस्वामी एनडीए सहयोगी जेडीएस से ताल्लुक रखते हैं। इसके अलावा मांझी हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा से, राजीव रंजन सिंह जेडीयू, नायडू टीडीपी से और चिराग पासवान लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) से हैं।

सीहोर में ट्रेन की चपेट में आने से बाघ के शावक की मौत

सीहोर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सीहोर में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां के बुधनी क्षेत्र में ट्रेन की चपेट में आने से एक बाघ शावक की मौत हो गई और 2 अन्य शावक घायल हो गए। दोनों घायल शावकों को रेस्क्यू कर इलाज के लिए विशेष ट्रेन से वन विहार, भोपाल ले जाया गया।

पोस्टमार्टम के बाद मृत शावक का अंतिम संस्कार कर दिया गया। मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) राजेश खरे ने कहा, 'संभावना है कि बाघिन सुबह अपने शावकों के साथ पानी पीने जा रही होगी। उसी दौरान तीन शावक ट्रेन की चपेट में आ गए। एक शावक की मौत हो गई और 2 घायल हो गए। जैसे ही विभाग को इसकी जानकारी मिली, हम तुरंत मौके के लिए रवाना हो गए। दोनों घायल शावकों को बचा लिया गया है और इलाज के लिए वन विहार, भोपाल ले जाया गया है।' मिली जानकारी के मुताबिक, दोनों घायल शावकों की स्थिति को देखते हुए वहां इलाज संभव नहीं था और उन्हें वन्य प्राणी चिकित्सालय भोपाल एडमिट करवाना जरूरी था।

रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों को जब इस बात की जानकारी दी गई तो कलेक्टर के अनुरोध पर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने एक डिब्बे की स्पेशल ट्रेन बुधनी के घटनास्थल भेजने का फैसला लिया। इसके बाद घायल शावकों को प्राणी चिकित्सालय में भर्ती किया गया। दोनों घायल शावकों का इलाज अभी चल रहा है।

तूतीकोरिन पुलिस ने एक उद्योगपति के इशारे पर चलाई थी गोली

हाईकोर्ट ने सीबीआई को भी लगाई फटकार

चेन्नई, 17 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तूतीकोरिन में वेदांता की स्टरलाइट कॉपर संयंत्र के विरुद्ध प्रदर्शन के दौरान पुलिस गोलीबारी में हुई कई लोगों की मौत मामले में मद्रास उच्च न्यायालय ने सुनवाई की। अदालत ने मामले की जांच कर रही सीबीआई को कड़ी फटकार लगाई। उसने मामले की जांच के तरीके पर सवाल उठाया। अदालत ने पाया कि जांच निष्पक्ष तरीके से नहीं की गई थी। उच्च न्यायालय ने कहा, 'हम मानते हैं कि पुलिस द्वारा गोलीबारी करना पहले से रची साजिश का हिस्सा थी। यह गोलीबारी एक उद्योगपति के इशारे पर की गई थी।' न्यायमूर्ति एसएस सुंदर और न्यायमूर्ति सेंथिलकुमार राममूर्ति की खंडपीठ ने सामाजिक कार्यकर्ता हेनरी तिफांगे की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाल में यह टिप्पणी की। बता दें, याचिका में घटना की राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) द्वारा बंद की गई जांच फिर से शुरू करने की मांग की गई थी। पीठ ने राज्य सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) को आईपीएस और आईएएस सहित सभी अधिकारियों की संपत्ति की जांच करने का भी निर्देश दिया, जो घटना के समय दक्षिणी जिले में तैनात थे। तूतीकोरिन में प्रदूषण की चिंता से स्टरलाइट कॉपर फैक्ट्री को बंद करने की मांग को लेकर हो रहे प्रदर्शन के दौरान 22 मई 2018 को हिंसा फैल गई थी और पुलिस गोलीबारी में 13 लोगों की जान चली गई थी।

चावल चोरी मामले में भाजपा नेता माणिकनाथ राठौड़ गिरफ्तार

बेंगलूरू, 17 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक भाजपा के नेता माणिकनाथ राठौड़ को चावल चोरी मामले में गिरफ्तार किया गया है। यह मामला कर्नाटक सरकार की अन्न भाग्य योजना से जुड़ा है। पुलिस ने कलबुर्गी शाहपुर स्थित आवास से भाजपा नेता को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इससे पहले माणिकनाथ टैगोर को पूछताछ के लिए समन जारी किया था, लेकिन भाजपा नेता पूछताछ के लिए पुलिस के सामने पेश नहीं हुए थे। माणिकनाथ को 6077 क्विंटल चावल चोरी के मामले में गिरफ्तार किया गया है। चोरी हुए चावल की कीमत दो करोड़ रुपये से ज्यादा थी।

यह चावल यादगिर जिले के एक सरकारी गोदाम से गायब हुआ था। राठौड़ ने साल 2023 में भाजपा के टिकट पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियांक खरगे के खिलाफ चुनाव लड़ा था। हालांकि उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। अन्न भाग्य योजना के तहत कर्नाटक सरकार हर गरीब परिवार को हर महीने 10 किलोग्राम अनाज मुफ्त देती है।

पुलिस के साथ मुठभेड़ में तीन आतंकी ढेर, एके-47 राइफल समेत अन्य हथियार बरामद

गुवाहटी, 17 जुलाई (एजेंसियां)। असम के कछार में बुधवार को आतंकवादियों और पुलिस में मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में तीन आतंकवादी ढेर हो गए, जबकि कई पुलिसकर्मी घायल भी हुए। हालांकि, पुलिस ने इस मुठभेड़ को लेकर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की। असम पुलिस में एक वरिष्ठ अधिकारी ने तीन आतंकियों के ढेर होने की पुष्टि की। अधिकारी ने कहा, हमारे कुछ कर्मचारी भी घायल हुए। लेकिन हम फिलहाल उनकी इंजरी पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते हैं। हमें अभी तक कछार जिला पुलिस से रिपोर्ट नहीं मिली है। सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने रात पूर्वी ढोलाई गंगानगर से तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था। उनके बारे में अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। सूत्र ने कहा, ऑटोरिक्शा से एक एके-47 राइफल, एक पिस्तौल और अन्य हथियार जब्त किया गया। पुलिस की एक टीम अन्य विद्रोहियों की तलाश में आज सुबह तीनों को भबन हिल्स इलाके में ले गई। तभी पुलिस और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हो गई। सूत्रों के अनुसार, मुठभेड़ में तीन आतंकी ढेर हो गई। हालांकि, तीन पुलिसकर्मी गोली लगने से घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद कछार के पुलिस अधीक्षक नुमल महत्ता और अन्य वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे।

पत्नी को ग्रीन चिट्ठी भेजकर कहा तलाक तलाक तलाक, अशोक नगर में चौंकाने वाला मामला

अशोक नगर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में एक शख्स के खिलाफ पत्नी को तीन तलाक देने के आरोप में मामला दर्ज हुआ है। शख्स पर आरोप है कि उसने अपनी पत्नी को चिट्ठी भेजकर तीन तलाक दिया। घटना मध्य प्रदेश के अशोक नगर की बताई जा रही है। पुलिस ने पत्नी की शिकायत पर मुस्लिम महिला (विवाह अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम तहत मामला दर्ज किया है। पति की पहचान आदिल के तौर पर हुई है। 23 साल की महिला एक लेटर लेकर देहात थाना पहुंची। लेटर पुलिस की ओर बढ़ाते हुए बोली, सर यह मेरे पति ने भेजा है। डाक के जरिए उन्होंने मुझे तीन तलाक दे दिया। महिला की शादी 2023 में कोलारस के रहने वाले आदिल से हुई थी। उसका आरोप है कि शादी के बाद से ही पति दहेज के लिए प्रताड़ित करता था। साहिबा बानो ने जानकारी देते हुए बताया 26 अप्रैल 2023 को कोलारस के आदिल से मेरी शादी हुई थी। वह मंडी में अनाज खरीदने-बेचने का काम करता है।शादी के बाद से ही ससुराल वाले कहते हैं कि जिस तरह हम रखना चाहें, उसी तरह से आपको रहना पड़ेगा। पति मुझसे मारपीट करता। एक पति ने 2 लाख रुपए की मांग की। मैंने अपने पिता को बताया। पिता ने जब उनसे बात की तो वह एक पिकअप वाहन खरीदने का कहने लगे। 20 अप्रैल को पापा ने 2 लाख रुपए की मदद की,जिससे उन्होंने वाहन खरीदा। इसके बाद भी उनका मन नहीं भरा और मारपीट कर और पैसों की मांग करने लगे।

मध्य प्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का फोन हैक, जासूसी का लगाया आरोप

भोपाल, 17 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का फोन हैक हो गया है। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पार्टी के प्रदेश मीडिया विभाग के प्रमुख मुकेश नायक की अध्यक्षता में एक प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस के साइबर प्रकोष्ठ के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) को शिकायत की। शिकायत में दावा किया गया है कि पटवारी को एप्पल इंक से एक नोटिफिकेशन आया कि उसने उनके आईफोन पर एक स्पाईवेयर हमले का पता लगाया है। जीतू पटवारी के मुताबिक, कंपनी ने उन्हें बताया कि वह कौन हैं और क्या करते हैं, इस वजह से विशेष रूप से उन पर निशाना साधा गया है। एडीजी (कानून व्यवस्था) जयदीप प्रसाद ने एक बयान में कहा कि साइबर प्रकोष्ठ शिकायत को देख रहा है और पुष्टि होने के बाद आगे कार्रवाई की जाएगी। जीतू पटवारी का आरोप है कि पेगासस सॉफ्टवेयर की मदद से हैकिंग को अंजाम दिया गया है। शिकायत में बताया कि जीतू पटवारी के मोबाइल पर एप्पल कंपनी की ओर से जासूसी का मैसेज आया है। जासूसी की सूचना जीतू पटवारी को ईमेल भेजकर दी गई थी। उपभोक्ता को सलाह दी गई थी कि मोबाइल में मौजूद जरूरी जानकारी को सुरक्षित कर लें।

हेमंत सोरेन सरकार पर शिवराज सिंह चौहान ने साधा निशाना

बोले- बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण दे रही सरकार

रांची, 17 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि मंत्री और झारखंड भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर जोरदार जुबानी हमला बोला। रांची के हटिया विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की विजय संकल्प सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस सरकार ने बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण दे रखा है।

इस वजह से राज्य की डेमोग्राफी बुरी तरह प्रभावित हुई है। अगर इस विधानसभा चुनाव के बाद यह सरकार फिर आ गई तो यह तय है कि इस राज्य के मूल निवासी आने वाले दिनों में अल्पसंख्यक होकर रह जाएंगे। चौहान ने कहा कि इस राज्य की संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों को बचाने के लिए विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत जरूरी है। लोकसभा चुनाव में हमने राज्य की 14 में से 9 सीटें जीतीं और 81 में 50 विधानसभा सीटों पर बढ़त हासिल की। विधानसभा चुनाव में भी हम 'महाविजय' प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव का परिणाम साधारण परिणाम नहीं है, तभी तो तीसरी बार मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बने हैं। पीएम मोदी जी की गारंटी पर जनता ने मुहर लगाई है। सामने वाले 99 पर खुश हैं। आप इसी पर खुश रहिए, शासन हम चलाते रहेंगे। कृषि मंत्री ने कहा कि पांच साल पहले जब राज्य में रघुवर दास के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार थी, तो उस वक्त राज्य के किसानों को खेती के लिए प्रति एकड़ पांच हजार रुपए की आर्थिक मदद दी जाती थी। मौजूदा सरकार ने इसे खत्म कर दिया।

इसी तरह उन्होंने महिलाओं के नाम पर पचास लाख तक की प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री मात्र एक रुपए में करने की व्यवस्था लागू की थी। इस सरकार ने महिलाओं से उनकी यह सहुलियत भी छीन ली। मोदी जी की सरकार ने राज्य में जल नल योजना के लिए करोड़ों की राशि दी, लेकिन इस सरकार ने उसका दुरुपयोग किया। इस राज्य में जल नल योजना की हालत सबसे बुरी है। चौहान ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने अपना एक भी वादा पूरा नहीं किया। उन्होंने राज्य में आपराधिक घटनाओं का आंकड़ा पेश करते हुए कहा कि हत्या, लूट, बलात्कार और दंगे की घटनाएं बेतहाशा बढ़ी हैं।

दहेज के लिए बेटी की हत्या का आरोप

पिता बोला- पीएम रिपोर्ट बदली गई, हाईकोर्ट ने नोटिस जारी किया

जबलपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। जबलपुर हाईकोर्ट में एक पिता ने याचिका दायर कर आरोप लगाया है कि उसकी बेटी की दहेज के लिए हत्या कर दी गई और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट बदलकर उसे आत्महत्या का मामला बता दिया गया। याचिका की सुनवाई के बाद जस्टिस पीके अग्रवाल की एकलपीठ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए गृह सचिव, डीजीपी, एसपी सिंगरौली और अन्य को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र निवासी राजेन्द्र प्रसाद पांडे की तरफ से दायर याचिका में कहा गया है कि एक जून 2023 को मंजू की शादी सिंगरौली निवासी दीपक शर्मा से हुई थी। शादी के समय करीब 40 लाख रुपए का दहेज दिया गया था। इसके बावजूद दीपक, पिता राधेश्याम शर्मा, भाई आशीष, माता शकुंतला, बहन कल्पना उपाध्याय आदि मंजू को और दहेज व सोना लाने के लिए परेशान कर रहे थे। याचिका में ससुराल वालों पर आरोप लगाया कि 17 फरवरी 2024 को सभी लोगों ने मंजू को बहुत परेशान किया। इससे तंग आकर उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। याचिकाकर्ता ने इसकी शिकायत 7 मार्च को मुख्यमंत्री से भी की थी। आरोपी है कि मृतका की पोस्टमार्टम रिपोर्ट बदलकर जांच प्रभावित की जा रही है। याचिका में कहा गया कि ससुराल वालों के प्रभाव में पुलिस अधीक्षक युसूफ कुरैशी, विवेचक राम सिंह परस्ते और अन्य अधिकारियों ने मिलकर मंजू के प्रकरण की सही जांच नहीं की है। एकलपीठ ने सुनवाई के बाद अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

आरक्षण मुद्दे पर प्रकाश आंबेडकर 25 जुलाई से निकालेंगे जनयात्रा, बोले- सभी दल रुख स्पष्ट करें

मुंबई, 17 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में आरक्षण मुद्दे को लेकर वंचित बहुजन आघाड़ी (वीबीए) 25 जुलाई को राज्य के कुछ हिस्सों में आपक्ष बचाओ जनयात्रा आयोजित करेगी। पार्टी प्रमुख प्रकाश आंबेडकर ने इसकी जानकारी दी। मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने मांग की कि बिना आवेदन किए लोगों को जारी किए गए कुनबी जाति प्रमाण पत्र को रद्द किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने राजनीतिक पार्टियों से भी आरक्षण मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा। उन्होंने सेज सोयारे (रक्त संबंधी) अधिसूचना को लागू करने की मांग को कोटा में मिलावट बताया।

प्रकाश आंबेडकर ने कहा कि अदालत ने पहले भी इसके खिलाफ फैसला दे चुकी है। कार्यकर्ता मनोज जरांगे राज्य सरकार के उस मसौदा अधिसूचना को लागू करने की मांग कर रहे हैं जो कुनबियों को मराठा समुदाय के सदस्यों के सेज सोयारे के रूप में मान्यता देती है। उन्होंने सभी मराठों के लिए कुनबी प्रमाणपत्र जारी करने की मांग की, जिससे सभी मराठों को कोटा का लाभ मिल सकें। बता दें कि कुनबी एक कृषि समूह है, जो अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी का हिस्सा है। कुछ ओबीसी कार्यकर्ताओं ने हाल ही में मसौदा अधिसूचना को रद्द करने की मांग करते हुए आंदोलन शुरू किया। उन्होंने सरकार से आश्ववासन की मांग की कि उनका कोटा कम न किया जाए। राज्य में आरक्षण को लेकर प्रकाश आंबेडकर ने कहा, राज्य में ओबीसी बनाम मराठा के रूप में दो समूह हैं।

ओबीसी नेताओं को आरक्षण के मुद्दे के परिणाम से डर लगता है। जब तक शिवसेना (यूबीटी) जैसी समृद्ध मराठा समुदाय की पार्टियां है, तब तक कोई रास्ता निकालना संभव नहीं है। इसके अलावा भाजपा, कांग्रेस और राकांपा (शरद पवार) भी अपना रुख स्पष्ट नहीं करते हैं। आंबेडकर ने आगे कहा कि ओबीसी नेताओं ने कोटा मामले पर वीबीए के रुख का समर्थन किया और साथ ही गांवों में लोगों के इस मुद्दे को लेकर जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर भी जार दिया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

हरियाणा में अग्निवीरों 10 प्रतिशत आरक्षण

चंडीगढ़, 17 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने अग्निवीरों के लिए बड़ी घोषणा की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को एलान किया है कि अग्निवीरों को प्रदेश में 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को प्रेस वार्ता की। इस दौरान सीएम सैनी ने अग्निवीरों के लिए कई बड़े एलान किए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में अग्निवीरों को प्रदेश में नौकरियों में भर्ती में छूट मिलेगी। उन्होंने कहा कि लगभग दो साल पहले 14 जून 2022 को अग्निवीर योजना लागू की गई थी। इसके तहत चार वर्ष के लिए भारतीय सेना में तैनाती की जाती है। अग्निवीर योजना से स्किल्ड और एक्टिव युवा तैयार होता है।

वर्ष-29 अंक : 116 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आषाढ शु.12 2081 गुरुवार, 18 जुलाई-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ✲ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

निजी नौकरियों में 100% आरक्षण

✲ विवाद के बाद सीएम ने पोस्ट हटाई ✲ कई कंपनियां रिजर्वेशन के विरोध में ✲ श्रम मंत्री की सफाई-यह 50% और 70% है

बेंगलुरु, 17 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक में प्राइवेट कंपनियों में ग्रुप सी और डी में स्थानीय लोगों को 100% आरक्षण देने का फैसला विवादों में घिर गया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने 16 जुलाई को इसकी घोषणा की थी। 24 घंटे के अंदर ही उन्होंने सोशल मीडिया पर 100% कोटा बिल को लेकर की गई पोस्ट हटा ली। सीएम के पोस्ट डिलीट करने पर राज्य के लेबर मिनिस्टर संतोष लाड ने बुधवार को सफाई दी- कर्नाटक में प्राइवेट कंपनियों की नौकरियों में नॉन-मैनेजमेंट पोस्ट के लिए रिजर्वेशन 70% और मैनेजमेंट लेवल के स्टाफ के लिए 50% तक सीमित है। दरअसल, सिद्धारमैया कैबिनेट ने इसके लिए नियम तैयार कर लिए हैं। कैबिनेट से बिल भी पास हो चुका है। इसे 18 जुलाई को विधानसभा में पेश किया जाएगा। हालांकि उससे पहले ही इस पर बड़ी इंडस्ट्रीज ने विरोध जताया है।

कंपनियों के लिए दो शर्तें

बिल के मुताबिक, योग्य स्थानीय कैंडिडेट उपलब्ध नहीं हैं तो कंपनियों को सरकार या उसकी एजेंसियों के सहयोग से 3 साल के अंदर उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए कदम उठाने चाहिए। हालांकि इसमें एक शर्त ये भी जोड़ी गई है कि अगर योग्य कैंडिडेट नहीं मिल रहे हैं तो कंपनियां इस नियम के प्रावधानों में छूट के लिए सरकार से आवेदन कर सकती हैं। सरकार की नोडल एजेंसी कंपनी में काम कर रहे कर्मचारियों के रिकॉर्ड्स की जांच कर सकेगी और स्टाफ के बारे में जानकारी हासिल कर सकेगी। अगर कोई भी कंपनी इन प्रावधानों का उल्लंघन करती है तो कंपनी पर जुर्माना लगाया जा सकेगा।

फैसले से औद्योगिक घराने नाखुश

प्राइवेट कंपनियों में रिजर्वेशन के कर्नाटक सरकार के फैसले से औद्योगिक घरानों ने नाखुशी जताई है। उनका कहना है कि इस बिल से भेदभाव बढ़ेगा और इंडस्ट्रीज को नुकसान हो सकता है। मणिपाल ग्लोबल एजुकेशन सर्विसेज के अध्यक्ष मोहनदास पई ने विधेयक को असंवैधानिक बताया। उन्होंने कहा- सरकार को आरक्षण को अनिवार्य करने के बजाय स्किल डेवलपमेंट और हायर एजुकेशन पर ज्यादा खर्च करना चाहिए। कन्नड़ लोगों को नौकरी के लिए सक्षम बनाने के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम और इंटर्नशिप पर ज्यादा निवेश करना चाहिए।

बायोकॉन की अध्यक्ष किरण मजूमदार शॉ ने कहा, इस बिल से टेक्नोलॉजी फील्ड में लीडर के रूप में कर्नाटक के स्टेटस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए।

कर्नाटक में 20% गैर कन्नड़ आबादी काम करती है

कर्नाटक में 20 फीसदी गैर कन्नड़ आबादी काम करती है। बेंगलुरु की कंपनियों में गैर कन्नड़ कर्मचारियों की तादाद 35 फीसदी आंकी गई है। इनमें से अधिकतर उत्तर भारत, आंध्र और महाराष्ट्र से हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार, बेंगलुरु शहर की कुल आबादी का 50 फीसदी गैर कन्नड़ भाषी हैं। पिछले दिनों बेंगलुरु में कन्नड़ भाषा की अनिवार्यता पर लंबी बहस भी छिड़ी थी, जिसके बाद हिंदी में नाम लिखे गए साइन बोर्ड तोड़े गए थे।

यूपी भाजपा अध्यक्ष ने पीएम को दी खींचतान की रिपोर्ट

> सीएम योगी गवर्नर आनंदीबेन से मिले

> केशव के बगावती तेवर के बाद सियासी हलचल बढ़ी

लखनऊ, 17 जुलाई (एजेंसियां)। डिप्टी सीएम केशव मौर्य के लगातार बगावती तेवर के बाद उत्तर प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने बुधवार शाम को पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने उत्तर प्रदेश में सरकार-संगठन के बीच मौजूदा खींचतान और लोकसभा चुनाव की रिपोर्ट दी। इधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से मुलाकात करने राजभवन पहुंच गए । हालांकि इसे शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है। इससे पहले योगी ने यूपी में दस विधानसभा सीटों पर होने वाले उप-चुनाव को लेकर मंत्रियों के साथ बैठक की। लोकसभा चुनाव में भाजपा को हुए सीटों के तगड़े नुकसान के बाद से ही खींचतान देखी जा रही है। भाजपा और सहयोगी पार्टी के नेता उत्तर प्रदेश सरकार के कामकाज पर सवाल उठा रहे हैं। पिछड़ों के सबसे बड़े नेता केशव मौर्य लगातार योगी सरकार पर निशाना साध रहे हैं। वह बार-बार कह रहे हैं कि कार्यकर्ता और संगठन सरकार से बड़ा है।

दिल्ली में पीएम मोदी और शाह के बीच डेढ़ घंटे से बैठक जारी

पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के बीच प्रधानमंत्री आवास में करीब डेढ़ घंटे से बैठक चली। सूत्रों का कहना है कि यूपी की मौजूदा राजनीति पर मंथन चल रहा है। इससे पहले यूपी भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने पीएम मोदी से मुलाकात की थी।

'स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सनसनी फैला रहे हैं'

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने 15 जुलाई को केदारनाथ मंदिर से 228 किलो सोना गायब होने का आरोप लगाया था। इस पर श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा-स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सिर्फ सनसनी फैलाना चाहते हैं। सबूत हैं तो सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट जाएं।

अजेंद्र अजय ने कहा- मैं स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का सम्मान करता हूं, लेकिन वे दिनभर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते रहते हैं। विवाद खड़ा करना, सनसनी फैलाना और चर्चाओं में बने रहना अविमुक्तेश्वरानंद की आदत है। अगर स्वामी कांग्रेस के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं तो यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्हें अनावश्यक विवाद खड़ा करने और केदारनाथ की गरिमा को ठेस पहुंचाने का कोई अधिकार नहीं है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने क्या कहा था

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद 15 जुलाई को मुंबई में थे। उन्होंने दिल्ली में 'केदारनाथ मंदिर' जैसा मंदिर बनाने पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा-भगवान के हजार नाम हैं, किसी और नाम से मंदिर बनाएं... पूजा करें। जनता को भ्रम में न डालें। क्या दिल्ली में मंदिर बनाने के पीछे राजनीति है, इस पर शंकराचार्य बोले- हमारे धर्म स्थानों पर राजनीति वाले प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, केदारनाथ धाम से 228 किलो सोना गायब कर दिया गया और आज तक जांच नहीं हुई। कौन जिम्मेदार है? अब वहां घोटाला कर लिया तो दिल्ली में मंदिर बनाएंगे? वहां दूसरा घोटाला करेंगे? हम यह बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं।

केजरीवाल की जमानत पर 29 जुलाई को फैसला

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। शराब नीति केस में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। बुधवार को करीब ढाई घंटे तक चली चली बहस के बाद कोर्ट ने कहा- जमानत याचिका पर सुनवाई 29 जुलाई को करेंगे। सीबीआई द्वारा केजरीवाल को अरेस्ट करने के खिलाफ जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा-अरविंद केजरीवाल जनता के चुने हुए मुख्यमंत्री हैं, आतंकवादी नहीं। सिंघवी ने कोर्ट में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का जिक्र किया। उन्होंने कहा-हाल ही में इमरान खान को रिहा किया गया था, लेकिन उन्हें दूसरे मामले में फिर से गिरफ्तार कर लिया गया। हमारे देश में ऐसा नहीं हो सकता। न्यूज वेबसाइट बार एंड बेंच के मुताबिक सीबीआई के वकील डीपी सिंह ने कहा- अगर केजरीवाल को जमानत मिली तो वह जांच प्रभावित कर सकते हैं।

शुभेंदु अधिकारी बोले-सबका साथ सबका विकास की जरूरत नहीं

कोलकाता, 17 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल भाजपा विधायक और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार (17 जुलाई) को कहा, 'सबका साथ, सबका विकास', लेकिन अब हम यह नहीं कहेंगे। अब हम कहेंगे 'जो हमारे साथ, हम उनके साथ...' सबका साथ, सबका विकास कहना बंद करो। पार्टी की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में शुभेंदु बोले, 'भाजपा को अल्पसंख्यक मोर्चा की भी जरूरत नहीं है। हम जीतेंगे, हम हिंदुओं को बचाएंगे और संविधान को बचाएंगे।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में सबका साथ, सबका विकास का नारा दिया था। शुभेंदु ने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा, 'यह नारा प्रधानमंत्री ने दिया था और यह अभी भी कायम है। भाजपा कार्यकर्ता के तौर पर मैंने बहुत दुख के साथ अपनी बात रखी कि भाजपा की राज्य इकाई को पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ खड़ा होना चाहिए, न कि उन लोगों के साथ जो भाजपा के साथ नहीं खड़े हैं। मैंने जो कहा-वो राजनीतिक बयान है और इसका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ सबका विकास' नारे से कोई लेना-देना नहीं है।

डॉक्टर बोले-ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर को 7% विकलांगता

कोटे से सिलेक्शन के लिए 40% डिसेबिलिटी जरूरी; ऑफिसर ने एड्रेस भी गलत बताया था

पुणे, 17 जुलाई (एजेंसियां)। यूपीएससी सिलेक्शन को लेकर विवादों में घिरीं ट्रेनी आईएएस ऑफिसर पूजा खेडकर का विकलांगता सर्टिफिकेट सामने आया है। पुणे के यशवंतराव चव्हाण मेमोरियल (वाईसीएम) अस्पताल से 24 अगस्त 2022 को जारी इस सर्टिफिकेट में उन्हें 7% विकलांग बताया गया है। यूपीएससी के नियम के मुताबिक विकलांग कोटे से सिलेक्शन के लिए 40% डिसेबिलिटी होना जरूरी है। वाईसीएम के डीन राजेंद्र वाबले ने 16 जुलाई को कहा-7% का मतलब है कि शरीर में कोई बड़ी विकलांगता नहीं है। पूजा का मामला लोकोमोटर डिसेबिलिटी यानी चलने-फिरने में परेशानी से जुड़ा है। पुणे के विकलांगता आयुक्त कार्यालय ने पुलिस को पूजा खेडकर की ओर से पेश किए गए सर्टिफिकेट की जांच करने के आदेश दिए हैं। इस सर्टिफिकेट में पूजा ने अपना एड्रेस भी गलत बताया था।

विकलांगता सर्टिफिकेट से जुड़े 4 विवाद

विकलांगता सर्टिफिकेट में पूजा खेडकर का एड्रेस 'प्लॉट नंबर 53, देहू अलंदी रोड, तलावडे, पिंपरी चिंचवाड़, पुणे' लिखा गया था। जबकि इस एड्रेस पर कोई घर नहीं, बल्कि थर्मोवर्टा इंजीनियरिंग कंपनी नाम की एक फैक्ट्री है। पूजा की जिस ऑडी को जब्त किया गया था, वह इसी कंपनी के नाम पर रजिस्टर्ड थी। सरकारी नियमों के तहत विकलांगता सर्टिफिकेट बनाने के लिए आधार कार्ड अनिवार्य है, लेकिन पूजा के सर्टिफिकेट में राशन कार्ड लगाया गया था। विकलांग कोटे से यूपीएससी में सिलेक्शन होने के बाद से पूजा के कई विकलांगता सर्टिफिकेट सामने आ चुके हैं। पूजा खेडकर ने 2018 और 2021 में अहमदनगर डिस्ट्रिक्ट सिविल हॉस्पिटल की ओर से जारी 2 विकलांग सर्टिफिकेट यूपीएससी को सौंपे थे। पूजा ने अपनी विकलांगता सर्टिफिकेट की पुष्टि के लिए दिल्ली में मेडिकल जांच के लिए कई बार अपॉइंटमेंट लिया था, लेकिन बाद में उन्होंने एक प्राइवेट हॉस्पिटल में बनी रिपोर्ट को यूपीएससी में जमा कर दिया। पूजा की यूपीएससी में गड़बड़ी के मामले में और भी खुलासे हुए हैं। सामने आया है कि पूजा ने यूपीएससी के अटेम्प्ट बढ़ाने के लिए अपने नाम और उम्र में बदलाव किया था। सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल (सीएटी) में पूजा की तरफ से लगाए गए 2020 और 2023 के दो आवेदनों में पूजा के अलग-अलग नाम हैं।

धोती पहनकर मॉल पहुंचा किसान तो उसे अंदर जाने की नहीं मिली इजाजत

अन्नदाताओं ने जमकर किया विरोध

बंगलूरू, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बंगलूरू के जीटी वर्ल्ड मॉल में धोती पहनकर पहुंचे एक किसान को सुरक्षाकर्मियों ने रोक दिया। इसे लेकर किसानों में आक्रोश फैल गया। बुधवार को कर्नाटक समर्थक संगठन के साथ किसानों ने मॉल के सामने विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने कहा कि किसान धोती पहनकर आया इसलिए उसे सुरक्षा गार्ड ने उसे अंदर नहीं जाने दिया। इसका विरोध किया जा रहा है। वहीं मामले को लेकर कांग्रेस विधायक एन ए हरीस ने कहा कि यह स्वीकार नहीं है। धोती पारंपरिक ड्रेस है। हम सरकार से मामले में कार्रवाई के लिए कहेंगे।

सिंचाई के पानी की चोरी रोकेगी कर्नाटक सरकार

कर्नाटक में नहरों से सिंचाई के पानी की चोरी रोकने के लिए राज्य सरकार जल्द कानून बनाने जा रही है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बताया कि इसका बिल लगभग तैयार किया जा रहा है। एक सप्ताह में सरकार विधानसभा में विधेयक को पेश करेगी। डिप्टी सीएम शिवकुमार ने कहा कि मांड्या, हसन, बागलकोट, विजयपुरा, कालाबुरागी जैसे सिंचाई परियोजनाओं वाले जिलों में पानी की चोरी एक बड़ी समस्या है। जिसके कारण अंतिम क्षेत्रों तक पानी नहीं पहुंच रहा है। बोरों या मोटरों का उपयोग करके नहरों से पानी खींचा जा रहा है। शिवकुमार ने राजनीतिक और सार्वजनिक नेताओं से नहरों से पानी की चोरी रोकने के लिए अपने-अपने क्षेत्रों या निर्वाचन क्षेत्रों में काम करने का भी अपील की।

'सारे फैसले सरकार ने लिए, अब चाहते हैं कि शांति के लिए आऊं'

भुजबल की मुलाकात पर बोले पवार

मुंबई, 17 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण को लेकर राजनीतिक दलों के बीच जारी वार-पलटवार के बीच एनसीपी-एससीपी प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल से अपनी मुलाकात पर प्रतिक्रिया दी है। शरद पवार ने कहा, उन्होंने बारामती में कुछ अच्छे भाषण दिए थे और मेरे बारे में कुछ कहा था। फिर वे मुझसे मिलने आए, उस दिन मैं ठीक नहीं था लेकिन हमारी मुलाकात हुई।

शरद पवार ने आगे बताया कि, छगन भुजबल ने मुझे महाराष्ट्र के हित में बातें बताईं और चाहते थे कि मैं चर्चा के लिए आऊं...उन्होंने मुझे एक बैठक के बारे में बताया जिसमें मैं शामिल नहीं हुआ...वह बैठक सीएम ने बुलाई थी, यह आरक्षण के मुद्दे पर एक सर्वदलीय बैठक थी। वहीं मराठा आरक्षण को लेकर पैदा हुए विवाद पर एनसीपी-एससीपी प्रमुख ने कहा कि- मनोज जरांगे पाटिल ने मराठा आरक्षण पर सीएम से बात की, जब वे अनशन पर थे...मुझे उन बातचीत के बारे में पता नहीं था। इस मुद्दे पर मनोज जरांगे और राज्य सरकार के लोग बातचीत कर रहे हैं...लेकिन हमें नहीं पता कि वे क्या चर्चा कर रहे हैं, इसलिए, जब तक मुझे उनकी बातचीत के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं मिल जाती, हम कोई रुख कैसे अपना सकते हैं?। हमारी मुलाकात के दौरान छगन भुजबल ने मुझे कुछ कदम उठाने को कहा, अन्यथा महाराष्ट्र में कुछ समस्याएं होंगी। लेकिन मुझे लगता है कि समन्वय करना सरकार की जिम्मेदारी है। जब सभी निर्णय सरकार लेती है, हमें अलग रखकर, अब वे चाहते हैं कि हम शांति स्थापित करने के लिए हस्तक्षेप करें। मामले में शरद पवार ने आगे बताया कि- मैंने छगन भुजबल से कहा कि राज्य सरकार ने जो भी प्रतिबद्धता जताई है, वह हमें भी स्पष्ट रूप से बताई जानी चाहिए, अगर ऐसा होता है तो हम मदद कर सकते हैं।

मोदी सरकार के पहले 100 दिन के एजेंडे में शामिल हो सकता है सनसेट क्लॉज

विधि मंत्रालय ने की वकालत

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों को अगली सरकार के लिए 100 दिवसीय एजेंडा तैयार करने का निर्देश दिया था। इस कड़ी में एक दिन पहले केंद्रीय सचिव ने सभी सचिवों को पत्र भी लिखा था। जिसके बाद से विधि मंत्रालय ने कुछ विधयेकों में सनसेट क्लॉज शामिल करने की वकालत की है।

कानून की किताबों में न हो अव्यवस्था-विधि मंत्रालय

बता दें कि विधि मंत्रालय ने कुछ प्रकार के विधेयकों में सनसेट क्लॉज या स्वत: निरस्तीकरण प्रावधान को शामिल करने की वकालत की है, ताकि कानून की किताबों में अव्यवस्था न हो और इसे अपने 100 दिवसीय एजेंडे में शामिल किया जा सके। मंत्रालय के विधायी विभाग ने नए विधायी प्रस्ताव में सनसेट क्लॉज को अपने 100 दिवसीय एजेंडे का हिस्सा बनाते हुए कहा है कि संबंधित मंत्रालयों के परामर्श से इस संबंध में कदम उठाए जाएंगे।

क्या होता है सनसेट क्लॉज?

सनसेट क्लॉज मुख्य रूप से अस्थायी प्रकृति के कानूनों या गतिशील स्थितियों से निपटने वाले कानूनों पर लागू होता है। एक बार जब उनकी उपयोगिता समाप्त हो जाती है, तो वे कानून की किताबों से हटा दिए जाते हैं।

'कानून की अवधि को सीमित करने के लिए होता है क्लॉज'

इस मामले में पूर्व केंद्रीय विधि सचिव पीके मल्होत्रा ने बताया कि जब भी विधानमंडल-संसद या राज्य विधानमंडल-अपने द्वारा पारित किसी कानून की अवधि को सीमित करना चाहता है, तो वह नीतिगत तौर पर एक सनसेट क्लॉज प्रदान कर सकता है, जिसमें यह प्रावधान हो कि एक निश्चित अवधि - आवश्यकता के आधार पर पांच या 10 वर्ष - बीत जाने के बाद कानून समाप्त हो जाएगा। पूर्व केंद्रीय विधि सचिव ने बताया कि विधानमंडल सनसेट क्लॉज के कारण निष्क्रिय हो चुके कानून को नया जीवन देने के लिए एक नया कानून पारित कर सकता है।

विधायी विभाग के अनुसार, वह संबंधित प्रशासनिक मंत्रालयों और विभागों के परामर्श से नए विधायी प्रस्ताव में सनसेट क्लॉज या स्वत: निरस्तीकरण क्लॉज को शामिल करना चाहता है। विभाग ने कहा कि जब भी इस संबंध में प्रस्ताव प्राप्त होंगे, आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। यह लंबे समय से लंबित मांग है। यह प्रथा कुछ अन्य देशों में भी प्रचलित है।

क्यों बढ़ रही खाने-पीने की चीजों की कीमतें

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक अप्रैल 2024 भारतीय वित्त वर्ष का पहला दिन। अरहर की दाल का औसत रेट 149.23 रुपए था। चीनी 44.44 रुपए की एक किलो थी। सरसों का एक लीटर तेल 135.67 रुपए का था, आलू 24.76 रुपए किलो तो प्याज 32.38 रुपए और टमाटर 32.97 रुपए किलो था। ये जो दाम आपने सुने हैं ये औसत दाम थे। ये आंकडे उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय की वेबसाइट पर दिए गए हैं। अब इसी वेबसाइट पर 15 जुलाई के औसत दामों पर नजर डालते हैं. अरहर की दाल 168.75 पर पहुंच गई है, चीनी 45.03 पर, सरसों का तेल 140.82 पर, आलू 37.14 रुपए किलो, प्याज 44.67 रुपए किलो और टमाटर 68.52 रुपए किलो पर पहुंच गए हैं। उम्मीद है कि ये आंकडे देखने के बाद आपको महगाई दिख भी रही होगी और महसूस भी हो रही होगी और ये तो एक बानगी मात्र है। इसी वेबसाइट पर और भी कई चीजों के दाम दिए गए हैं।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने भी कुछ आंकड़े जारी किए हैं। इनके मुताबिक जून में थोक महंगाई दर बढ़ गई है। 3.36 फीसदी पर पहुंच गई है। थोक महंगाई को डब्ल्यूपीआई भी कहते हैं, डब्ल्यूपीआई माने होलसेल प्राइस इंडेक्स पिछले चार महीनों से इसमें लगातार इजाफा हो रहा है। मार्च में ये 0.53 फीसदी थी। अप्रैल में ये 1.26 फीसदी थी, मई में 2.61 फीसदी और अब जून में 3.36 फीसदी। अब सवाल ये कि थोक महंगाई क्यों बढ़ रही है? और जवाब ये कि खाने-पीने की चीजें महंगी हो गई हैं। सरकारी आकंडे तस्दीक करते हैं कि आलू से लेकर प्याज तक और टमाटर से लेकर तमाम सब्जियां महंगी हो गई हैं। तमाम दालें महंगी हो गई हैं। थोक महंगाई के बाद बात करते हैं रिटेल महंगाई की। 12 जुलाई को रिटेल महंगाई के आंकड़े आए थे। जून के महीने में रिटेल महंगाई भी बढ़ गई। 5.08 प्रतिशत पर पहुंच गई। अप्रैल में ये आंकडा 4.85% का था। और मई में रिटेल महंगाई 4.75% पर थी। रिपोर्ट बताती है कि खाने-पीने की चीजें महंगी होने की वजह से रिटेल महंगाई बढ़ गई है। खाद्य महंगाई दर 8.69 से बढ़कर 9.36% पर पहुंच गई है। यही नहीं शहरी महंगाई के साथ-साथ ग्रामीण महंगाई भी बढ़ती जा रही है। रिटेल महंगाई हो या फिर थोक महंगाई। दोनों में एक चीज कॉमन है। दोनों रिपोर्ट एक बात पर मुहर लगाती हैं। वो ये कि खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ रहे हैं। खाने-पीने की चीजें महंगी हो रही हैं। लेकिन कभी आपने ये सोचा है कि कोई चीज महंगी क्यों होती है और सस्ती कब हो जाती है? महंगाई का पूरा गणित काम करता है मांग और सप्लाई के फॉर्मूले पर। अगर किसी चीज की मांग बहुत अधिक है और सप्लाई कम है तो उस चीज के दाम बढ़ जाएंगे। वहीं अगर किसी चीज की सप्लाई अधिक है और मांग बहुत ज्यादा नहीं है तो ऐसे में उस चीज के दाम कम हो जाएंगे। यानी सब्जियों और दालों की मांग तो ज्यादा है लेकिन सप्लाई उतनी नहीं है। और यही कारण है कि इन चीजों के दामों में उछाल आ गया है। लेकिन आखिर ऐसा क्या हो गया कि सब्जियों और दालों की सप्लाई प्रभावित हो गई?

एक बड़ी वजह है उत्पादन में कमी आना। पिछले काफी वक्त से मौसम ने किसानों का साथ कम दिया है। दालों और अनाजों पर मौसम का असर हुआ है। पिछले करीब एक साल से देश में अलनीनो की स्थिति रही थी। और अब लगातार हो रही बारिश ने भी उत्पादन पर असर डाला है। यही हाल कमोबेश सब्जियों का भी है। सब्जियों का उत्पादन भी काफी प्रभावित हुआ है। इसके बाद बारी आती है सप्लाई की। सप्लाई भी प्रभावित हुई है और इसकी सबसे बड़ी वजह है मानसून। देश के कई हिस्सों में भारी बारिश है।

देश का एक बड़ा इलाका बारिश और बाढ़ की चपेट में है। जलभराव और जलजमाव की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। ऐसे में खाने-पीने की चीजों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाना परेशानी वाला काम हो गया है। सड़कों पर, हाइवे पर, खाने-पीने से लदे ट्रकों को लाना-ले-जाना खासा परेशानी भरा हो गया है। बारिश की वजह से जाम की स्थिति भी पैदा होती हैं। इस वजह से पेट्रोल-डीजल की खपत ज्यादा होती है। यानी ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ जाती है। इसका असर हो रहा है आपकी जेब पर।

राजद नेताओं पर कार्रवाई शुरू

जनसुराज से करीबी देख लालू की पार्टी से पांच निष्कासित

पटना, 17 जुलाई (एजेंसियां)। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की जनसुराज से संपर्क रखने वाले नेताओं पर राष्ट्रीय जनता दल ने कार्रवाई की है। पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की पार्टी ने अपने पांच नेताओं पर कार्रवाई की है। इन सभी पर पार्टी की छवि धूमिल करने का आरोप है। राजद ने इन्हें छह साल के लिए निष्कासित किया है। इनमें कहलगांव के पवन भारती, गोराडीह के मो। आफताब आलम, सन्हौला के शिव कुमार साह, सुलतानगंज के अजीत कुमार एवं सुलतानगंज की ही आशा जायसवाल शामिल हैं। राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह स्तर से कार्रवाई हुई है। वहीं राजद में इतने बड़े पैमाने में नेताओं के निष्कासन का कार्यालय आदेश जारी होने के साथ राजद कार्यकर्ताओं में हड़कंप मच गया है।

राजद कार्यालय की ओर से जारी आदेश में लिखा गया है कि अनुशासन के विपरीत जन सुराज संगठन से जुड़ कर दल विरोधी कार्य कर रहे हैं, जिससे पार्टी की छवि धूमिल हुई है। राजद जिलाध्यक्ष सीपी यादव ने बताया कि राजद पार्टी में रहते हुए उक्त लोगों ने जनसुराज पार्टी की सदस्यता ली है। इसकी सूची प्रकाशित होने के साथ सामने आ गया कि कौन-कौन दल विरोधी कार्य में संलिप्त हैं।

पहले यह पत्र वायरल हुआ था, जनसुराज को भाजपा का बी टीम तक कहा

राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने पत्र में लिखा है कि, 'आये दिन प्रायः सभी जिलों में ऐसा देखने को मिला है कि हमारे पार्टी के कार्यकर्ता या नेता जन सुराज पार्टी में सहयोगी या उनके सदस्य बन रहे हैं। यह चिंता का विषय है। विदित हो की जनसुराज पार्टी एक राजनीतिक पार्टी है। इसके संस्थापक प्रशांत किशोर उर्फ प्रशांत किशोर पांडेय हैं। यह पार्टी भारतीय जनता पार्टी एवं देश के धर्मावलंबी लोगों के द्वारा संचालित तथा वित्तीय पोषित हैं अर्थात भारतीय जनता पार्टी का बी टीम है। आप सभी साथियों से अनुरोध है कि ऐसे लोगों के बहकावे में आपलोग न आवें।

उनकी मंशा राष्ट्रीय जनता दल को कमजोर करने और भाजपा की शक्ति को बढ़ावा देने की है। जिन साथियों को आदरणीय लालू प्रसाद का सामाजिक न्याय और सांप्रदायिक सौहार्द एवं बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर, डॉ राम मनोहर लोहिया, महात्मा गांधी, डॉक्टर पेरियार, महात्मा ज्योतिराव फूले, जननायक कर्पूरी ठाकुर और लोकनायक जयप्रकाश नारायण के विचारों से वास्ता है, वह दल विरोधी काम ना करें अन्यथा दल उन पर समुचित कार्रवाई करेगी'। फिलहाल राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के द्वारा जारी किये गये इस पत्र का राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं और उनके दल के कार्यकर्ताओं में चर्चा का विषय बना हुआ है।

नीतीश कुमार और बीजेपी की मिलीभगत

'डबल इंजन' की सरकार पर क्या बोल गईं रोहिणी आचार्य?

पटना, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में एनडीए की सरकार पर इन दिनों विपक्ष हमलावर है। कांग्रेस और आरजेडी के नेता नीतीश सरकार को घेर रहे हैं। बिहार में कभी पुल गिरने पर तो कभी आए दिन हो रही हत्याओं को लेकर सरकार पर सवाल उठाए जा रहे हैं। अब आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी और सारण लोकसभा सीट से चुनाव लड़ चुकीं रोहिणी आचार्य ने डबल इंजन की सरकार पर हमला किया है। रोहिणी ने बुधवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए निशाना साधा। रोहिणी आचार्य ने पेपर लीक, कानून-व्यवस्था समेत कई मुद्दों को लेकर सरकार को घेरा है। उन्होंने बुधवार को एक्स पर लिखा, बिहार में नैतिक तौर पर टूटे निजाम का शासन है, सरकार की हर शाख पर एक-एक नक्कारा लाचार बैठा है, अवसरवादिता के पुरोधा आत्ममुग्ध श्री नीतीश कुमार जी व भाजपा की मिलीभगत वाली फेल डबल इंजन की सरकार की सरपरस्ती में बिहार बेपटरी हो चुकी है।

रोहिणी ने सरकार को बताया विफल

अपने पोस्ट में ही आगे रोहिणी लिखती है, मूलभूत व्यवस्थाएं बदहाल हैं, अफसरशाही सरकार चलाने वालों व विधायिका पर हावी है, संरचनाओं को भ्रष्टाचार का दीमक चाट कर खोखला कर रहा है, कानून-व्यवस्था अपराधियों के रहम-ओ-करम (अनुकंपा) पर है। सतत व समग्र विकास के मानकों पर खुद को साबित करने में सरकार विफल है।

प्रतियोगी परीक्षाओं की धांधली का हब बनाए जा चुके बिहार में युवाओं का भविष्य गर्त में धकेलने को सत्ताधारी गठबंधन आमादा है। आगे कहा, सत्ता में बैठे लोगों व सत्ताधारी जमात के भोंपूओं के बड़बोलेपन व झूठे-प्रचार से प्रदेश की जनता ऊब चुकी है। शासन व शासक की विश्वसनीयता, प्रदेश की जनता के प्रति इनकी प्रतिबद्धता पर बड़ा सवाल है और ऐसे में जन-जन की बस एक ही पुकार है, इस निकम्मी-नक्कारी सरकार से अब निजात पाने की दरकार है।

'अपने अंतर्कलह के कारण ही गिर जाएगी भाजपा सरकार', सपा सांसद प्रिया सरोज का बड़ा दावा

जौनपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। मछलीशहर क्षेत्र से नव निर्वाचित प्रथम महिला सांसद प्रिया सरोज ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान पत्रकारों से बात की। कहा कि देश में बेरोजगारी बढ़ने का मूल कारण सत्तासीन सरकार की गलत नीतियां हैं। हाल ही में नीट परीक्षा से लेकर पुलिस भर्ती तक की परीक्षा पेपर लीक हो जाना भाजपा सरकार की साजिश है। महिलाओं को स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उन्होंने कहा कि जब तक महिलाएं पढ़-लिखकर अपने पैरों पर खड़ी नहीं हो जातीं तब तक महिलाओं के साथ अत्याचार एवं शोषण होता रहेगा। इसलिए क्षेत्र की पहली महिला सांसद होने के लिए महिलाओं की शिक्षा के स्तर बढ़ाना मेरी पहली प्राथमिकता है।

भाजपा सरकार के भविष्य के बारे में सांसद ने कहा कि यह सरकार आरएसएस के भरोसे चल रही है। जब तक संघ साथ देगा तब तक सरकार चल रही है। यह सरकार अपने अंतरकलह के कारण ही गिर जाएगी। सपा नेता सत्यनारायण यादव ने मुफ्तीगंज रेलवे स्टेशन पर सुहेलदेव व गाजीपुर बांद्रा एक्सप्रेस के ठहराव की मांग की। इस पर सांसद ने कहा कि लोकसभा सत्र के दौरान इस मुद्दे को संसद में उठाऊंगी। उक्त ट्रेनों के ठहराव का पूरा प्रयास करूंगी।

सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव का बीजेपी पर तंज

कहा- पार्टी में चल रही है कुर्सी की लड़ाई

लखनऊ, 17 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश यूनिट में मचे सियासी उथलपुथल को लेकर समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव ने तंज कसा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि 'तोड़फोड़ की राजनीति का जो काम भाजपा दूसरे दलों में करती थी, अब वही काम वो अपने दल के अंदर कर रही है'। अखिलेश यादव ने कहा है कि सूबे में शासन-प्रशासन ठंडे बस्ते में चला गया है क्योंकि बीजेपी के नेता कुर्सी की लड़ाई में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी में अब कोई भी ऐसा नहीं है जो जनता के बारे में सोचे।

'जनता के बारे में सोचनेवाला भाजपा में कोई नहीं'

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सपा सुप्रीमो ने लिखा, 'भाजपा की कुर्सी की लड़ाई की गर्मी में, उप्र में शासन-प्रशासन ठंडे बस्ते में चला गया है। तोड़फोड़ की राजनीति का जो काम भाजपा दूसरे दलों में करती थी, अब वही काम वो अपने दल के अंदर कर रही है, इसीलिए भाजपा अंदरूनी झगड़ों के दलदल में धंसती जा रही है। जनता के बारे में सोचनेवाला भाजपा में कोई नहीं है।' बता दें कि यूपी बीजेपी में इन दिनों सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है हालांकि पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं 10 सीटों पर होने वाले उपचुनावों की तैयारी शुरू कर दी है।

बीजेपी पर लगातार निशाना साध रहे हैं अखिलेश

बता दें कि इससे पहले अखिलेश यादव ने एक और ट्वीट कर बीजेपी सरकार पर तंज कसा था। उन्होंने लिखा था, 'भाजपा सरकार ने उपचुनाव में हार के डर से शिक्षकों की 'डिजिटल अटेंडेंस' व लखनऊ में 'पंतनगर व इंद्रप्रस्थ के ध्वस्तीकरण' का फरमान स्थगित किया है, इसे पूरी तरह से निरस्त होना चाहिए। भाजपा का असली चेहरा शिक्षकों व आम जनता के सामने आ गया है। शिक्षक व आम जनता भाजपा को उपचुनाव ही नहीं, अगला हर चुनाव हराएगी। जनता ने भाजपा सरकार की मनमानी के बुलडोजर के ऊपर जनशक्ति का बुलडोजर चला दिया है।'

बार-बार एक ही बात दोहरा रहे नीतीश के मंत्री, अब मोदी सरकार पर टिकी निगाहें!

पटना, 17 जुलाई (एजेंसियां)। जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट बिहार के लिए विशेष राज्य का दर्जा या फिर विशेष आर्थिक सहायता की मांग को औचित्य प्रदान करती है। जदयू प्रदेश कार्यालय में जन सुनवाई कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत के क्रम में उन्होंने यह बात कही। विजय चौधरी ने कहा ऐतिहासिक व भौगोलिक कारणों की वजह से बिहार आज भी गरीब है। इसकी भरपाई के लिए राज्यों को विशेष आर्थिक मदद का संवैधानिक प्रविधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि बिहार उस मायने में भाग्यशाली प्रदेश नहीं है कि उसके पास अकूत प्राकृतिक संसाधन हों। हमारे पास खनिज संपदा भी नहीं है। इसके बाद भी सीमित संसाधनों से हमने अपनी विश्वसनीयता प्रमाणित की है। विकास के कई मानकों में बिहार आज अधिकांश प्रदेशों से काफी आगे है।

मुकेश सहनी के पिता की हत्या के संबंध में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूरी घटना को संज्ञान में लिया है। तीव्र जांच के लिए उन्होंने आला पुलिस अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए हैं। सरकार द्वारा एसआईटी का भी गठन हो गया है। अपराधी बहुत जल्द सलाखों के पीछे होंगे। विजय चौधरी ने यह भी कहा कि आपराधिक घटनाओं पर विपक्ष को राजनीतिक रोटी सेंकने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। जन सुनवाई कार्यक्रम में जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा व विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी भी मौजूद थे।

रिटायर्ड कैप्टन के घर हुई 50 लाख की चोरी, बेटा ही निकला चोर, वजह चौंका देगी

फतेहपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के फतेहपुर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक रिटायर्ड कैप्टन के घर पर 50 लाख रुपए की चोरी हुई। मामला पुलिस के पास पहुंचा। 8 घंटे में ही पुलिस ने इस घटना का पर्दाफाश किया और जो बात सामने आई, उसे जानकर सभी दंग रह गए। दरअसल रिटायर्ड कैप्टन के बेटे ने ही इस चोरी को अंजाम दिया था। रिटायर्ड कैप्टन हरि शंकर चौहान के यहां 50 लाख की चोरी हुई। जब पुलिस ने इस मामले की जांच की तो पता लगा कि हरिशंकर के मर्चेंट नेवी में काम करने वाले बेटे ने ही ये रुपए चुराए। बेटा रमन 2 साल से ऑनलाइन गेम डेल्टा 999 का आदी था। बेटा रमन अपनी सैलरी का 80 लाख और घर में रखे 50 लाख रुपए गेम में हार गया था। इसके बाद अपने पिता से ये मामला छुपाने के लिए बेटे ने मां के साथ ये साजिश रची। इसके बाद उसने पुलिस को 50 लाख रुपए चोरी होने की झूठी सूचना दी। लेकिन पुलिस ने इस केस का 8 घंटे में ही खुलासा कर दिया। रिटायर्ड कैप्टन का बेटा छुट्टी पर घर आया हुआ था।

'बिहार सरकार को अनुसूचित जातियों की सूची में छेड़छाड़ करने का कोई अधिकार नहीं', एससी का बड़ा आदेश

पटना, 17 जुलाई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने बिहार सरकार की 2015 की उस अधिसूचना को रद्द कर दिया है, जिसके तहत उसने अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) से 'तांती-तंतवा' जाति को हटाकर अनुसूचित जातियों की सूची में 'पान/सावासी' जाति के साथ मिला दिया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने कहा कि राज्य सरकार के पास संविधान के अनुच्छेद 341 के तहत प्रकाशित अनुसूचित जातियों की सूची में छेड़छाड़ करने का कोई अधिकार या क्षमता नहीं है। पीठ ने कहा कि अधिसूचना के खंड-1 के तहत निर्दिष्ट अनुसूचित जातियों की सूची में केवल संसद द्वारा बनाए गए कानून द्वारा ही संशोधन या परिवर्तन किया जा सकता है।

बिहार सरकार को एससी से झटका

न्यायालय ने कहा कि अनुच्छेद 341 के अनुसार न तो केंद्र सरकार और न ही राष्ट्रपति संसद द्वारा पारित कानून के बिना धारा-एक के तहत जारी अधिसूचना में कोई संशोधन या

परिवर्तन कर सकते हैं, जिसमें राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों के संबंध में जातियों को निर्दिष्ट किया गया हो। पीठ ने सोमवार को सुनाए अपने फैसले में कहा, 'हमें यह मानने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि एक जुलाई, 2015 का संकल्प स्पष्ट रूप से अवैध और त्रुटिपूर्ण था, क्योंकि राज्य सरकार के पास संविधान के अनुच्छेद 341 के तहत प्रकाशित अनुसूचित जातियों की सूची में छेड़छाड़ करने की कोई क्षमता/शक्ति नहीं थी।'

बिहार सरकार को एससी जातियों की सूची में छेड़छाड़ करने का अधिकार नहीं- सुप्रीम कोर्ट

शीर्ष अदालत ने कहा कि बिहार सरकार अच्छी तरह जानती थी कि उसके पास कोई अधिकार नहीं है और इसलिए उसने 2011 में 'तांती-तंतवा' को 'पान, सावासी, पंर' के पर्याय के रूप में अनुसूचित जातियों की सूची में शामिल करने के लिए केंद्र को अपना अनुरोध भेजा था। पीठ ने कहा, 'उक्त अनुरोध स्वीकार नहीं किया गया और आगे की टिप्पणियों/औचित्य/समीक्षा के लिए वापस कर दिया गया। इसे अनदेखा करते हुए, राज्य सरकार ने एक जुलाई, 2015 को परिपत्र जारी किया।' पीठ ने फैसला सुनाया, 'एक जुलाई, 2015 का विवादित प्रस्ताव रद्द किया जाता है।'

जानिए क्या कहा सुप्रीम कोर्ट ने

इसने कहा कि राज्य की कार्रवाई दुर्भावनापूर्ण और संवैधानिक प्रावधानों के विरुद्ध पाई गई है और राज्य को उसके द्वारा की गई शरारत के लिए माफ नहीं किया जा सकता। इसने कहा, 'संविधान के अनुच्छेद 341 के तहत सूचियों में शामिल अनुसूचित जातियों के सदस्यों को वंचित करना एक गंभीर मुद्दा है। कोई भी व्यक्ति जो इस सूची के योग्य नहीं है और इसके अंतर्गत नहीं आता है, अगर राज्य सरकार द्वारा जानबूझकर और शरारती कारणों से ऐसा लाभ दिया जाता है, तो वह अनुसूचित जातियों के सदस्यों का लाभ नहीं छीन सकता है।' शीर्ष अदालत ने कहा कि चूंकि उसे राज्य सरकार के आचरण में दोष मिला है, न कि 'तांती-तंतवा' समुदाय के किसी व्यक्तिगत सदस्य में, इसलिए वह यह निर्देश नहीं देना चाहती कि उनकी सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं या अवैध नियुक्तियों या अन्य लाभों की वसूली की जा सकती है।

मुसलमानों को यहां रहने दिया गया, यह सबसे बड़ी गलती', गिरिराज सिंह का विवादित बयान

पटना, 17 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बरेली दंगे के मास्टरमाइंड और इत्तेहादे मिल्लत काउंसिल के अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा के हिंदू लड़के-लड़कियों का धर्म परिवर्तन कराने वाले बयान पर पलटवार किया है। गिरिराज सिंह ने तौकीर रजा पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनको सबक सिखाना जरूरी है, क्योंकि भारत का विभाजन हुआ तब अगर उन्हें (मुसलमानों) यहां ना रहने दिया गया होता तो आज यह नौबत ही नहीं आती। उन्होंने कहा, साजिश के तहत इनको यहां रोका गया, जिससे आज ऐसी स्थिति पैदा कर सकें। गिरिराज सिंह ने कहा, यह गलती हुई है कि जब देश का विभाजन धर्म के आधार पर हुआ और फिर भी मुसलमानों को यहां रहने दिया गया। दरअसल, तौकीर रजा ने हाल ही में ऐलान किया था कि वे 21 जुलाई को पांच जोड़ों का इस्लाम में धर्म परिवर्तन करवाने वाले हैं। तौकीर रजा ने ऐलान किया है कि उनके पास बड़ी संख्या में हिन्दू धर्म के लोग इस्लाम धर्म कबूल करने के लिए आ रहे हैं। इसलिए अब एक साथ 5 हिंदू लड़के-लड़कियों का धर्म परिवर्तन करवाकर उनका निकाह पढ़वाया जाएगा।मौलाना ने कहा है कि इस काम को करने के लिए जिला प्रशासन से इजाजत मांगी गई है। मौलाना तौकीर रजा के इस ऐलान पर केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता गिरिराज सिंह भड़क उठे हैं। गिरिराज सिंह ने तौकीर रजा को चेतावनी दी कि वे हिंदुओं का इम्तिहान न लें, बहुत जल्दी यह विस्फोट होगा। गिरिराज सिंह ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के मुस्लिम महिलाओं को भत्ता देने के फैसले का जिक्र करते हुए पूछा कि इस पर ममता बनर्जी, राहुल गांधी और अखिलेश यादव चुप क्यों हैं। ममता बनर्जी पर गिरिराज सिंह ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वह बंगाल को बांग्लादेश और पाकिस्तान बनाने की तैयारी कर रही हैं।

'तुम बात नहीं करोगी चांदनी, तो उसके पूरे परिवार को खत्म कर देगा

छत पर आ गया प्रेमी, उधर सो रहे थे लड़की के घरवाले, फिर दिखा खौफनाक मंजर

छपरा, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के छपरा जिले में रसूलपुर के घानाडीह गांव में देर रात को प्रेमी पर इस कदर नफरत का भूत चढ़ गया कि उसने प्रेमिका के परिवार को ही खत्म करने की ठान ली। एक तरफा प्यार में पागल आशिक प्रेमिका के घर पर पहुंचा और छत पर सो रहे प्रेमिका के पिता, बहन और उसको चाकू से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। इस दौरान प्रेमिका की मां ने जैसे-तैसे अपनी जान बचाई, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। प्रेमिका की मां शोभा देवी ने बताया कि गांव का रोशन नाम का लड़का उनकी लड़की से एकतरफा प्यार करता था और धमकी देता था कि अगर वह नहीं मानेगी तो उसके पूरे परिवार को खत्म कर देगा। इसी कड़ी में बीती रात को वह अपने दोस्त के साथ घर की छत पर चढ़ गया और जब घरवालों ने शोर मचाना शुरू किया तो सभी पर चाकू से हमला कर दिया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। मृत प्रेमिका की मां ने बताया कि उनकी बेटी चांदनी का कुछ दिन पहले ही रोशन से दोस्ती हुआ था। लेकिन लड़के के घरवालों ने चांदनी को लड़के से बात करने से मना कर दिया और इसके बाद चांदनी ने बात करना बंद कर दिया। इसी बात को लेकर रोशन गुस्से में था और परिवार को खत्म करने की धमकी देता था। घायल मां ने बताया कि हमले में उनकी दोनों बेटियां और पति दोनों बुरी तरह से घायल हो गए थे। इस दौरान उनके हाथ में भी चाकू लग गया। इसके बाद वह किसी तरह अपनी जान बचाने में सफल रही। मृतकों की पहचान जिले के रसूलपुर थाना क्षेत्र के घानाडीह गांव निवासी 50 वर्षीय तारकेश्वर सिंह, 17 वर्षीय चांदनी और 15 वर्षीय आभा कुमारी के रूप में हुई है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़िता का बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। साथ ही दोनों आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है।

अतीक की संपत्ति पर चला चाबुक, 50 करोड़ की संपत्ति सरकारी खजाने में गई

प्रयागराज, 17 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कुख्यात माफिया डॉन अतीक अहमद का आंतक कभी इस कदर हुआ करता था कि वह जिस जमीन या बिल्डिंग पर नजर डाल देता तो वह उसकी ही हो जाती थी। फिर उसकी चाहे जो कीमत चुकानी पड़ती। लेकिन प्रयागराज कमिश्नरेट लागू होने के बाद माफिया के बुरे दिन शुरू होते गए और माफिया अतीक अहमद और उसका भाई अशरफ साल 2023 में मारे गए। साथ ही उसके गैंग के सदस्यों के भी बुरे दिन शुरू हो गए। वहीं प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अतीक की 50 करोड़ की बेनामी संपत्ति अब सरकारी खजाने में दर्ज कर दी है। ये फैसला गैंगस्टर कोर्ट ने सुनाया गया। माफिया अतीक अहमद और उसके परिवार और गुर्गों की करीब 500 करोड़ रुपए से अधिक की प्रापर्टी अब तक कुर्क की जा चुकी है। कैंट थाने में माफिया अतीक अहमद के खिलाफ 2020 में दर्ज गैंगस्टर के मुकदमे की विवेचना के दौरान पुलिस को पता चला था कि एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में अतीक की लगभग 25 बीघा जमीन है।

फेसबुक पर दोस्ती, फिर दुबई में बेचा

इलाज के बहाने आगरा बुलवाया, फिर दुबई ले जाकर बेचा, अब प्रेमिका को मिली फांसी की सजा

बांदा, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बांदा की युवती की फेसबुक पर एक युवक के साथ दोस्ती हो गई। युवक ने युवती को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। युवती दिव्यांग थी। प्रेमी युवती का इलाज कराने के बहाने आगरा ले गया। वहां से उसे दुबई भेजा और फिर बेच दिया। कोर्ट ने युवती के पिता की याचिका पर दुबई के दंपती सहित चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश दिए हैं। वहीं युवती दंपती के बेटे की हत्या में फांसी की सजा होने पर दुबई की जेल में है। पूरा मामला बांदा जनपद के मातौंध थाना क्षेत्र अंतर्गत गोयरा मुगली का है। जहां के रहने वाले शब्बीर खान ने सीजेएम कोर्ट में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसकी बेटी शहजादी (33) आग में जल गई थी, जिसकी वजह से वह दिव्यांग हो गई थी। वह रोटी बैंक नामक संस्था से जुड़कर समाजसेवा का काम करती थी।

तभी उसकी दोस्ती फेसबुक के जरिए आगरा में रहने वाले युवक उजैर पुत्र मतलुब से हुई। दोनों में प्रेम प्रसंग हो गया। मेरी बेटी दिव्यांग थी। इलाज के बहाने उसने साल 2021 में उसको आगरा बुलाया। कहा कि यहां डॉक्टर अच्छे नहीं है। युवक ने युवती को बताया कि उसका इलाज दुबई में करवाएंगे। इसलिए उसे दुबई चलना होगा।

इस पर युवती मान गई। फिर युवक ने उसका वीजा बनवाया। फिर उसे अपने साथ दुबई ले गया। जहां पर युवक ने उसको दुबई में रह रहे आगरा निवासी फैज अहमद और नदिया के पास भेजकर, उसे वहां पर उनके हाथों में बेच दिया। उजैर ने बेटी के गहने, दिव्यांग कार्ड, एटीएम आदि अपने पास रख लिए। बेटी का बैंक में जमा सारा पैसा, दिव्यांग पेंशन आदि एटीएम से निकाल लिया। उसको दुबई में ही छोड़ दिया। उधर, दुबई में कुछ दिन बाद फैज के सात वर्षीय बेटे की गलत इलाज के कारण मौत हो गई।

फैज ने बेटी को हत्या के मामले में फंसा दिया। वहां की अदालत ने बेटी को दोषी ठहराते हुए फांसी की सजा सुनाई है। वह इस समय जेल में है। बांदा सीजेएम भगवान दासगुप्ता ने मामले को गंभीर अपराध मानते हुए पुलिस को मानव व्यापार, धोखाधड़ी,आदि मे केस दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 18 जुलाई, 2024 5

युविचार

जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है।

कांग्रेस सरकार महिला सशक्तिकरण को नए सिरे से परिभाषित कर रही है: उत्तम

महिलाओं को और सशक्त बनाने के लिए कई योजनाएं पाइपलाइन में

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति और सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार तेलंगाना में महिला सशक्तिकरण को नए सिरे से परिभाषित कर रही है। उन्होंने दावा किया कि क्रियान्वित की जा रही अधिकांश योजनाएं महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित हैं। बुधवार को बुद्ध भवन में तेलंगाना राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष के रूप में नेरेल्ला शारदा के शपथ ग्रहण समारोह में बोलते हुए उत्तम कुमार रेड्डी ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई कई अभिनव योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महालक्ष्मी, गृह ज्योति और इंदिराम्मा इंदलू जैसी योजनाओं से लाखों महिलाओं को रोजाना, हर महीने और हमेशा के लिए लाभ मिला है। मंत्री ने कहा, "14 लाख से अधिक महिलाएं रोजाना तेलंगाना में आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा सेवा का लाभ उठा रही हैं।

महालक्ष्मी योजना के तहत, टीजीएसआरटीसी ने महिला यात्रियों को लगभग 55 करोड़ शून्य टिकट जारी किए हैं, जिससे उन्हें यात्रा करने की स्वतंत्रता मिली है।" उन्होंने कहा कि 500 रुपये के रसोई गैस सिलेंडर से लगभग 40 लाख महिलाओं को लाभ हुआ है, जिससे प्रत्येक परिवार को हर महीने 700 रुपये से अधिक की बचत हुई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस योजना को और अधिक लाभार्थियों को शामिल करने के लिए और अधिक दुरुस्त किया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हर पात्र महिला को महालक्ष्मी योजना का लाभ मिले, जो चुनाव से पहले कांग्रेस द्वारा किए गए छह वादों में से एक है। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी की जीत में महिलाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने आश्वासन दिया कि लोगों से किए गए सभी वादे पूरे किए जाएंगे और कांग्रेस पार्टी महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है, तथा उन्हें सभी क्षेत्रों में विकास के लिए समान अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने खुलासा किया कि तेलंगाना में महिलाओं को और सशक्त बनाने के लिए कई योजनाएं पाइपलाइन में हैं।

उत्पीड़न लंबे समय तक जारी नहीं रह सकता : केटीआर

राजनीतिक प्रतिशोध को दर्शाता है सुप्रीम कोर्ट का फैसला

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा कि राजनीतिक प्रतिशोध और उत्पीड़न की भी अपनी सीमाएं होती हैं।

उन्होंने भरोसा जताया कि न्यायिक अदालत की तरह ही जनता की अदालत और सर्वशक्तिमान की अदालत भी इसी तरह के फैसले सुनाएगी। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से यह बात पुष्ट होती है कि उत्पीड़न लंबे समय तक जारी नहीं रह सकता। उन्होंने कहा कि न्यायिक अदालत ने पूर्व मुख्यमंत्री के मामले में सत्ता के दुरुपयोग पर ऐतिहासिक टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि जल्द ही जनता की अदालत भी इसी तरह का फैसला सुनाएगी। सर्वशक्तिमान की अदालत भी कांग्रेस को उसके दुर्भावनापूर्ण अभियान के लिए दंडित करेगी। सत्य की ही जीत होती है।

चार महीने में नैनी ब्लॉक से कोयला उत्पादन शुरू करें

डिप्टी सीएम भट्टी ने अधिकारियों को निर्देश दिया

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने संबंधित अधिकारियों को लंबित कार्य तेजी से पूरा करने और चार महीने में ओडिशा के नैनी ब्लॉक से कोयला उत्पादन शुरू करने का निर्देश दिया है। उपमुख्यमंत्री, जो ऊर्जा मंत्री भी हैं, ने मंगलवार को यहां सचिवालय में नैनी कोयला ब्लॉक पर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। भट्टी विक्रमार्क ने हाल ही में ओडिशा का दौरा किया और नैनी कोयला ब्लॉक से संबंधित मुद्दों पर उस राज्य के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के साथ चर्चा की। भट्टी की पहल से नैनी कोल ब्लॉक सिंगरेणी कोलियरीज को आवंटित किया गया है। इस अवसर पर बोलते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि चूंकि 135 वर्ष पुरानी राज्य स्वामित्व वाली सिंगरेणी कंपनी तेलंगाना के बाहर पहली परियोजना शुरू कर रही है, इसलिए अधिकारियों को स्थानीय लोगों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार और सिंगरेणी कंपनी की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए खनन कार्य को इस तरह से करना चाहिए। भट्टी ने कहा कि नैनी कोल ब्लॉक को सभी आवश्यक अनुमतियां दी गई थीं और 783.27 हेक्टेयर वन भूमि ओडिशा राज्य वन विभाग द्वारा सिंगरेणी कंपनी को हस्तांतरित कर दी गई थी और ओडिशा के मुख्यमंत्री ने वन भूमि के हस्तांतरण पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने सिंगरेणी प्रबंधन को ओडिशा वन विभाग के साथ लगातार परामर्श करने का निर्देश दिया ताकि चल रहे कार्यों को जल्द से जल्द पूरा किया जा सके।

फसल ऋण तीन किस्तों में माफ किया जाएगा: सीएम रेवंत

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बताया है कि फसल ऋण तीन किस्तों में माफ किया जाएगा और इसकी प्रक्रिया अगस्त महीने के अंत तक पूरी हो जाएगी। बुधवार को यहां प्रजा भवन में कांग्रेस पार्टी के विधायकों, एमएलसी, सांसदों और पार्टी नेताओं के साथ एक बैठक में विवरण साझा करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली किस्त में %,000 करोड़ रुपये जारी किए जाएंगे और एक लाख रुपये तक के फसल ऋण की राशि गुरुवार शाम 4 बजे तक किसानों के खातों में जमा कर दी जाएगी। इसी तरह, इस महीने के अंत तक डेढ़ लाख रुपये तक और अगस्त में दो लाख रुपये तक के फसल ऋण माफ कर दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, "दस साल तक सत्ता में रहने के बावजूद, बीआरएस सरकार किसानों के 28,000 करोड़ रुपये के ऋण माफ नहीं कर सकी। लेकिन, कांग्रेस सरकार फसल ऋण माफ करके अपनी प्रतिबद्धता और ईमानदारी दिखा रही है।" उन्होंने याद दिलाया कि 6 मई, 2022 को कांग्रेस पार्टी की वारंगल घोषणा के दिन, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने किसानों को 2 लाख रुपये माफ करने का वादा किया था और कहा कि कांग्रेस सरकार पहले साल में ही उस वादे को निभा रही है। मुख्यमंत्री ने पार्टी नेताओं से फसल ऋण माफी की पहली किस्त जारी करने के अवसर को चिह्नित करने के लिए गांव और मंडल स्तर पर बड़े पैमाने पर समारोह आयोजित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, "विधायकों, सांसदों और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों को समारोह में भाग लेना चाहिए। गुरुवार को तेलंगाना में हर जगह उत्सव का माहौल होना चाहिए।"

तोली एकादशी, मुहर्रम मनाया गया

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आज एक ही दिन तोली एकादशी और मुहर्रम त्योहार मनाए जाने के कारण पूरे राज्य में आध्यात्मिक रौनक दिखाई दी। राज्य के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालु पूजा-अर्चना करते देखे गए। तोली एकादशी के अवसर पर राज्य के सभी प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। बुधवार सुबह से ही मंदिरों में कतारें देखी गईं। हिंदू कैलेंडर के अनुसार सभी 24 एकादशियों में से इस एकादशी को टोली एकादशी के नाम से जाना जाता है और यह वह दिन है जब दिन का समय छोटा होना शुरू होता है और रात का समय बढ़ना शुरू होता है।

परिवहन व हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने दबीरपुरा, हैदराबाद में बीबी का आलम का दौरा किया।

"बीबी का अलम" जुलूस कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न

मुख्य सचिव मोहर्रम जुलूस की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के ओल्ड टाउन में मोहर्रम के 10वें दिन "बीबी का अलम" जुलूस आज 2500 अधिकारियों और कर्मियों के साथ हैदराबाद सिटी पुलिस की कड़ी सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया।

भव्य जुलूस दबीरपुरा में "बीबी का अलावा" से एक सजे हुए हाथी पर रखे "अलम" के साथ शुरू हुआ। जुलूस के रास्ते में सैकड़ों लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए सड़कों पर खड़े थे। इस जुलूस में हजारों की संख्या में मातमी लोग शामिल हुए। तेलंगाना सरकार की मुख्य सचिव शांति कुमारी ने मोहर्रम जुलूस के दौरान की जा रही व्यवस्थाओं और इंतजामों का निरीक्षण किया और चारमीनार में शहर के पुलिस आयुक्त के. श्रीनिवास रेड्डी के साथ बिबिगा आलम को दत्तियां भेंट कीं। इस मौके पर शांति कुमार ने कहा कि मोहर्रम जुलूस के लिए सरकार द्वारा की गई सभी व्यवस्थाएं अच्छी थीं और पुलिस विभाग द्वारा की गई व्यवस्थाएं बहुत अच्छी थीं और सभी को मेरी बधाई। मुहर्रम का जुलूस दारुशिफा, बड़ा बाजार, चारमीनार, सालारजंग ब्रिज और शहर के अन्य हिस्सों से होकर शांतिपूर्ण ढंग से मुसी नदी के तट पर मस्जिद-ए-इलाही, चादरघाट पहुंचा। शहर के पुलिस आयुक्त के. श्रीनिवास रेड्डी ने एलएंडओ और यातायात अधिकारियों के साथ बीबी के जुलूस की निगरानी की और क्षेत्र स्तर के अधिकारियों को समय पर आदेश जारी किए। उन्होंने कहा कि मोहर्रम जुलूस के मौके पर कोई अप्रिय घटना न हो, इसके लिए हमने सभी विभागों के अधिकारियों के समन्वय से पहले से ही सभी उपाय कर लिये हैं। शहर पुलिस आयुक्त ने शांतिपूर्ण जुलूस के लिए आम लोगों और आयोजकों को धन्यवाद दिया। विक्रम सिंह मान अतिरिक्त सीपी कानून एवं व्यवस्था, पी विश्वप्रसाद अतिरिक्त सीपी ट्रैफिक, डीसीपी साउथ जोन स्नेहा मेहरा आईपीएस और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

उस्मानिया में लीवर प्रत्यारोपण का सफल इलाज

डॉक्टरों ने बेटे को मां का लिवर ट्रांसप्लांट किया

सरकारी अस्पतालों में सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएँ

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के सरकारी अस्पतालों में बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करायी जा रही हैं. उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल में आठ बच्चों सहित 30 लोगों का पहले ही सफलतापूर्वक लीवर प्रत्यारोपण किया जा चुका है। हाल ही में एक और बच्चे का सफल लीवर ट्रांसप्लांट हुआ है। खम्मम जिले के कोनिजारला मंडल के कोंडावनमाला गांव के मोदुगु गुणशेखर और अमला का बेटा मास्टर चौहान आदित्य (3 वर्ष) जन्म से ही पित्ताशय और लीवर की समस्या से पीड़ित है। उस्मानिया के डॉक्टर मधुसूदन के नेतृत्व में एक सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और लीवर ट्रांसप्लांट टीम ने चौहान आदित्य की जांच की और इस महीने की तीसरी तारीख को उस्मानिया अस्पताल में आदित्य के लीवर प्रत्यारोपण का उपचार सफलतापूर्वक पूरा किया। चौहान आदित्य की मां अमला का लिवर उनके बेटे को दान कर दिया गया और एक हिस्सा लेकर लड़के में प्रत्यारोपित किया गया। फिलहाल मां-बेटे सुरक्षित हैं। उन्हें मंगलवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

केनरा बैंक के कर्मचारी ने हड़पे 45 लाख

ड्वाक्रा लोन की थी रकम, मुकदमा

निजामाबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के पोतंगल मंडल के कल्लुर गांव शाखा के केनरा बैंक के एक बैंक कर्मचारी ने ड्वाक्रा समूह के लगभग 45 लाख रुपये के ऋण का पैसा हड़प लिया। रिपोर्ट के अनुसार, बैंक में बिजनेस कॉरेस्पॉन्डेंट के तौर पर काम करने वाली संध्या नामक कर्मचारी ने कथित तौर पर ड्वाक्रा को स्वीकृत किए गए सभी लोन की राशि अपने निजी खाते में जमा कर दी। अलग-अलग समुदायों की 40 ड्वाक्रा महिला सदस्यों ने अपनी लोन की राशि संध्या को बैंक में जमा करने के लिए दी थी, लेकिन उसने पूरी राशि अपने निजी खाते में जमा कर दी और अब महिलाएं बैंक अधिकारियों से अपनी राशि वापस दिलाने की मांग कर रही हैं। आरोप है कि बैंक मैनेजर की जानकारी में यह धोखाधड़ी की गई है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि उन्हें उनके पैसे वापस दिलाने में मदद की जाए और बैंक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

मैनुअल टाइपराइटिंग कोर्स के लिए परीक्षा बंद करने का प्रस्ताव

जल्द ही इतिहास बन जाएगा टाइपराइटिंग पाठ्यक्रम!

कई पीढ़ियों को दिलवाई सरकारी नौकरियां

350 संस्थान राज्यभर में चला रहे 6 माह का कोर्स

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मैनुअल टाइपराइटिंग, एक कौशल-आधारित पाठ्यक्रम जल्द ही इतिहास बन जाएगा। इस कोर्स ने कई पीढ़ियों को सरकारी क्षेत्र में अच्छी नौकरी दिलाने वाले टाइपिस्टों को आकार दिया है। तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा मैनुअल टाइपराइटिंग कोर्स के लिए परीक्षाएं बंद करने का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा गया है। अगर इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाती है तो यह टाइपराइटर पर औपचारिक परीक्षाएं खत्म करने का संकेत होगा।

दशकों से टाइपराइटिंग सिर्फ़ एक हुनर ही नहीं रहा है, बल्कि यह नौकरी के अवसरों का द्वार भी रहा है। सटीक और तेज़ गति से चाबियां दबाने की कला सीखने के बाद, लाखों बेरोज़गार युवाओं को सरकारी और न्यायिक क्षेत्र में नौकरियां मिल गई हैं। कंप्यूटर और नवीनतम तकनीकों के आगमन के साथ, टाइपराइटिंग परीक्षा धीरे-धीरे कंप्यूटर-आधारित परीक्षा में बदल गई है। स्टेट बोर्ड ऑफ टेक्निकल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग (एसबीटीईटी) टाइपराइटर पर और कंप्यूटर-आधारित मोड में टाइपराइटिंग परीक्षा आयोजित करता रहा है।

यह परीक्षा साल में दो बार आयोजित की जाती है, पहली परीक्षा जुलाई में और दूसरी दिसंबर में होती है और हर साल करीब 4,000 छात्र इस परीक्षा में शामिल होते हैं। टाइपराइटर पर परीक्षा देने वाले उम्मीदवारों को परीक्षा केंद्रों पर अपनी मशीन लेकर जाना पड़ता है जो लोग कंप्यूटर आधारित परीक्षा मोड का विकल्प चुनते हैं, वे केंद्र में जाकर परीक्षा दे सकते हैं।

राज्य भर में लगभग 350 संस्थान टाइपराइटर पर 6 महीने का टाइपराइटिंग कोर्स चला रहे हैं, जिसकी मासिक फीस संस्थान के स्थान के आधार पर 200 रुपये से लेकर 1,000 रुपये तक है। तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा टाइपराइटर पर टाइपराइटिंग परीक्षा समाप्त करने का प्रस्ताव राज्य के टाइपराइटिंग संस्थानों को पसंद नहीं आया।

तो नौकरी से हाथ धोना पड़ जाएगा

तेलंगाना मान्यता प्राप्त टाइपराइटिंग, शॉर्टहैंड और कंप्यूटर एसोसिएशन के अध्यक्ष बी सतीश बाबू ने कहा कि छात्रों की टाइपिंग की गति और सटीकता कंप्यूटर की तुलना में टाइपराइटर पर ही बेहतर हो सकती है। उन्होंने कहा कि स्टेनोग्राफर और टाइपिस्ट की नौकरियों के लिए कर्मचारी चयन आयोग और अदालतें भर्ती कर रही हैं। उन्होंने तर्क दिया कि यदि टाइपराइटर को समाप्त कर दिया गया तो तेलंगाना के उम्मीदवारों को नौकरी से हाथ धोना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कम्प्यूटर आधारित परीक्षा के सॉफ्टवेयर में कुछ समस्याएं हैं। इसे सुधार कर संस्थानों को दिया जाना चाहिए। सरकार को भी प्रस्ताव पर पुनर्विचार करना चाहिए और टाइपराइटर और कम्प्यूटर पर टाइपराइटिंग परीक्षा आयोजित करना जारी रखना चाहिए।

राचकोंडा सीपी ने जान बचाने वाले ट्रैफिक कर्मियों की सराहना की

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा सीपी सुधीर बाबू ने सुझाव दिया कि कर्तव्य के प्रदर्शन में समय की भावना को जारी रखा जाना चाहिए। सीपी ने राचकोंडा कमिश्नरेट नेरडमेट कार्यालय में एक व्यक्ति की जान बचाने वाले वनस्थलीपुरम ट्रैफिक कर्मियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। बीती 15 जुलाई को, वेंकटेश नाम का एक व्यक्ति मीरपेट पुलिस स्टेशन के तहत ज़िलेलागुडा आरसीआई रोड पर कडटल जा रहा था, उसकी महेंद्र केयूवी कार में अचानक एसी से आग लग गई। ड्यूटी पर तैनात वनस्थलीपुरम ट्रैफिक स्टाफ नरसिंग राव, कृष्णा और साईराम ने कार को सतर्क कर दिया ड्राइवर ने कार रोकी और अपनी जान बचाई। आग तुरंत फैल गई और वाहनों को वहां से गुजरने से रोक दिया गया, लेकिन कोई घायल नहीं हुआ। तुरंत फायर कर्मियों को फोन कर सूचना दी गई और उन्होंने बिना देर किए वहां से गुजर रहे पानी के टैंकर से आग पर काबू पाने की कोशिश की। यातायात कर्मचारियों की समय की पाबंदी की सराहना करते हुए, जिन्होंने तुरंत प्रतिक्रिया दी और किसी की जान का नुकसान नहीं हुआ, आयुक्त ने उन्हें कर्तव्य के प्रदर्शन में इसी भावना को जारी रखने की सलाह दी। इस अवसर पर एलबी नगर ट्रैफिक डीसीपी वी. श्रीनिवास और वनस्थलीपुरम ट्रैफिक इंस्पेक्टर डी. वेंकटेश्वरलु, ट्रैफिक इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार आदि उपस्थित रहे।

मनुगुर क्षेत्र में कोयला उत्पादन प्रभावित

खदानों में घुस गया बारिश का पानी

कोत्तागुडेम, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ दिनों से ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में हो रही बारिश के कारण जिले के चेरला के निकट तालीपेरु परियोजना में जलस्तर बढ़ रहा है। सिंचाई अधिकारियों ने बुधवार को 16,698 क्यूसेक अतिरिक्त पानी नीचे की ओर छोड़ने के लिए 12 गेट खोल दिए हैं। परियोजना का पूर्ण जलाशय स्तर 74 मीटर है और वर्तमान स्तर 673.55 मीटर है। प्रवाह की मात्रा 19,540 क्यूसेक है। जिले के चेरला, पिनापाका, अश्वपुरम और मनुगुर मंडलों में भारी बारिश हुई, जबकि डुम्मुगुडेम, कराकागुडेम, बर्गमपैड, भद्राचलम, गुंडाला और अल्लापल्ली में पिछले 24 घंटों में मध्यम बारिश हुई।

मंचेरियाल में लगातार बारिश से कोयला उत्पादन प्रभावित

उत्पादन में 5 से 10,000 मीट्रिक टन के बीच गिरावट

मंचेरियल, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को लगातार बारिश के बाद श्रीरामपुर क्षेत्र में स्थित ओपनकास्ट परियोजनाओं के परिसर में बारिश का पानी भर जाने से राज्य के स्वामित्व वाली सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के कोयला उत्पादन में गिरावट देखी गई। कोयला क्षेत्र की प्रमुख कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि ओपनकास्ट परियोजनाओं में बारिश का पानी भर गया है, जिससे मंगलवार आधी रात से बुधवार सुबह तक श्रीरामपुर और मंदामरी क्षेत्रों में कोयला खनन का काम प्रभावित हुआ। परियोजनाओं में कोयले के उत्पादन में 5,000 से 10,000 मीट्रिक टन के बीच की गिरावट दर्ज की गई। अधिकारियों ने बताया कि नुकसान से बचने के लिए ओवरबर्डन को हटाया गया।

जिले के कुछ हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश दर्ज की गई। कन्नेपल्ली मंडल में 81.3 मिमी बारिश हुई। बाढ़ के कारण कोटापल्ली और वेमनपल्ली मंडलों के दूरदराज के इलाकों का संपर्क टूट गया, जिससे सड़कें जलमग्न हो गईं। हालांकि, किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की खबर नहीं है।

विश्व स्तरीय विश्वविद्यालय तेलंगाना में कौशल विकास केंद्र स्थापित करने की योजना बना रहे हैं: श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने बताया है कि दुनिया के दस प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय 300 करोड़ रुपये की लागत से तेलंगाना में कौशल विकास केंद्र स्थापित करने के लिए आगे आए हैं। मंत्री ने बुधवार को यहां सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में हैदराबाद स्थित 25 देशों में काम करने वाले "इंटरनेशनल स्टार्टअप फाउंडेशन (आईएसएफ)' और टेक्सास स्थित "स्टार्टअप रनवे' के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने वाले इन दोनों संगठनों ने अमेरिका में टेक्सास विश्वविद्यालय और यूके में लंदन बिजनेस स्कूल जैसे दस प्रसिद्ध कौशल विश्वविद्यालयों के साथ प्रशिक्षण समझौते किए हैं। इस अवसर पर, श्रीधर बाबू ने कहा कि इन विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि 26-28 सितंबर के बीच हैदराबाद में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय स्टार्टअप फाउंडेशन सम्मेलन में भी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि आईएसएफ के अध्यक्ष डॉ. जे ए चौधरी और निदेशक शेषाद्रि वंगाला के निर्देशन में, टेक्सास रिचर्ड सन सिटी और फ्रिस्को सिटी के प्रतिनिधियों ने तेलंगाना में नव स्थापित 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिटी' में संयुक्त रूप से गतिविधियाँ करने में अपनी रुचि व्यक्त की है। श्रीधर बाबू ने खुलासा किया, "राज्य सरकार ने पहले ही तेलंगाना में स्टार्टअप के अनुकूल माहौल बनाया है।

स्वतंत्र वार्ता
गुरुवार, 18 जुलाई- 2024

आतंकियों के निशाने पर जम्मू

कश्मीर घाटी के बजाय जम्मू में हाल के दिनों में आतंकी हमले बढ़ गए हैं। जम्मू हिंदू बहुल इलाका है। नब्बे के दशक में कश्मीर घाटी में साजिशन कश्मीरी पंडितों और हिंदुओं को निशाना बनाया गया, जिसके बाद से बहुत से हिंदू वहां से पलायन कर गए। जम्मू को निशाना बनाए जाने के पीछे कौन है मास्टरमाइंड, इसका पता लगाकर कड़ी सजा देना जरूरी है। सोमवार को जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में घात लगाकर किए गए आतंकी हमले में सेना के कैप्टन समेत 4 जवान शहीद हो गए। एक पुलिसकर्मी की भी मौत हुई है। खबरों के अनुसार जब ये हमला हुआ तब इलाके में सर्च ऑपरेशन चल रहा था। 2022 और 2023 में जम्मू क्षेत्र में 3-3 आतंकी हमले हुए थे, जो इस साल अभी तक ऐसे 6 हमले किए जा चुके हैं। सवाल है कि आखिर कश्मीर घाटी छोड़कर अब जम्मू को निशाना क्यों बना रहे हैं आतंकी? चीन और पाकिस्तान जान-बूझकर इन इलाकों में आतंकी गतिविधियां बढ़ा रहे हैं। पाकिस्तान समर्थित आतंकियों के घाटी के बजाय जम्मू में लगातार किए जा रहे हमलों के पीछे एक वजह चीन का आर्थिक गलियारा जो पीओजेके से गुजर रहा है। चीन के 65 बिलियन अमेरिकी डॉलर सीपेक (चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर) प्रोजेक्ट के लिए निवेश हो चुके हैं। चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसकी शुरुआत 2013 में की गई थी। भारत इस प्रोजेक्ट का विरोध करता आया है, क्योंकि पीओजेके भारत का अभिन्न हिस्सा है। जम्मू-कश्मीर में आतंकी जान-बूझकर जम्मू के इलाकों को निशाना बना रहे हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार, जम्मू की कुल आबादी करीब 15 लाख है और इसमें से 84 फीसदी हिंदू और 7 फीसदी आबादी मुसलमानों की है। शायद पाकिस्तान अब कश्मीर की तरह जम्मू से भी हिंदुओं को भगाने की साजिश कर रहा है। 2011 की जनगणना के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में महज 2700 से 3400 कश्मीरी पंडित ही रह गए हैं। जबकि 1981 की जनगणना के अनुसार, इस क्षेत्र में करीब 1.25 लाख हिंदू थे। इसमें ज्यादातर पंडित थे। 90 के दशक में आतंकवाद की शुरुआत के बाद से कश्मीरी पंडितों को साजिशन वहां से जान बचाकर भागना पड़ा। एलओसी में कड़ी सुरक्षा होने के बाद अब इंटरनेशनल बॉर्डर का भी सहारा लेकर आतंकी जम्मू क्षेत्र में बढ़ते जा रहे हैं। जम्मू का बड़ा इलाका भी इंटरनेशनल बॉर्डर के पास है। ऐसे में यहां से घुसपैठ भी आसान है। डोडा में ज्यादा घने जंगल का फायदा आतंकी उठा रहे हैं। इसके अलावा, सड़क संपर्क भी ज्यादा अच्छा नहीं है। 2019 में अनुच्छेद 370 हटने के बाद से कश्मीर में सुरक्षाबलों की भारी और पुख्ता तैनाती हुई है। यह भी एक वजह है कि आतंकियों का नया टार्गेट अब जम्मू बन चुका है। जम्मू-कश्मीर में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने हैं। लोकसभा चुनाव में भी जम्मू-कश्मीर के लोगों ने बढ़-चढ़कर वोटिंग की, जिससे आतंकी बौखलाए हुए हैं। पाकिस्तान में बैठे आतंकियों के आकाओं को भी इससे घबराहट होने लगी है। वो चाहते हैं कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव जैसी कोई लोकतांत्रिक प्रक्रिया या विकास का कोई काम न हो। इसलिए वे हर हाल में कश्मीर में अशांति बनाए रखना चाहते हैं, ताकि उनके नापाक मंसूबे पूरे हो सकें। इस तरह के हमले कर आतंकी संगठन लोगों को डराने और चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं। पाकिस्तान की सेना और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई लद्दाख में भारत-चीन सीमा और कश्मीर में सुरक्षाबलों की भारी तैनाती को कम करना चाहते हैं। ऐसे में जम्मू के इलाकों में लगातार हमले की साजिश कर रहे हैं, ताकि बाकी जगहों से भारतीय सेना को तैनाती घटानी पड़े। डोडा हमले की जिम्मेदारी भी 'कश्मीर टाइगर' नामक आतंकी संगठन ने ली है। यह ग्रुप भी लश्कर और जैश से जुड़ा है, जो राजौरी, पुंछ, कठुआ और डोडा के अलग-अलग क्षेत्रों में आतंकी गतिविधियां चला रहा है। जम्मू में काफी भीड़-भाड़ रहती है, ऐसे में आतंकियों की पहचान करने में भी मुश्किलें आ रही हैं।

धरती और जीवों-वनस्पतियों के स्वास्थ्य को बीमार बना रहा कीटनाशकों व उर्वरकों का बढ़ता प्रयोग

सुनील कुमार महला

भारत एक कृषि प्रधान देश है, लेकिन आज भारतीय कृषि लगातार एक छिपे हुए खतरे की ओर बढ़ रही है। दरअसल आज खेती में धीरे-धीरे अनेक प्रकार के रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों का प्रयोग लगातार बढ़ता ही चला जा रहा है और इससे एक ओर जहां हमारे देश की जमीनें लगातार बंजर हो रहीं हैं, वहीं दूसरी ओर बढ़ते रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों के प्रयोग से अनेक प्रकार की खतरनाक व गंभीर बीमारियां फैल रहीं हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि कुछ साल पहले आई सेंटर र फॉर साइंस एंड एंवायरनमेंट की रिपोर्ट के मुताबिक देश की 30 फीसद जमीन बंजर होने के कगार पर है। इसका कारण यूरिया का अंधाधुंध इस्तेमाल है, जिसे हरित क्रांति के दौर में उत्पादन बढ़ाने का अचूक मंत्र मान लिया गया था। यूरिया के अधिक उपयोग से नाइट्रोजन चक्र प्रभावित हो रहा है। इतना ही नहीं, रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों के लगातार उपयोग से कृषि मित्र जीव-जंतुओं का विनाश हो रहा है। आज मिट्टी से लगातार आर्गेनिक तत्वों की कमी देखी जा रही है, यह भारतीय कृषि जगत के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। यह बहुत ही गंभीर है कि आज अनाज-सब्जियों के माध्यम से उर्वरकों और कीटनाशकों जहर हमारे शरीर में भी पहुंच रहा है और हम तरह-तरह की बीमारियों का शिकार बन रहे हैं।किसानों को इस बात के प्रति जागरूक होना चाहिए कि खेती में लगातार रासायनिक खाद के प्रयोग से मिट्टी में कार्बनिक पदार्थ की मात्रा लगातार कम होती चली जा रही है और इससे अब हमारे देश में कई स्थानों पर बिना रासायनिक उर्वरक के खेती करना ही संभव नहीं हो पा रहा है । हमने धरती को जहरीली बना दिया है।इससे किसानों को तो नुकसान हो ही रहा है, साथ ही साथ उपभोक्ताओं की सेहत पर भी इसका बहुत ही गहरा व व्यापक असर पड़ रहा है।यदि हमारे देश के किसान इसी तरह केमिकल फर्टिलाइजरों का उपयोग करते रहे, तो वो दिन दूर नहीं जब खेती के लिए मिट्टी ही नहीं बचेगी। आज किसानों का ध्यान पशुपालन पर कम है, क्यों कि महंगाई, स्थान की कमी, हरे-चारे की समस्या के कारण किसान खेती के साथ पशुपालन नहीं करना चाहता। पहले कृषि के साथ पशुपालन भी किया जाता था, आजकल वह कम है। यही कारण है कि आज किसानों के पास खेतों के लिए गोबर की खाद, वर्मी व सुपर कंपोस्ट, हरी खाद की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं है। यही कारण है कि मृदा में पोषक तत्वों की कमी है और जमीन की 'वाटर होल्डिंग कैपेसिटी ' लगातार कम होती चली जा रही है, इससे जमीनें कठोर हो रहीं हैं।

यह बात ठीक है कि आज के समय में वाणिज्यिक फसलों के लागत-प्रभावी उत्पादन के लिए रासायनिक उर्वरक बहुत ही महत्वपूर्ण हैं, लेकिन उनका अंधाधुंध उपयोग हमारी जमीनों के लिए काल बनकर सामने आ रहा है।

जवानों के खून से कब तक होली खेलेंगे आतंकी?

मनोज कुमार अग्रवाल

जम्मू कश्मीर के डोडा में आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन के दौरान सोमवार रात सुरक्षाबलों की आतंकवादियों से मुठभेड़ में सेना के एक अफसर समेत पांच जवान शहीद हो गए हैं।पिछले एक माह में आतंकवादी हमलों में अप्रत्याशित बढोत्तरी हुई है एक माह के भीतर आतंकी वारदातों में हमारे 12 जांबाज जवान व अफसर तथा नौ आम नागरिक मारे जा चुके हैं। देश की रक्षा में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले सैनिकों को शहीद का दर्जा देकर गौरवान्वित किया जाता है लेकिन जिस तरह पाकिस्तान परस्त आतंकी जम्मू-कश्मीर में इस्लामिक जिहाद छेड़ कर लगातार सैन्य वाहनों और सैनिकों पर ताबड़तोड़ हमले कर खून खराबा कर रहे हैं उससे पता चलता है कि पाक पोषित आतंकवादियों का इन दिनों कुछ हौसला बढ गया है । फिर कुछ सिरफिरे आतंकवादी हमारे देश में घुसकर हमारे जवानों की जान ले लेते हैं तो यह हमारे लिए वीरता की बात नहीं हो सकती है? हम आतंक की अंधी गोलीबारी के शिकार बन रहे जवानों को 'शहीद' बताकर चुप बैठ जाते हैं, उन जवानों के परिजनों को गर्व का अनुभव कराया जाता है। यह सही है कि उनके लाल देश पर जान न्यौछावर कर गए, लेकिन क्या शहादत के इस महिमामंडन में सरकार अपनी नाकामी को छिपाने का काम नहीं कर रही? यह देश के लिए गर्व की नहीं, चिंता और दुख की बात होनी चाहिए, शर्म की बात होनी चाहिए कि कुछ सिरफिरे आतंकी हमारे जवानों की यूं सरेआम जान ले रहे हैं। क्या हम आतंकियों का सफाया करने में असमर्थ होते जा रहे हैं। यदि हमारे पांच जवानों की जान लेने के बाद दो आतंकी मारे भी गए तो हमारा नुकसान बड़ा है, उनका नहीं। बेहद चिंता जनक स्थिति यह है कि जम्मू कश्मीर में हमारे जवानों की जान जाना मानो कोई बड़ी बात ही नहीं रही। मीडिया में एक-दो दिन सामान्य खबर प्रसारित-प्रकाशित होती है, ठीक वैसे ही जैसे किसी दुर्घटना में कुछ लोगों की जान चली गई हो और उसके बाद सब पहले जैसा हो जाता है। लेकिन यह 'पहले जैसा' केवल बाकी लोगों के लिए होता है, उन परिवारों के लिए नहीं जो अपना लाल गंवा देते हैं।आपको बता दें कि अमेरिकी फौज ने भागते समय अफगानिस्तान में जो आधुनिक हथियार छोड़े थे, वे अफगानिस्तान से पाकिस्तान के दहशतगर्दों के जरिए भारत के खिलाफ इस्तेमाल किए जा रहे हैं यही कारण हैं कि वे हथियार अब आतंकियों तक पहुंच रहे हैं और उन्हीं का उपयोग हमारी सेना को नुकसान पहुंचाने के लिए किया जा रहा है।और हमारे सैनिकों को अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है।

इस ताज़ा वारदात में बीते सोमवार की शाम डोडा में आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन चल रहा है। डोडा से करीब 55 किमी दूर डेसा के जंगल में आतंकियों को देर शाम घेर लिया। आतंकियों ने भागने की कोशिश की और गोलीबारी शुरू कर दी। लेकिन सुरक्षाबलों की कार्रवाई जारी रही। गोलीबारी में कैप्टन समेत 5 जवान जख्मी हो गए। मंगलवार तड़के चार जवानों की इलाज के दौरान मौत हो गई। एक अन्य जवान की हालत गंभीर है, उसे उधमपुर सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया जानकारी के मुताबिक, इस एनकाउंटर में कैप्टन ब्रिजेश थापा और चार जवान घायल हो गए। इस बीच, आतंकवादी अंधेरे का फायदा उठाकर जंगलों में पहाड़ी इलाके की ओर भाग निकले। आनन-फानन में जवानों को अस्पताल लाया गया, जहां मंगलवार तड़के उनकी मौत हो गई। शहीद जवानों में सेना के कैप्टन ब्रिजेश थापा, नायक डी राजेश, सिपाही बिजेंद्र और सिपाही अजय और एक जवान जम्मू-कश्मीर पुलिस का शामिल है।बढ़ते आतंकी हमलों में जिस तरह देश के जवानों का बलिदान हो रहा है यह चिंता का विषय है सरकार को गंभीरता से सख्त कार्यवाही और आतंकवाद पर नियंत्रण के लिए नई स्ट्रेटजी तैयार करनी चाहिए आखिर हमअपने जवानो के खून से आतंकियों को कब तक खेलने देंगे। सरकार कब तक हाथ पर हाथ धरे रहेगी? जब इजराइल हमास को खत्म करने के लिए गाजा नष्ट कर सकता है तो भारत क्यों नहीं कदम उठाता है? जम्मू-कश्मीर में पिछले एक महीने के अंदर आतंकी घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि हुई है। सबसे पहले 9 जून को आतंकियों ने जम्मू के रियासी में तीर्थयात्रियों से भरी बस को निशाना बनाया, जिसमें 9 लोग मारे गए। फिर, आतंकियों ने कठुआ थमें 8 जुलाई को सेना की गाड़ी को टारगेट किया, जिसमें 5 जवान शहीद हो गए थे। नौशेरा में 10 जुलाई को आतंकियों ने घुसपैठ की कोशिश की, हालांकि वह नाकामयाब रही। लेकिन 16 जुलाई यानी की आज आतंकियों के साथ मुठभेड़ में सुरक्षाबलों के 4 जवान शहीद हो गए और एक पुलिसकर्मी की भी मौत हो गई। पिछले एक महीने के अंदर आतंकी 7 बड़ी वारदातों को अंजाम दे चुके जिनमें 12 जवान शहीद हुए हैं और 9 आम नागरिकों की मौत हुई है।

कटरा के रियासी इलाके में तीर्थयात्रियों को माता वैष्णो देवी मंदिर लेकर जा रही 53 सीटर बस पर 9 जून की शाम आतंकियों ने हमला किया था। इसके बाद बस खाई में गिर गई थी, जिसमें एक नाबालिग समेत 9 लोगों की मौत हो गई और 41 अन्य घायल हो गए थे। बस में उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली के तीर्थयात्री सवार थे। बस पर हमले करने वाले आतंकी पहाड़ी इलाके में छुपे हुए थे। 11 जून को जम्मू कश्मीर के कठुआ के एक गांव में आतंकी घुस आए थे। इसके बाद आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ में दो आतंकियों को ढेर कर दिया गया था। कठुआ जिले के गांव में हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षाबलों का ऑपरेशन शुरू हुआ था। इस जिले के हीरानगर सेक्टर के सैदा सुखल गांव पर आतंकियों ने हमला किया था। सुरक्षाबलों के ऑपरेशन में सीआरपीएफ का एक जवान भी शहीद हुआ था। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में सेना के अस्थायी ऑपरेटिंग बेस पर 12 जून को आतंकियों ने गोलीबारी की थी। इस दौरान सेना के दो जवान घायल हो गए थे। मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया था। इसके साथ ही एक नागरिक घायल भी हो गया था। रियासी और कठुआ के बाद जम्मू इलाके में यह तीन दिनों में तीसरा आतंकी हमला था। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम के दो गावों में 6 जुलाई को हुए एनकाउंटर में 2 जवान शहीद हो गए थे। इनमें से एक एनकाउंटर कुलगाम ले के चिनिगाम में तो वहीं दूसरा अभियान मोदरगाम गांव में हुआ था। गोली में लांस नायक प्रदीप नैन (पैरा कमांडो) और आरआर के हवलदार राज कुमार शहीद हुए थे। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में 8 जुलाई को आतंकियों ने आतंकी हमला किया था, जिसमें पांच जवान शहीद हो गए थे। आतंकियों ने शाम के समय सेना के वाहन पर हमला किया था। इस दौरान आतंकियों ने सेना की गाड़ी पर ग्रेनेड भी फेंका था और अंधाधुंध फायरिंग की थी। इस हमले को दो से तीन आतंकियों के अंजाम देने की बात सामने आई थी। राजौरी के नौशेरा सेक्टर में 10 जुलाई को आतंकियों ने घुसपैठ की कोशिश की थी। संदिग्ध आतंकियों के एक ग्रुप ने रात के समय भारतीय इलाके में घुसने कोशिश की थी, लेकिन वो कामयाब नहीं हो पाए और उन्हें उलटेपांव भागना पड़ा था। जम्मू कश्मीर के राजौरी में 7 जुलाई को सेना के शिविर पर आतंकी हमला हुआ था। इस अटैक में आर्मी का एक जवान घायल हो गया था। आतंकवादियों ने सेना के शिविर पर गोलीबारी की थी।

मौजूदा घटना के बाद सेना की अन्य टीमें भी मौके पर पहुंचीं और सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया। हालांकि, आतंकियों का अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। इस हमले की जिम्मेदारी कश्मीर टाइगर्स नाम के आतंकी संगठन ने ली है। कश्मीर टाइगर्स जैश का ही संगठन है जिसने कठुआ में जवानों के काफिले पर हमले की जिम्मेदारी ली थी। आतंकियों की तलाश के लिए हेलिकॉप्टर से निगरानी रखी जा रही है और चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। दरअसल, यहां आतंक विरोधी अभियान चलाना सबसे चुनौतीपूर्ण और कठिन माना जाता है।

वित्त मंत्री से कृषि क्षेत्र की अपेक्षाएं

डॉ. चक्रपाल सिंह

राजग (एनडीए) की छतरी तले मोदी 3.0 के कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट 23 जुलाई 2024 को संसद में पेश किया जाना प्रस्तावित है। नब्बे के दशक से सरकारों की पूँजीपति उन्मुख उदार (उधार!) आर्थिक नीतियों से घायल खेती एवं किसान किसी मरहम की आस में आने वाले हर बजट की बाट जोहते हैं। उदार आर्थिक नीतियों की सफलता के तमाम आत्मश्लाघीय दावों के बावजूद, आज भी कृषि एवं किसान भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ बने हुए है। यही कारण है कि हर वित्त मंत्री के बजट भाषण का केंद्र बिंदु कृषि एवं किसान रहते आए हैं और आज भी हैं। ठीक उसी तरह जिस तरह धार्मिक अनुष्ठानों में भोग के नाम पर भगवान के नाम पर सब कुछ अर्पण एवं तर्पण किया जाता है। हाथ में लड्डू लेकर सिर्फ प्रतीकात्मक रूप से भगवान के मुंह से छुआने भर से भोग लगा हुआ मान व जान लिया जाता है और सारे माल पुआ ! हड़प कर लिए जाते हैं। सभी सरकारें अपने हर बजट अनुष्ठान में कृषि एवं किसान रूपी भगवान को आश्वासनों का भोग लगाकर ही सारे आर्थिक कर्मकांड संपन्न कर अपना राजनैतिक धर्म निभाती रही हैं। काश ! कृषि एवं किसान सचमुच भगवान होते, परन्तु हकीकत में ऐसा नहीं है। कृषि एवं किसान के स्वस्थ एवं विकसित होने के लिये ठोस आहार (निवेश) चाहिए। गनीमत है कि भगवान वास्तव में भोग ग्रहण नहीं करते। यदि करते, तो उनकी हालत भी कृषि एवं किसानों जैसी ही होती। कहने का आशय ये है कि कृषि क्षेत्र में वास्तविक निवेश किया ही नहीं गया। यह सिलसिला 90 के दशक से शुरू होकर आज भी जारी है। इसकी पुष्टि इस तथ्य से होती है कि कृषि, ग्रामीण एवं सिंचाई विकास के लिए आवंटित केंद्रीय आयोजना व्यय, कुल आयोजना व्यय के अनुमान में वर्ष- दर-वर्ष कम किया जाता रहा है। इसके बावजूद सरकारों का निर्लज्ज दावा रहा है कि खेती एवं किसान उसकी प्राथमिकता में हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि वित्तमंत्री सीता रमण अपने पूर्ववर्ती वित्त मंत्री भाइयों की लकीर की फ़कीर नहीं बनेंगी और उपेक्षित कृषि एवं ग्रामी क्षेत्रों में वास्तविक पूंजी निवेश करने की दिशा में निर्णायक कदम उठाएंगी.फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य वाली नीति जिसके लिए किसान वर्षों से आंदोलित हैं और 700 से अधिक किसान अपनी जान गँवा चुके हैं, को कानूनी अमली जामा पहनाने की दिशा में पूरी ईमानदारी एवं पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ना होगा। फिर यहाँ इस तथ्य को कैसे भुलाया जा सकता है कि जब सरकार कृषि निवेश को घाटे का सौदा समझकर निवेश नहीं करेगी, तो फिर भला विशुद्ध व्यापारिक दृष्टि वाले व्यापारी, आढ़तिया, व्यवसायी आदि लोग कृषि में निवेश क्यों कर करेंगे ? अतः कृषि सुधार या फिर विनिवेश की आड़ में सरकारी कृषि फार्मों को कौड़ियों के भाव निजी हाथों में बेचने की पहल से बचना होगा। कृषि सब्सिडी (राज सहायता) को किसानों पर लुटाई जाने वाली खैरात समझने वाली दूषित मानसिकता को बदलना होगा। इसलिए कि इसका खेती एवं किसान से कोई लेना देना नहीं है।

इसका सीधा संबंध आम जनता तथा उपभोक्ताओं से है। कहने को सब्सिडी दी तो किसानों को जाती है, लेकिन इसका फायदा गैर किसानों तथा आम जनता को मिलता है। यह तथ्य लोगों के सामने लाया ही नहीं जाता है। ध्यान रहे फसलों के एम्एसपी तय करते समय उत्पादन लागत में सब्सीडाइज्ड आगतों की कीमत को ही शामिल किया जाता है। कृषि सब्सिडी के विरुद्ध मत रखने वाले विद्वान अर्थशास्त्री यह भूल जाते हैं कि यदि कृषि आगतों पर दी जाने वाली सब्सिडी समाप्त कर दी गई, तो खाद, पानी, सिंचाई, बिजली, डीजल आदि आदि की कीमत इतनी बढ़ जाएगी कि सीमांत एवं छोटे किसान परिवार जो देश के कुल किसानों का 88.80 प्रतिशत हैं (एनएसएस रिपोर्ट नं.571) अपनी जीविकोपार्जनात्मक खेती से भी हाथ धो बैठेंगे। इस हालात में देश की खाद्यान्न सुरक्षा के खतरे में पड़ने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है। कृषि एवं ग्रामीण बेरोजगारी की स्थिति विस्फोटक रूप ले सकती है। सरकार के लिये इतनी बड़ी आबादी के लिए खाद्यान्न एवं रोजगार जुटाना असंभव होगा। सबसे महत्वपूर्ण खाद्यान्नों की कीमतों में काफी वृद्धि हो जाएगी। तब फिर क्या गरीब, मजदूर, गैर कृषक समुदाय इस मूल्य पर खाद्यान्न खरीदने के लिए समर्थ होंगे। ऐसी स्थिति में कृषि एवं किसानों की मनोव्यथा यह पूछने के लिए बाध्य करती है कि कृषि सब्सिडी समाप्त करने से सीमांत एवं लघु किसानों को लाभ कैसे व किस तरह मिलना सुनिश्चित हो जाएगा।

क्या सब्सिडी समाप्त करने के बाद कृषि उत्पादों का लाभकारी मूल्य मिलना सुनिश्चित किया जाएगा? क्या कृषि उत्पाद तथा गैर-कृषि औद्योगिक उत्पादों के मूल्य में संतुलन बनाने की दिशा में कोई नीतिगत निर्णय लिया जाएगा ? यदि नहीं, तो कृषि सब्सिडी समाप्त करना सरकार को बहुत महंगा पड़ सकता है। स्पष्ट है कि वित्त मंत्री को कृषि एवं किसानों की दशा सुधारने के लिए सब्सिडी को जारी रखते हुए उसके उत्पाद का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने की दिशा में निर्णायक प्रभावकारी कदम उठाने होंगे। संस्थागत सार्वजनिक ग्रामीण ऋण प्रणाली को कुकुरमुत्तों की तरह उगे स्वयं सहायता समूहों, निजी बैंको अथवा नॉन-बैंकिंग फाइनेंसियल कंपनीज के रहमो करम छोड़ना राष्ट्रीय खाद्यान्न सुरच्छा पर भारी पड़ सकता है। वहीं, अंग्रेजों के समय में विकसित की गई रक्षात्मक नहर सिंचाई प्रणाली को पर्याप्त एवं आश्वासित सिंचाई प्रणाली में बदलने की समय की मांग है। वर्त्तमान समय में कुप्रंधन तथा अक्षमता की शिकार नहर सिंचाई प्रणाली का रख-रखाव तथा इसकी क्षमता के अधिकतम उपयोग को सुनिश्चित करने तथा फसल की मांग के अनुसार पानी उपलब्ध कराने की दिशा में निर्णायक कदम उठाने होंगे। क्योंकि आज नहर सिंचाई प्रणाली फसलों को समय पर, पर्याप्त एवं निरंतर पानी उपलब्ध कराने में विफल हो चुकी है। इसके अभाव में किसान आधुनिक तकनीक एवं उन्नत बीजों का लाभ नहीं उठा सकते हैं। वर्तमान परिस्थितियों में देश को विकास की ऐसी नीति एवं नीयत की आवश्यकता है, जो भारतीय उद्योग एवं कृषि के बीच सहजीवी पूंजी स्थिरीकरण के लिये अनुकूल वातावरण बना सके। सहजीविता स्थापित करने के लिए उद्योग एवं कृषि अधःसंरचना के विकास में संतुलन स्थापित करना होगा, जो कृषि सब्सिडी को कृषि में निवेश मानकर संभव नहीं है। भारत जैसे श्रम प्रधान देश में ऐसी समन्वित कृषि प्रणाली ही सफल हो सकती है, जिसमें यंत्रीकरण और श्रम दोनों की समान व सम्मानजनक हिस्सेदारी हो।

निश्चित तौर पर कृषि का निगमीकरण इसका विकल्प नहीं है। आशा की जानी चाहिए कि वित्तमंत्री जी अपने आगामी बजट में इन तथ्यों का ध्यान रखेंगी और कृषि एवं किसान को सिर्फ आश्वासनों का भोग लगाकर अपना वार्षिक बजट अनुष्ठान संपन्न नहीं करेंगी। सबसे महत्वपूर्ण उम्मीद की जानी चाहिए कि भाग्य विधाता ! राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के समय हुई तीखी बहसों तथा अपनी अपनी जिद्द, शोर-शराबा, नारेबाजी, व्यक्तिगत खुन्दशों, बहिर्गमन और एक दूसरे को नीचा दिखाने की जगह, जन सरोकारों से जुड़े गंभीर मामलों पर, लोकतांत्रिक परंपरा का पालन करते हुए तार्किक निष्कर्षों पर पहुँचने का प्रयास करेंगे। और किन्ही परिस्थितियों में लोकतांत्रिक मर्यादा, भाषाई सुचिता तथा एक दूसरे की गरिमा एवं सम्मान का ख्याल रखेंगे ।

इस बार फिर हो जाए आर पार

नवीन जैन

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने हाल में एक बड़ी बात कही थी । उन्होंने दिल्ली में अपने एक बयान में कहा था कि जम्मू कश्मीर में बढ़ती आतंकी घटनाओं के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाने की जरूरत है ।उन्होंने उक्त बयान कठुआ में एक गश्ती दल पर हुए एक आतंकी हमले को लेकर दिया था जिसमें पांच जवान शहीद हो गए थे।इस महीने में ही लगातार छठा हमला 16 जुलाई को डोडा में हुआ, जिसमें एक कैप्टन सहित चार सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए।याद रखा जाना चाहिए कि आजाद भारत के इतिहास में शायद ही कभी किसी राष्ट्रपति ने आतंकी घटनाओं के खिलाफ द्रवित होकर इतना सख्त बयान दिया हो।सनद रहे कि राष्ट्रपति देश की तीनों सेनाओं का सर्वोच्च सेनापति होता है।इसलिए उनके हर बयान का बड़ा महत्व होता है। ताजा हमले को लेकर विशेषज्ञ जो विश्लेषण कर रहें है वे बासी हो चुके है।एक आंकड़े के अनुसार पिछले तीन सालों में इस तरह के धोखे से किए गए हमलों में हमारे कुल50सैनिकों को अपने प्राण न्यौछावर करने पड़े हैं। और ,सरकार है कि जो कड़ा सबक सिखाने का जबानी जमा खर्च करके अपना काम चला लेती है। याद आ रहा है कभी पढ़ा एक इंटरव्यू। जब स्व.राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे ,तो द इलेस्ट्रेड विकली में उनके केबिनेट (इंदौर से चुने गए सांसद) मंत्री स्व.प्रकाश चंद्र सेठी का इंटरव्यू छपा था ,जिसके कारण राजीव गांधी सेठीजी से बुरी तरह खफा हो गए थे ।

तब जम्मू _कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा भेजे गए भाड़े के आतंकी लगातार खून खराबे से बाज ही नहीं आ रहे थे।इलेस्टेड वीकली के तत्कालीन संपादक प्रीतीश नंदी ने इस संबंध में प्रकाशचंद्र सेठी को इंटरव्यू किया।सेठीजी बड़े सख्त प्रशासक माने जाते थे।उन्होंने एक प्रश्न के जवाब में प्रीतीश नंदी को यहां तक कह दिया कि यदि आज लालबहादुर शास्त्री प्रधानमंत्री होते तो भारतीय सेना को पाकिस्तान सेना पर तत्काल हमला कर देने का हुक्म दे देते।ये इंटरव्यू इतना चर्चित हुआ था कि कहते है कि सेठी जी हरदम के लिए राजीव गांधी की आंखों में खटकने लगे।बेशक,राजीव गांधी उन्हीं दिनों शांति प्रयासों के तहत पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय बेनजीर भुट्टो से मिलने पाकिस्तान गए थे।इस बातचीत का नतीजा सिफर निकला और पाकिस्तान से नारे आने लगे,बेनजीर दे कश्मीर।मुंबई में अफज़ल कसाब के साथियों ने जब बेगुनाहों की लाशें बिछा दी थी,तब भी खबरें आई थी कि भारत की तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह से पाकिस्तान पर तत्काल जवाबी कार्रवाई करने की इजाजत मांगी थी,लेकिन अपनी सनातन अदा में डॉक्टर मनमोहन सिंह ₹मौनर₹ ही रहे।माना जाता है कि जुल्म को बर्दाश्त करना भी अपने आप पर और बड़ा जुल्म करना होता है।आचार्य चाणक्य कहा करते थे कि दुष्टों से निपटने के दो ही तरीके होते हैं या तो उनके पास से उठकर चले जाएं या उन्हें कुचलकर मार डालें।भारत शांति ,सौहार्द्र,संयम आदि के नाम पर आखिर अपने बहादुर जवानों और निर्दोष नागरिकों की आतंकियों के हाथों बलि को कब तक सहता रहेगा।हर सरकार शपथ लेती है कि वो देश की एकताअखंडता, संप्रभुता,शांति और अमन को अक्षुण रखने के लिए वचन बद्ध है।मान लिया कि राजनय के स्तर पर कोई अंतिम फैसला लेने के पहले सौ बार सोचना पड़ता है।दुनिया के तमाम देशों को विश्वास में लेना भी जरूरी होता है,लेकिन इसी एनडीए की सरकार में भाजपा की तरफ से जब प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई पद पर थे तो अमेरिका सहित कई अन्य देशों की बुराई मोल लेकर उन्होंने पोखरण में 1974 के बाद दूसरा सफल परमाणु परीक्षण करवा कर बताया था।जब 1999 में अटलजी ही प्रधानमंत्री थे तब जुलाई के इन्हीं दिनों में कारगिल युद्ध चरम पर था।अपनी हार से घबराए पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को तत्कालीन सेना अध्यक्ष परवेज मुशर्रफ ने जगत चौधरी अमेरिका के तत्कालीन प्रेसिडेंट बिल क्लिंटन से मध्यस्थता करने के लिए हाथ पैर जोड़ थे।बिल क्लिंटन ने फोन करके अटलजी से युद्ध रोकने को भी कहा था,लेकिन अटल जी ने बिल क्लिंटन की एक नहीं सुनी और अंततः कारगिल में भारत की फतेह हुई।पाकिस्तान और चीन पोषित के कुछ विरोधी दल अभी भी पाकिस्तान के खिलाफ कोई कड़ी कार्यवाही करने के विरुद्ध हो,लेकिन उन्हें याद रखना चाहिए कि देश पर जब कभी विदेशी आक्रमण हुआ है तो सभी पार्टियां वैचारिक मतभेद भुलकर दुश्मन देश के खिलाफ एकजुट होती रहीं है।देश की सदाश्रयता को उसकी कमजोरी मानना गलत होता है क्योंकि आने वाली नस्लें उसका दुष्परिणाम झेलती है।यदि केंद्र सरकार जम्मू कश्मीर में जीरो परसेंट टालरेंस के उसूल पर काम कर रही है तो फिर उस पर बैठे नापाक हरकतें कर रहे देश को सबक सिखाने में देर किस बात की।

शिक्षकों की ऑनलाइन हाजिरी का आदेश वापस

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने शिक्षकों के भारी विरोध और विपक्ष के नेताओं द्वारा ऑनलाइन उपस्थिति को बड़ा मुद्दा बनाए जाने के के चलते प्रदेश के परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था को स्थगित कर दिया है। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के साथ शिक्षक संगठनों की बैठक के बाद यह फैसला लिया गया है। अब एक कमेटी का गठन होगा जिसमें अधिकारियों के साथ-साथ शिक्षाविद भी होंगे और फिर इसे लागू किया जाएगा। गौरतलब है कि बीती आठ जुलाई को यह व्यवस्था लागू की गई थी और तब से शिक्षक लगातार इसका विरोध कर रहे थे। प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष दिनेश चंद्र शर्मा और उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने सरकार के इस निर्णय पर खुशी जताई है। परिषदीय स्कूलों के शिक्षक पिछले एक हफ्ते से लगातार इसके विरोध में आंदोलनरत थे। योगी सरकार को अपना फैसला इसलिए भी बदलना पड़ा क्योंकि विपक्षी दल भी शिक्षकों का पक्ष में खड़े हो गए थे। पहले सपा और कांग्रेस ने उनकी आवाज उठाई थी। आज बसपा प्रमुख मायावती ने भी ऑनलाइन अटेंडेंस के खिलाफ बयान दिया था। मायावती ने अपनी पोस्ट में लिखा, बिना तैयारी शिक्षकों पर ऑनलाइन हाजिरी को थोपा जाना ठीक नहीं है। परिषदीय स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की काफी कमी है। शिक्षकों के भी बड़ी योगी सरकार बैकफुट पर, शिक्षकों की ऑनलाइन हाजिरी का आदेश लिया वापससंख्या में पद खाली हैं। ऐसे में पहले शिक्षकों के खाली पद भरे जाएं और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए, ताकि अच्छी गुणवत्ता की पढ़ाई सुनिश्चित हो सके। इसी दबाव के चलते 8 दिनों के भीतर योगी सरकार को अपना फैसला पलटना पड़ गया।

कल से बुध ग्रह का सिंह राशि में गोचर 7 राशिवालों को मिलेंगे शुभ अवसर

बुद्धि और वाणी के कारक ग्रह बुध का राशि परिवर्तन 19 जुलाई शुक्रवार को होने जा रहा है। बुध ग्रह सिंह राशि में रात 8 बजकर 48 मिनट पर गोचर करेगा। सिंह में बुध ग्रह 19 जुलाई से 22 अगस्त को सुबह 6 बजकर 22 मिनट तक विद्यमान रहेगा। बुध के इस राशि परिवर्तन से 7 राशि के जातकों के जीवन में सुखद बदलाव देखने को मिल सकते हैं। उनको अपनी लाइफ में कई शुभ अवसर प्राप्त हो सकते हैं, जिससे उनकी तरक्की होगी और वे उन्नति करेंगे।

सिंह में बुध गोचर 2024: इन लोगों की रातोंरात चमकेगी किस्मत!

मेषः बुध गोचर से मेष राशि के लोगों को नौकरी में कई सुनहरे मौके मिलने वाले हैं। आपको मौकों को भुनाने के लिए तैयार रहना चाहिए। इससे आपकी बड़ी उन्नति हो सकती है। आपको बॉस का पूरा समर्थन मिलेगा। बिजनेस करने वालों के लिए यह सुनहरा समय हो सकता है, वे अपने काम का विस्तार कर सकते हैं। आपकी वाणी का प्रभाव बढ़ेगा। शिक्षा प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

मिथुनः आपकी राशि के स्वामी बुध सिंह राशि में गोचर करेंगे, इससे आपकी सेहत अच्छी रहेगी। पुराने रोगों से निजात मिल सकती है। 19 जुलाई से 22 अगस्त के बीच आपका ध्यान स्वास्थ्य पर रहेगा। यह समय करियर के लिए भी ठीक रहेगा। यात्राओं से लाभ होगा। आपको नए लोग मिलेंगे, जिससे भविष्य में लाभ होगा। इस दौरान आप पर किस्मत मेहरबान रहेगी और काम सफल होंगे। आपको कोई विशेष उपलब्धि मिल सकती है।

सिंहः बुध के राशि परिवर्तन से आपको आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। पुरानी निवेश योजनाओं से धन लाभ होगा, जिससे आपकी वित्तीय स्थिति काफी मजबूत हो सकती है। इस दौरान आपका दिमाग तेज काम करेगा और आप अवसरों को लपक लेंगे। इससे आपकी तेजी से तरक्की होने की उम्मीद है। आपके फैसलों की प्रशंसा होगी। यश और कीर्ति बढ़ेगी। हालांकि काम में लापरवाही न करें।

कन्याः बुध के गोचर से आपकी राशि के लोगों को चौंकाने वाले सुखद समाचार मिल सकते हैं, जिसकी आपके उम्मीद नहीं की होगी। जो लोग बड़ी कंपनियों में या विदेशी कंपनी में नौकरी करते हैं, उनके लिए समय अनुकूल है। आपको विदेश भेजा जा सकता है या फिर आपको नई जिम्मेदारी के साथ नया पद और बढ़ी सैलरी का लाभ मिल सकता है। इस बीच आपके पास धन का आगमन होगा, लेकिन बेहिसाब खर्च जेब ढीली कर देगा।

तुलाः बुध देव की कृपा से आपका भाग्य मजबूत होगा और उसका पूरा साथ मिलेगा। नौकरी में आपके काम की सराहना होगी और उसका पुरस्कार भी आपको मिल सकता है। आप आमदनी बढ़ाने पर विचार करेंगे और आय के नए स्रोत बनाने में भी सफल हो सकते हैं। व्यापारी वर्ग के लोग बड़ा मुनाफा कमाने का अवसर प्राप्त करेंगे। आपके हाथ कोई बड़ी डील लग सकती है। आपके बात का महत्व बढ़ेगा। इस दौरान आपको अनैतिक और गैरकानूनी कामों से दूर रहना होगा।

वृश्चिकः बुध का राशि परिवर्तन आपके लिए नई नौकरी का समाचार ला सकता है। कार्यक्षेत्र में कुछ सुखद बदलाव हो सकते हैं, जो आपकी तरक्की करा सकते हैं। किसी अपने व्यक्ति के कारण आपको कोई बड़ा पद या बहुत अच्छी जॉब मिल सकती है। बिजनेस करने वाले लोग गोपनीयता के साथ योजनाओं को लागू करें, मुनाफा कमाने में सफल हो सकते हैं। काम के विस्तार के लिए नया निवेश या कोई नया पार्टनर मिल सकता है।

घर के मंदिर में भूल से भी न करें ये गलतियां

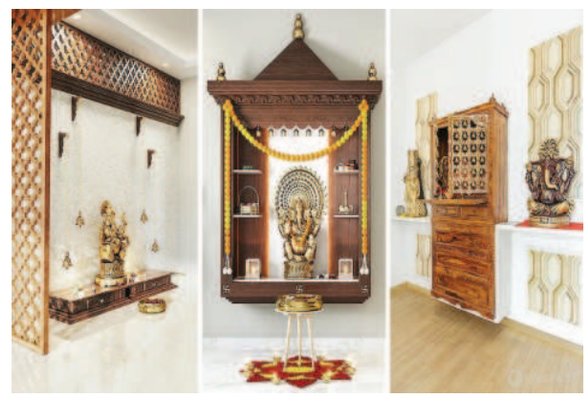

– घर का मंदिर का उपरी भाग लकड़ी का हो। मंदिर कोई सजावट की वस्तु नहीं है कि उसमें ज्यादा धातुओं का मिश्रण हो।
– घर में हमेशा पूरब या उत्तर दिशा में मंदिर होना चाहिए। घर का मंदिर दक्षिण पश्चिम दिशा में नहीं होना चाहिए।
– मंदिर के अंदर जरूर आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था करवा सकते हैं लेकिन लाइट पीली या हल्की पीले रंग की होनी चाहिए। मंदिर में नीले या काले रंग की लाइट नहीं होनी चाहिए।
– घर के मंदिर के आसपास गंदगी भी नहीं होनी चाहिए।
– मंदिर के बाहरी आवरण का रंग हल्का पीला या नारंगी हो तो बेहतर है।
– घर के मंदिर में हल्के पीले रंग का या लाल रंग का वस्त्र बिछाना चाहिए।
– मंदिर में अन्य देवी-देवताओं के साथ अपने इष्ट और अपने कुल गुरु का चित्र अवश्य रखें।
– मंदिर में गंगाजल भी रखना अच्छा होता है।
– ध्यान रहे कि शौचालय के पास मंदिर बिल्कुल नहीं बनाएं वरना नेगेटिव एनर्जी से मंदिर में ध्यान नहीं लग पाएगा।
– हमेशा भजन कीर्तन पूर्व या उत्तर दिशा में मुंह करना चाहिए। इससे मन में उत्साह बना रहता है।
– मंदिर साफ-सुथरे फलों और फूलों का प्रयोग करना चाहिए, मंदिर में घी जलाते समय गाय के घी का दीपक और कलावे की बातें का प्रयोग करें।
– प्रतिदिन पूजा के दौरान तीन बार गायत्री मंत्र का जाप करे। इससे दिनभर मन हल्का रहता है।
– घर में पति-पत्नी में मनमुटाव रहता हो तो दोनों एक साथ शिव पार्वती का पूजन करें।

नाम का पहला अक्षर बदल सकता है आपकी किस्मत

जिन लोगों का नाम 'ए' यानि 'अ' से शुरू होता है उनमें अकूत मात्रा में साहस होता है। वह अपने काम को लेकर प्रतिबद्ध रहते हैं और ऐसे लोगों को जीवन को खुलकर जीने में दिलचस्पी होती है। अगर किसी व्यक्ति के नाम में तीन 'ए' होते हैं तो वे सिर्फ अपने बारे में सोचने वाले होते हैं।

बी या ब संवेदनाओं को दर्शाता है और व्यक्ति के बेहद भावुक होने की बात कहता है। ऐसे लोगों में आत्म-विश्वास की कमी देखी जा सकती है और ये लोग लालची भी होते हैं।

जिन लोगों का नाम 'सी' से शुरू होता है उनके भीतर ह्यूमर प्रचुर मात्रा में होता है और वे बहुत जल्दी आवेग में आ जाते हैं।

'डी' संतुलन का परिचायक है। इन लोगों की इच्छा शक्ति बेहद मजबूत होती है और वे बेहद जिद्दी प्रवृत्ति के भी होते हैं। व्यापार में ये लोग सफल साबित होते हैं और किसी भी रूप में समझौता नहीं करते। 'ई' संप्रेषण को दर्शाता है। ऐसे लोग मजाकिया, बौद्धिक और दक्ष होते हैं। इनकी कल्पनाशक्ति बहुत मजबूत होती है। जिन लोगों का नाम 'ई' से शुरू होता है वह फ्लर्ट करने में भी माहिर होते हैं।

जिन लोगों का नाम 'फ' से शुरू होता है वे बहुत ज्यादा नकारात्मक विचार रखते हैं। लेकिन अगर किसी से प्रेम करते हैं तो वह उसके लिए कुछ भी कर सकते हैं। ऐसे लोग ईमानदार और समर्पित तो होते हैं लेकिन लोगों के बीच भी ये अकेलापन ही महसूस करते हैं।

बेहद धार्मिक स्वभाव वाले ऐसे लोग जिन्दगी को अपने अनुसार जीने की ही कोशिश करते हैं और उन्हें अपने जीवन में किसी का दखल बर्दाश्त नहीं होता। ये शक्की स्वभाव के भी होते हैं। वहीं 'एच' अक्षर से जिन लोगों का नाम शुरू होता है वे अपने में ही रहना पसंद करते हैं और सफलता प्राप्त करने के लिए समर्पित होते हैं।

किसी को भी प्रेरित करने के लिए काफी है आपके नाम का पहला अक्षर 'आई'। ऐसे लोग अपने जीवन को आदर्श बनाने में सक्षम होते हैं। ये लोग कला, विज्ञान में दिलचस्पी रखते हैं लेकिन बहुत जल्दी चिंता और भय से घिर जाते हैं। 'जे' अक्षर वाले लोगों का जीवन में कोई ध्येय नहीं होता और वे अपने जीवन को बस जीने के लिए जीते हैं। बेहद आलसी स्वभाव के ये लोग कुछ भी हासिल करने में दिलचस्पी नहीं रखते।

यह अक्षर 'चरम' को दर्शाता है। इस अक्षर के लोग बेहद भावुक, संवेदनशील और कल्पनाशील व्यक्तित्व वाले ये लोग भीतरी तौर पर दयनीय ही महसूस करते हैं। अक्षर 'एल' वाले लोग बेहतरीन प्रबंधक और समर्पित स्वभाव के होते हैं और जीवन के बहुत से क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने में सक्षम साबित होते हैं। लेकिन इन्हें जीवन में कई बार दुर्घटना का भी शिकार होना पड़ता है।

'एम' अक्षर वाले लोग बिना सोचे-समझे नतीजे पर पहुंचने में माहिर होते हैं। वे अपने जीवन को प्लान नहीं करते बल्कि परिस्थितियों को झेलेते हुए आगे बढ़ते हैं। इन लोगों का गुस्सा बहुत तेज होता है और बहुत जल्दी आवेग में आ जाते हैं। 'एन' अक्षर वाले लोग एक अच्छे वक्ता और लेखक साबित होते हैं। ऐसे लोगों में जलन बहुत ज्यादा होती है जो उनको किसी से मेलजोल नहीं रखने देती।

ओ अक्षर प्रतिबद्धता और समर्पण को दर्शाता है और व्यक्ति को जिम्मेदार बनाता है। वहीं 'पी' शक्ति का प्रतीक है। किसी की परेशानियों से उन्हें ज्यादा फर्क नहीं पड़ता।

'क्यू' अक्षर वास्तविकता को दर्शाता है और ये लोग बॉर्न लीडर होते हैं। वहीं 'आर' संभावनाओं का प्रतीक है। 'आर' शब्द वाले लोग हार्ड वर्किंग और बेहद भावुक होते हैं।

जिन लोगों का नाम 'एस' अक्षर से शुरू होता है वे अपना काम पूरा करने के लिए हर संभव प्रयत्न करते हैं। ये अक्षर शुरुआत का भी प्रतीक है। ये लोग अपने अतीत से ज्यादा सीख नहीं लेते और भविष्य में भी समान गलती दोहराते हैं। अक्षर 'टी' प्रगति का प्रतीक है। ये लोग भावुक और संवेदनाओं से घिरे होते हैं। इन लोगों को आत्म-संयम की विधा सीखने की बहुत जरूरत होती है।

यू अक्षर के लोग लकी साबित होते हैं। यह अपने साथ हुए दुर्व्यवहार और किसी की बेईमानी को कभी भूल नहीं सकते। वहीं दूसरी ओर 'वी' अक्षर वाले लोग स्वाभिमानी और भरोसेमंद साबित होते हैं। ये लोग बेहद व्यवहारिक होते हैं।

जिन लोगों का नाम डब्ल्यू से शुरू होता है उन्हें जीवन में जोखिम उठाने में बहुत मजा आता है। ये अपने और दूसरों के लिए समस्या का कारण बनते हैं। 'एक्स' अक्षर वाले लोग कभी वायदा नहीं निभाते, यह दूसरों को धोखा देने में माहिर होते हैं।

वाय अक्षर वाले लोग जीवन में कभी कोई चुनाव सही नहीं कर पाते। उनकी निर्णय लेने की क्षमता बहुत कम होती है। वहीं जिन लोगों का नाम 'जेड' अक्षर से शुरू होता है वे बेहद आशावान और व्यवहारिक स्वभाव के होने के साथ-साथ जमीन से जुड़े होते हैं।

इस ग्रह दोष से होता है भाई–भाई में झगड़ा

नहीं बन पाता है अपना मकान

वैदिक ज्योतिष में मंगल ग्रह को साहस, ऊर्जा और शक्ति प्रदान करने वाला ग्रह बताया गया है। ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक कुंडली में मगल ग्रह का मजबूत होना आवश्यक है। जिनकी कुंडली में मंगल बली यानी मजबूत होते हैं, वे व्यक्ति शारीरिक रूप से बलशाली, नेतृत्व के गुणों से युक्त और एडवेंचर प्रिय होते हैं। किसी भी काम को एक रणनीति के तहत करना इनकी आदत होती है। आइए जानते हैं, मंगल ग्रह का जीवन में महत्व क्या है, ये कुंडली में कब अशुभ माने गए हैं और ज्योतिष शास्त्र में बताए गए किन उपायों से मंगल दोष को समाप्त कर सकते हैं?

जीवन में मंगल ग्रह का महत्व

मंगल वैदिक ज्योतिष के एक बड़े और प्रभावशाली ग्रह हैं, जिनका जीवन पर प्रत्यक्ष असर होता है। मंगल को ग्रहों के सेनापति की उपाधि दी गई हैं। इनको भुमि पुत्र भी कहते हैं। यह ग्रह साहस, ऊर्जा, शक्ति, पराक्रम, भूमि और अन्य अचल संपत्ति, वाहन, परिवहन, बड़ा भाई-बहन, युद्ध, पुलिस, सेना, कार्यक्षेत्र, पौरुष, रसोई की अग्नि, घाव, चोट, दुर्घटना, अस्त्र-शस्त्र का कारक है। इस ग्रह का व्यक्ति के व्यक्तित्व, करियर, वित्त, विवाह और स्वास्थ्य पर सीधा नियंत्रण होता है। मंगल ग्रह के शुभ और अशुभ होने जीवन के इन पहलुओं पर व्यापक असर होता है।

मंगल ग्रह कब होते हैं अशुभ?

कहते हैं कि जब मंगल सही होता है, सब कुछ मंगलमय होता है। लेकिन जब ये कुंडली में अशुभ और कमजोर होते हैं, तो तब वे अपना श्रेष्ठ फल नहीं पाते हैं। इसे ज्योतिष शास्त्र में 'मंगल बाधा' कहा गया है। जब यह ग्रह कुंडली में कमजोर स्थिति में होता है, या कुछ विशेष भावों में स्थित होता है, तो इसे मंगल दोष के रूप में जाना जाता है।

मंगल तब सबसे ज्यादा अशुभ होते हैं, जब वे नीच के होकर कर्क राशि में होते हैं। साथ ही, जब मंगल कुंडली के पहले, दूसरे, 6ठे, 8वें या 12वें में होते हैं, तब वे अशुभ होते हैं। जब इन पर अशुभ ग्रहों की दृष्टि होती है, तब भी अपना पूर्ण फल दे पाने में अक्षम होते हैं।

मंगल दोष से वाहन दुर्घटना, विवाह में अड़चन, दाम्पत्य जीवन में कलह, स्वास्थ्य और करियर नकारात्मक असर पड़ता है। कमजोर मंगल रक्त से संबंधित रोगों, चोटों और दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है। जिस जातक (व्यक्ति) की कुंडली में मगल दूषित होते है, आत्मबल, निस्तेज, दुर्बल, दब्बू और सुख-सुविधा से विहीन रहता है। बड़े भाई और बहन से झगड़ा, जमीन-जायदाद का विवाद और मकान आदि से जुड़े विवाद और मामले के पीछे मंगल की ग्रह की निर्णायक भूमिका होती है।

लाल रंग की वस्तुओं पर मंगल ग्रह का स्वामित्व माना गया है।

मंगल दोष दूर करने के उपाय

व्रत रखनाः मंगलवार का व्रत रखना और इस दिन को भगवान हनुमान जी की विधिवत पूजा करना और लाल रंग के वस्त्र धारण करने से मंगल दोष समाप्त हो जाते हैं।

लाल रंग की वस्तुओं का उपयोगः लाल रंग मंगल ग्रह का रंग है। लाल रंग की वस्तुओं, जैसे कि लाल कपड़े, लाल धागा और लाल रंग के फल, का उपयोग करने से मंगल ग्रह को मजबूती मिलती है। शारीरिक शक्ति और ऊर्जा में वृद्धि होती है।

मंत्रों का जापः मंगल ग्रह से संबंधित मंत्रों का जाप, जैसे कि "ॐ मंगलाय नमः" या "ॐ क्रां क्रां मंगलाय नमः", मंगल ग्रह को मजबूत करने में मदद करते हैं।

दान-पुण्य करनाः मंगलवार को गुड़, लाल कपड़े, तांबे के बर्तन या मसूर दाल दान करना शुभ माना जाता है। इससे मंगल दोष कम होता है।

रत्न धारण करनाः लाल मूंगा मंगल ग्रह का मुख्य रत्न है। इसे मंगलवार को विधि-विधान से धारण करने से लाभ होता है, लेकिन इसे धारण करने से पहले योग्य और अनुभवी ज्योतिष या पंडित से सलाह अवश्य कर लेनी चाहिए।

इन दो महीनों में वर्जित है पहली संतान का मुंडन संस्कार, यह हैं 23 शुभ मुहूर्त

हमारे सनातन धर्म में मुहूर्त का एक अलग ही स्थान है। हर किसी शुभ काम को करने से पहले मुहूर्त निकाला जाता है। उसी नियत समय पर वह कार्य किया जाता है। इसमें चाहे गृह प्रवेश हो या किसी बच्चे का मुंडन संस्कार। हर काम मुहूर्त पर ही होता है। मुहूर्त जानने के लिए के लिए हम किसी न किसी ज्योतिषी से संपर्क करते हैं। उसके बाद में वह हमें हमारे शुभ काम के अनुसार मुहूर्त निकाल कर देते हैं। उसी मुहूर्त पर शुभ काम किए जाते हैं।

कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा प्रकाशित होने वाली नई पंचांग मार्केट में आ गई है, जिसके तहत सभी पर्व त्यौहार और शुभ कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया है। ऐसे में विश्वविद्यालय पंचांग के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉक्टर कुणाल कुमार झा बताते हैं कि इस वर्ष विश्वविद्यालय पंचांग के तहत मुंडन के कुल 23 शुभ मुहूर्त बना रहे हैं। लेकिन जेठ और आषाढ़ में प्रथम संतान का मुंडन वर्जित किया गया है।

यह बन रहे मुंडन संस्कार के मुहूर्त

ज्योतिषाचार्य डॉक्टर कुणाल कुमार झा बतातें है कि मुंडन के लिए यह मुहूर्त बन रहे हैं। अभी 4 महीने किसी भी शुभ काम के मुहूर्त न होने के कारण 18 नवंबर से मुंडन संस्कार के मुहूर्त बन रहे हैं। 20 नवंबर, 5 दिसंबर, 6 दिसंबर और 11 दिसंबर को मुंडन संस्कार के लिए मुहूर्त हैं। इसके बाद फिर नए साल 2025 में 31 जनवरी, 3 फरवरी, 7 फरवरी, 10 फरवरी, 17 फरवरी, 6 मार्च, 10 मार्च, 17 अप्रैल, 30 अप्रैल, मई में 8, 9 और 28 को है। जून में 5 जून 6 जून 26 जून 27 जून को है। जुलाई में 2 जुलाई 4 जुलाई का मुहूर्त बनता है।

इन महीनों में नहीं करना चाहिए पहली संतान का मुंडन संस्कार

ज्योतिषाचार्य डॉक्टर कुणाल कुमार झा के अनुसार पहली संतान का मुंडन संस्कार इन दो महीनों में वर्जित बताया गया है। विधान के अनुसार चाहे लड़की हो या लड़का उसका मुंडन संस्कार जेठ और आषाढ़ में छोड़ कर ही मुंडन संस्कार करना उचित होगा।

कैकेयी ने जब ले लिया था अपना वचन वापस

उसके बाद भी राम क्यों गए थे वनवास?

रामायण की कथा के अनुसार, राजा दशरथ की तीन रानियों में कैकेयी सबसे अधिक वीर और राजा दशरथ का साथ निभाने वाली रानी थी। कथा के अनुसार, एक बार देवों और असुरों के संग्राम में देवराज इंद्र ने राजा दशरथ से मदद मांगी थी। उस वक्त राजा दशरथ के साथ रानी कैकेयी भी उनकी सारथी बनकर गई थी और उन्होंने युद्ध भूमि में राजा दशरथ की प्राणों की रक्षा की थी, जिससे खुश होकर राजा दशरथ ने कैकेयी से दो वरदान मांगने को कहा था। लेकिन कैकेयी ने उस समय वरदान नहीं माँगा बल्कि कहा कि समय आने पर वरदान मांगेगी। जब भगवान राम के राजा बनने का समय आया, तो उनको राजगद्दी पर बिठाने से एक दिन पहले ही कैकेयी ने राजा दशरथ से अपना वरदान मांग लिया। वरदान में उन्होंने भगवान राम के लिए 14 वर्ष का वनवास माँगा और दूसरे वरदान में अपने पुत्र भारत को राजा बनाने की मांग की। कैकेयी ने रामजी के लिए 14 वर्षों का वनवास माँगा, न एक साल कम और न एक साल ज्यादा। लेकिन ऐसा उन्होंने क्यों किया। दरअसल, कैकेयी ने यह 14 वर्ष के वनवास का वरदान जानबूझकर मांगा था। एक नियम के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति लगातार 14 साल तक किसी संपत्ति पर कब्जा करता है, तो

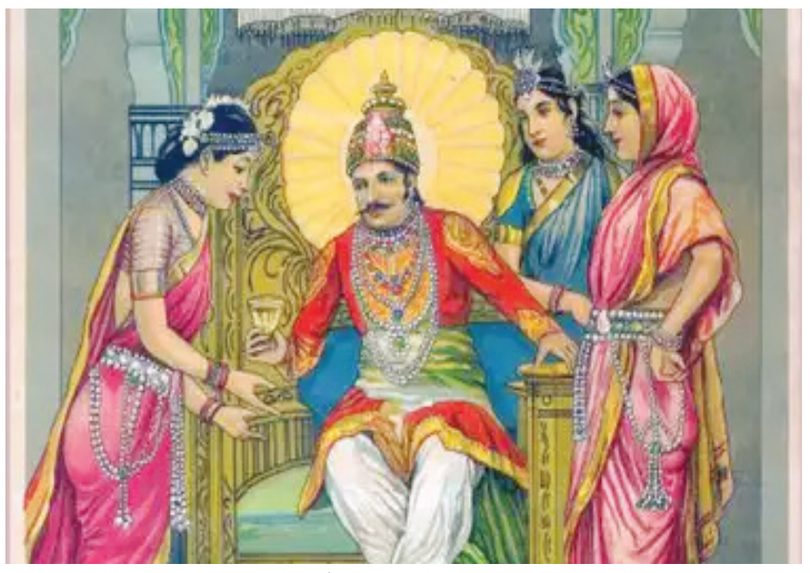

उसके बाद उसी का अधिकार होता है। इसी वजह से कैकेयी ने श्रीराम के लिए पूरे 14 वर्ष का वनवास मांगा था। जब भारत को पता चला कि उनकी माता ने राजा दशरथ से ऐसा वचन माँगा है, तो वो अपनी माता से क्रुद्ध हो गए। वो समस्त प्रजा को लेकर भगवान राम को मनाने गए और वहाँ कैकेयी ने अपना वचन वापस भी ले लिया, लेकिन भगवान राम का कहना था कि वचन वापस वो ले सकता है, जिसने वचन दिया हो और वचन राजा दशरथ ने दिया था। जब भारत भगवान राम को मनाने गए थे, तो उस समय राजा दशरथ अपने पुत्र के शोक में स्वर्ग सिधार चुके थे। इसलिये, वचन वापस नहीं लिया जा सकता था और भगवान राम ने 14 वर्ष का वनवास पूरा किया।

'तारक मेहता...' में फिर टूटी पोपटलाल की सगाई तो दर्शक हुए नाराज

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के लेटेस्ट एपिसोड में दर्शकों को उस वक्त बड़ा झटका लगा जब पोपटलाल और मधुबाला की सगाई टूट गई। दर्शक लंबे वक्त से पोपटलाल की शादी का इंतजार कर रहे थे। खुद पोपटलाल भी काफी समय से अपने लिए दुल्हन तलाश रहे थे। अब जब मधुबाला के रूप में पोपटलाल को पार्टनर मिली, तो सगाई टूट गई और शादी का प्लान भी छोड़ना पड़ा।

डॉ. हाथी ने बताया कि पोपटलाल और मधुबाला में थैलेसीमिया के लक्षण हैं। यह एक जेनेटिक बीमारी है, जिसमें हीमोग्लोबिन का स्तर काफी घट जाता है, जो आगे चलकर घातक साबित हो सकता है। इससे दर्शकों का दिल टूट गया था। फैंस को इस बात से झटका लगा कि पोपटलाल की शादी होते-होते रह गई। अब शो के प्रोड्यूसर असित मोदी ने इस बारे में बात की है।

असित सेन ने बातचीत में कहा कि उन्हें पता है कि दर्शक 'तारक मेहता' में पोपटलाल की शादी न होने से कितने निराश हैं। लेकिन वह चाहते हैं कि दर्शक शो की कहानी पर फोकस करें और देखें कि किस तरह थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरुकता फैलाई जा रही है। शो में डॉ. हाथी, पोपटलाल और मधुबाला से कहते हैं कि उनके होने वाले बच्चों में थैलेसीमिया होने के 25% संभावना होगी, जो एक गंभीर स्थिति है। यह सुनकर पोपटलाल और मधुबाला भारी मन से सगाई तोड़ देते हैं। शो में पोपटलाल का किरदार एक्टर श्याम पाठक ने निभाया है।

असित मोदी ने कहा, 'मैं समझ सकता हूं कि दर्शक पोपटलाल की शादी नहीं होने से निराश हैं, लेकिन मैं चाहूंगा कि वो दूसरे पक्ष पर फोकस करें। इस एपिसोड के माध्यम से हमारा लक्ष्य समाज को एक बहुत मजबूत संदेश देना था। मेरा मानना है कि थैलेसीमिया के बारे में मैसेज देना पोपटलाल की शादी से कहीं अधिक महत्वपूर्ण था। उनकी शादी किसी अन्य एपिसोड में हो सकती है, लेकिन थैलेसीमिया के बारे में इस महत्वपूर्ण मैसेज को देना और जागरुकता फैलाना जरूरी था।

पत्नी जया बच्चन के लिए बारिश में छाता पकड़े नजर आए अमिताभ बच्चन

अमिताभ बच्चन की एक तस्वीर इस वक्त सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है, जिसमें वह पत्नी जया बच्चन के लिए बारिश में छाता पकड़े नजर आ रहे हैं। फैंस अमिताभ के इस जेस्चर की खूब तारीफ कर रहे हैं, पर उन्हें जया का रवैया पसंद नहीं आ रहा है। कुछ यूजर्स ने तो इस पर सवाल भी करने शुरू कर दिए। अमिताभ बच्चन इंटरनेट पर तहलका मचा रही है।

81 वर्षीय अमिताभ ने X पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह पत्नी के सिर पर छाता पकड़े हुए नजर आ रहे हैं। साथ में लिखा है, 'हर रोज बारिश हो रही है। यहां तक कि सेट पर काम पर भी।' तस्वीर में जया हाथ में लड्डू पकड़े हैं और चेहरे पर उदासी नजर आ रही है।' इस तस्वीर पर जहां

और जया हाल ही तब सुर्खियों में आ गए थे, जब उन्होंने बहू ऐश्वर्या राय बच्चन और पोती आराध्या के बिना अनंत और राधिका की शादी में एंट्री की थी। जहां अमिताभ-जया नाती-नातिन, बेटा-बेटी और दामाद के साथ पोज देते दिखे, वहीं ऐश्वर्या और आराध्या ने अलग एंट्री की थी। इसी के बाद से एक बार फिर कयासों का दौर तेज हो गया था कि बच्चन परिवार और ऐश्वर्या के बीच कुछ ठीक नहीं है। लेकिन अब अमिताभ-जया की यह नई तस्वीर फैंस ने प्यार लुटाया और अमिताभ बच्चन की तारीफ की, वहीं यूजर्स को जया बच्चन का ऐसा अंदाज रास नहीं आया। यूजर्स ने सवाल किया कि जया हमेशा गुस्से में क्यों रहती हैं? वह इस तस्वीर में गुस्से में क्यों हैं? एक यूजर ने कमेंट किया, 'मैडम जी हमेशा गुस्से में क्यों रहती हैं?' एक और यूजर ने लिखा है, 'जीरो से लेकर शोहरत के चरम तक, हर पुरुष की यही हालत है।' एक अन्य यूजर ने लिखा है, 'जया जी का मूड ऑफ क्यों रहता है?'

मिर्जापुर की 'रधिया' की रियल लाइफ रील के ठीक अपोजिट

मिर्जापुर सीरीज में रधिया का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस प्रशंसा शर्मा रियल लाइफ में काफी अलग है। प्रशंसा ने कहा कि लोगों को मेरा किरदार इतना रियल लगा है कि उन्हें लगता है कि मैं रियलिटी में भी रधिया जैसी ही हूं। प्रशंसा ने कहा कि वो एक संपन्न और प्रतिष्ठित परिवार से आती हैं। बचपन से एक्टिंग में रुझान रहा है। मिर्जापुर के अलावा उन्होंने फिल्म बिच्छू का खेल में भी अहम भूमिका निभाई थी। प्रशंसा ने रधिया के किरदार और अपनी निजी जीवन के बारे में खुलकर बात की है। आपका किरदार इतना रियल लगा है कि लोगों को लगता है कि आप सच में रधिया जैसी ही हो? जवाब में उन्होंने कहा, 'लोग ये जानकर ताज्जुब खाते हैं कि मैं इंग्लिश बोल लेती हूं। लोगों को जब पता चलता है कि मैंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज से फिलॉसफी की पढ़ाई की है तो वे और चौंक जाते हैं। खैर मेरे लिए यह एक जीत की तरह है कि मैंने किरदार ही ऐसा निभाया है कि लोगों को यह रियल लगने लगा है।'

शाहरुख के कहने पर फिल्म सिटी में बनाया रेगिस्तान

प्रोडक्शन डिजाइनर पूरी फिल्म का लुक और मूड डिजाइन करता है। फिल्म का सेट कैसा होगा। एक्टर्स कपड़े क्या पहनेंगे। स्क्रीनप्ले के हिसाब से सीन की थीम क्या होगी। यह सारी चीजें प्रोडक्शन डिजाइनर डिसाइड करता है। आर्ट डायरेक्टर फिल्म के सेट का निर्माण, इन्हीं के सुपरविजन में करते हैं। इस बार के रील टु रियल में हम प्रोडक्शन डिजाइनिंग और इसकी प्रोसेस पर बात करेंगे।

प्रोडक्शन डिजाइनिंग की पूरी प्रोसेस को समझने के लिए हमने प्रोडक्शन डिजाइनर मुनीश सप्पल से बात की, जिन्होंने फिल्म गदर-2, पहेली, रब ने बना दी जोड़ी, भूतनाथ जैसी कई बड़ी हिंदी फिल्मों में बतौर प्रोडक्शन डिजाइनर काम किया है। इसके अलावा वे कई इंटरनेशनल प्रोजेक्ट भी कर चुके हैं।मुनीश ने बताया कि शाहरुख की फिल्म पहेली में रेगिस्तान वाले सीक्वेंस को उन्होंने मुंबई के फिल्म सिटी में फिल्माया था। इसके लिए उन्होंने 300 से 400 ट्रक रेत राजस्थान से मंगवाई थी और फिल्म सिटी में रेगिस्तान का सेट बना दिया था। इसकी टोटल कॉस्ट 2 करोड़ रुपए थी। एक प्रोडक्शन डिजाइनर सबसे पहले डायरेक्टर फिर आर्ट डायरेक्टर और कॉस्ट्यूम डिजाइनर के साथ मिलकर काम करता है। प्रोडक्शन डिजाइनर डायरेक्टर के विजन को समझता है, फिर उसे विजुअलाइज करता है। इसके बाद वो उसी हिसाब से फिल्म का सेट डिजाइन करता है। सेट, कॉस्ट्यूम्स और स्क्रीनप्ले के हिसाब से सीन की थीम क्या होगी, यह सारी चीजें प्रोडक्शन डिजाइनर डिसाइड करता है। एक प्रोडक्शन डिजाइनर अपने अंडर कई आर्ट डायरेक्टर्स को हायर कर सकता है।

बॉलीवुड में क्यों बढ़ रहे तलाक के मामले?

'बिग बॉस OTT 3' अपने शबाब पर है। घर में अदनान शेख के रूप में पहली वाइल्ड कार्ड एंट्री हो चुकी है। लाइव फीड में लव कटारिया और साई केतन राव के बीच भयानक झगड़ा देखा गया है। मामला हाथापाई तक पहुंच गया। हर एपिसोड के साथ अब यह शो रोमांचक होता जा रहा है। लेकिन इन सब के बीच मंगलवार, 16 जुलाई के एपिसोड में रैपर नेजी और रणवीर शौरी के बीच बॉलीवुड में बदलते रिश्तों और बढ़ रहे तलाक के मामले पर जो चर्चा हुई, वह भी गौर करने लायक है। किचन में दोनों बर्तन साफ कर रहे थे, तभी नेजी ने रणवीर शौरी की एक्स-वाइफ और एक्ट्रेस कोंकणा सेन शर्मा का जिक्र किया था।

रणवीर शौरी और कोंकणा सेन शर्मा का तलाक हो चुका है। नेजी से बातचीत में रणवीर शौरी ने कहीं ना कहीं वह कारण बताया, जिसकी वजह से उनका और कोंकणा का तलाक हुआ। नेजी ने बर्तन धोते वक्त रणवीर की तारीफ की और कहा कि उनका बर्ताव उनकी पूर्व पत्नी कोंकणा से बहुत मिलती-जुलती हैं। इस पर रणवीर ने पूछा कि क्या वह एक्ट्रेस से बाहर मिले हैं। इस पर नेजी ने कहा कि वह मिले तो नहीं हैं, लेकिन उनके बारे में जानते हैं।

नेजी ने इस पर रणवीर शौरी से ऐसा सवाल पूछा, जो सिनेमा की दुनिया से मोह रखने वाले हर फैन के दिल में हैं। नेजी ने कहा कि बॉलीवुड में तलाक या रिश्तों में अलगाव की चीज बीते कुछ समय में आम बात हो गई है। इस पर रणवीर ने कहा कि इसका इंडस्ट्री का कोई लेना देना नहीं है। ये जमाने का, जहां ये दुनिया है ना, उससे लेना-देना है। क्योंकि अभी जो नारीवादी (फेमिनिज्म) आंदोलन है वह अपने चरम पर है, महिलाएं कभी-कभी इसका दुरुपयोग करती हैं। जबकि पुरुष इससे निपटने में असमर्थ हैं।

'कभी-कभी औरतें भी अब्यूज करती हैं'

रणवीर आगे कहते हैं, 'अब रिश्तों में कहीं-कहीं अब्यूज बढ़ गया है। कभी कभी आदमी नहीं झेल पाता उसको। कभी-कभी औरतें भी अब्यूज करती हैं। तो इसका इंडस्ट्री से कोई लेना-देना नहीं है। वो सब जगह है और यह

नारीवादी आंदोलन भी जरूरी है।'

रणवीर शौरी बोले- नारीवादी आंदोलन भी जरूरी है

अपनी समझदारी के लिए शो में सराहे जा रहे रणवीर ने अपनी बात रखते हुए आगे कहा, 'मेरे हिसाब से इतिहास में जो औरतों को सेकंड क्लास ट्रीटमेंट मिला है ना, उसकी वजह एक ही है, वो क्या है कि महिलाएं पुरुषों से शारीरिक रूप से कमजोर हैं। बस, इसी वजह से। मेरा मानना है कि नारीवादी आंदोलन जरूरी है।'

2011 में रणवीर-कोंकणा की हुई थी शादी, 2015 में हुए अलग

शो में इससे पहले रणवीर शौरी ने बताया था कि वह और उनकी पूर्व पत्नी कोंकणा सेन शर्मा अपने बेटे को साथ मिलकर पाल रहे हैं। कोंकणा सेन शर्मा और रणवीर ने 2007 में डेटिंग शुरू की थी। दोनों ने 3 सितंबर 2010 को एक निजी समारोह में शादी कर ली। इसके बाद कोंकणा ने 15 मार्च 2011 को अपने बेटे हारून को जन्म दिया। शादी के 5 साल बाद रणवीर और कोंकणा ने सितंबर 2015 में अलग होने की घोषणा की। हालांकि, इसके बाद भी दोनों में दोस्ताना संबंध हैं। वो अपने बेटे की कस्टडी शेयर करते हैं। आखिरकार 13 अगस्त 2020 को इस जोड़े का कानूनी तौर पर तलाक हो गया।

पारो से अधिक खूबसूरत दिख रही हैं चंद्रमुखी

संजय लीला भंसाली की शानदार फिल्मों में से एक रही है 'देवदास' को रिलीज हुए 22 साल बीत चुके हैं। फिल्म की कहानी, ग्रैंड सेट और किरदारों ने दर्शकों के दिलों पर ऐसी गहरी छाप छोड़ दी है जिससे निकलना आसान नहीं। अब 22 साल बाद एक बार फिर पारो और चंद्रमुखी का किरदार निभा चुकीं ऐश्वर्या राय और माधुरी दीक्षित साथ नजर आई हैं।

इस फिल्म की कहानी प्यार, समर्पण और रिश्तों के कश्मकश की लाजवाब कहानी है, जिसमें पारो और चंद्रमुखी दोनों का दिल एक ही शख्स देवदास के लिए धड़कता है। अब ठीक 22 साल बाद ऐश्वर्या और माधुरी को देखकर लोगों को उनकी इस फिल्म के किरदार की याद आ रही है, जिसमें दोनों ने ही कमाल की एक्टिंग की थी।

'आज भी चंद्रमुखी के पास अदाएं हैं'

अब इस तस्वीर को देखकर लोगों ने कॉमेंट करना शुरू कर दिया है। एक यूज़र ने कहा- आज भी चंद्रमुखी के पास अदाएं हैं। लोगों ने कहा है- अंबानी के इवेंट की सबसे शानदार तस्वीर है। वहीं एक ने कहा है- पारो का मेकअप और स्टाइल सेंस काफी खराब हो गया है, पैसे से टेस्ट नहीं खरीदा जा सकता। वहीं कुछ ने कहा है- साफ दिख रहा स्ट्रेसफुल इनलॉज और नॉन स्ट्रेसफुल इनलॉज का क्या असर पड़ता है। एक ने कहा- चंद्रमुखी पारो से अधिक खूबसूरत दिख रही हैं।

इस गांव में कटरीना कैफ की होती है पूजा

बॉलीवुड एक्ट्रेस कटरीना कैफ ने मंगलवार को अपना 41वां बर्थडे सेलिब्रेट किया है। इस खास मौके पर उनके फैंस ने उन्हें सोशल मीडिया पर जन्मदिन की शुभकामनाएं दे रहे हैं। इस कड़ी में एक फैन ऐसा भी है, जो न सिर्फ 11 सालों से कैटरीना का बर्थडे धूमधाम से सेलिब्रेट करता आ रहा है, बल्कि भगवान की तरह उनकी पूजा भी कर रहा है।

मामला हरियाणा के चरखी दादरी जिले का है। यहां ढाणी फोगाट गांव के रहने वाले कर्मबीर उर्फ बंटू और उनकी पत्नी संतोष कटरीना कैफ को देवी की तरह पूजते हैं। 11 सालों से यह कपल लगातार कटरीना का जन्मदिन केक काटकर और लड्डू बांटकर धूमधाम से मनाता आ रहा है। उनकी ख्वाहिश है कि कटरीना कैफ उनसे मिलने आए।बंटू का कहना है कि जब वह 13-14 साल के थे, तब से कटरीना कैफ का जन्मदिन मनाते आ रहे हैं। शादी से पहले वह अकेले सेलिब्रेट करते थे और अब अपनी पत्नी के साथ उनका जन्मदिन मनाते हैं। उनकी इच्छा है कि एक बार उनकी मुलाकात कटरीना कैफ से हो जाए। उन्हें पूरी उम्मीद है कि वह कभी न कभी एक्ट्रेस से जरूर मिलेंगे। संतोष ने कहा, 'आज कटरीना 41 साल की हो गईं है, इस मौके पर आज मैंने और मेरे पति ने बहुत धूमधाम से उनका जन्मदिन मनाया। मेरी हाथ जोड़कर यही विनती है कि कटरीना कैफ जल्द से जल्द मिलने आ जाएं। 11 सालों से हम उनकी रोजाना पूजा करते हैं। अपने पति की तरह मैं भी उन्हें काफी मानती हूं।'

दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया भारत लौटे

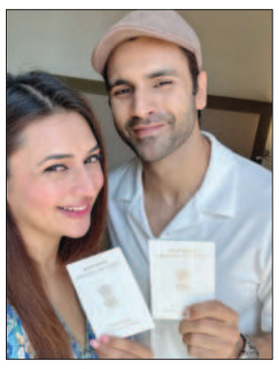

टीवी एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी और उनके पति विवेक दहिया इटली से इंडिया वापस लौट आए हैं। कपल मंगलवार को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए। इस मौके पर दिव्यांका ने कहा कि उन्होंने देश में लैंड करने के बाद ही चैन की सांस ली। दिव्यांका और विवेक इटली के फ्लोरेंस शहर वेकेशन मनाने गए थे, जहां उनका सामान और पासपोर्ट चोरी हो गए थे। मुंबई एयरपोर्ट पर दिव्यांका ने फोटोग्राफर्स को पोज दिए। इस दौरान उन्होंने पैपराजी के कुछ सवालों के जवाब भी दिए। एक्ट्रेस ने कहा, 'घर आकर ही सुकून मिलता है। मैं घर वापस लौटने का ही इंतजार कर रही थी।' वहीं जब एक फोटोग्राफर ने दिव्यांका से पूछा कि पासपोर्ट चोरी कैसे हो गया ? तो दिव्यांका ने जवाब दिया- 'बहुत लंबी कहानी है। कभी फुर्सत से गुफ्तगू करेंगे।' एयरपोर्ट पर जहां दिव्यांका की आंखों में देश वापस लौटने की खुशी साफ चमक रही थी। वहीं, उनके पति विवेक भी काफी राहत भरी सांस लेते हुए नजर आ रहे थे। इससे पहले 14 जुलाई को कपल ने इटली में इंडियन एम्बेसी द्वारा जारी किए गए इमरजेंसी सर्टिफिकेट के साथ एक फोटो शेयर किया था। उन्होंने कैप्शन में लिखा था, 'जल्द ही भारत आ रहे हैं। हम आपके अपार प्यार और समर्थन के लिए 'आपको' धन्यवाद देना चाहते हैं। हमारी 'घर वापसी' को संभव बनाने के लिए इंडियन एम्बेसी को बहुत-बहुत धन्यवाद।' दिव्यांका पति विवेक के साथ अपनी शादी की 8वीं एनिवर्सरी मनाने के लिए इटली के फ्लोरेंस शहर गई थीं।

कास्टिंग काउच का सामना कर चुके हैं 'एनिमल' एक्टर सिद्धांत

डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'एनिमल' में काम कर चुके एक्टर सिद्धांत कार्णिक ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान कास्टिंग काउच को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया। एक्टर ने अपने करियर के शुरुआती दिनों में कास्टिंग काउच के अनुभव को अजीब बताया। उन्होंने कहा कि एक कॉर्डिनेटर ने धमकी देते हुए कहा था कि अगर कंप्रोमाइज नहीं करोगे तो काम नहीं मिलेगा। 'एनिमल' में सिद्धांत कार्णिक ने रणबीर कपूर के जीजा वरुण प्रताप मल्होत्रा की भूमिका निभाई थी। फिल्म में अपनी भूमिका के लिए खूब सुर्खिया बटोरी। हाल ही में एक इंटरव्यू में सिद्धांत ने अपने करियर के शुरुआती दिनों में कास्टिंग काउच के अपने अनुभव के बारे में बताया कि उन्हें कैसा महसूस हुआ था। सिद्धांत कार्णिक ने कहा- 2005 में सिर्फ 22 साल की उम्र में मैंने इंडस्ट्री में काम करना शुरू ही किया था। उस दौरान मेरी मुलाकात एक कॉर्डिनेटर से हुई। उसने मुझसे मेरा पोर्टफोलियो मांगा और फिर रात साढ़े दस बजे मुझे अपने घर बुलाया।

'ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास के बेटे को मिले सजा

नई सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए बोला विपक्ष

भुवनेश्वर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास के बेटे ललित कुमार पर हाल ही में मारपीट का आरोप लगा है। यह मामला लगातार बढ़ता जा रहा है। अब बीजू जनता दल (बीजद) और कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा है। उनका कहना है कि घटना के 10 दिन बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। पुलिस चुप है, सरकार और प्रशासन चुप है। यहां तक कि राज्य की नई सरकार तक शांत है।

घटना को 10 दिन बीतेः सामंतसिंघर

बीजद नेता लेखाश्री सामंतसिंघर ने कहा, 'यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में, जो हमारे संविधान के आधार पर कानून के शासन द्वारा शासित है, ओडिशा के राज्यपाल के बेटे ने राजभवन में काम कर रहे एएसओ को बहुत बेरहमी से पीटा और उन्हें अपमानित किया। इस घटना के 10 दिन बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। पुलिस चुप है, सरकार, प्रशासन चुप है और मुझे आश्चर्य है कि राज्य में नई भाजपा सरकार ने एक बयान भी जारी नहीं किया है। उन्होंने राज्यपाल के बेटे के इस कृत्य की निंदा भी नहीं की है।' उन्होंने आगे कहा, 'नवीन पटनायक की सरकार के दौरान जब भी कोई व्यक्ति कानून से परे गया तो उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया या कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा। मगर मुझे नहीं पता कि मोहन माझी सरकार राज्यपाल के बेटे को इतनी सुरक्षा क्यों दे रही है। यह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि यहां कानून सबके लिए अलग-अलग हैं। हम तुरंत राज्यपाल के बेटे की गिरफ्तारी की मांग करते हैं। उन्हें कानून का सामना करना चाहिए।'

अपराधी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करें: कांग्रेस

वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बिजय पटनायक ने कहा, 'पार्टी मांग कर रही है कि इस मामले में राज्यपाल के बेटे के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए क्योंकि ड्यूटी के दौरान किसी व्यक्ति पर हमला करना एक गंभीर अपराध है। ऐसी लापरवाही के लिए इन्हें नहीं छोड़ा जा सकता है। इसलिए पुलिस को सक्रिय होना होगा और अपराधी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करना होगा।' उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस पार्टी की मांग है। हमारी युवा कांग्रेस राज्यपाल के बेटे की गिरफ्तारी की मांग कर रही है। पुलिस ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और हम मांग करते हैं कि कार्रवाई तुरंत की जानी चाहिए। अन्यथा कार्रवाई करने का पूरा उद्देश्य ही खत्म हो जाएगा।

यह है पूरा मामला

ओडिशा राजभवन में तैनात 47 वर्षीय बैकुंठ प्रधान हाउसहोल्ड सेक्शन में सहायक अनुभाग अधिकारी के पद तैनात है। बता दें कि प्रधान की पत्नी सयोज ने आरोप लगाया था कि सात जुलाई को पुरी स्थित राजभवन में दास के बेटे ललित कुमार और उनके पांच साथियों ने उनके साथ मारपीट की थी। उन्होंने कहा था, 'सात जून की रात को राज्यपाल के बेटे ने मेरे पति को अपने कमरे में बुलाया और उन्हें बुरी तरह पीटा। वह खुद को बचाने के लिए बाहर आए, लेकिन दो लोगों ने उन्हें घसीटकर पीटा। वह बुरी तरह घायल हैं। उन्हें इसलिए पीटा गया क्योंकि उन्हें (राज्यपाल के बेटे को) स्टेशन से लेने के लिए एक लग्जरी कार चाहिए थी, लेकिन उस दौरान राष्ट्रपति के दौरे के कारण कई गाड़ियां ड्यूटी पर थीं। मेरे पति ने एक मारुति सुजुकी कार भेजी, जो उपलब्ध थी।

उन्हें वीआईपी ट्रीटमेंट नहीं मिला, इसलिए उन्होंने मेरे पति को पीटा। मेरे पति राज्यपाल से भी मिले, लेकिन उन्होंने अच्छा जवाब नहीं दिया। हमने पुरी बीच पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। हम चाहते हैं कि आरोपियों को सजा मिले और हमें न्याय मिले। हालांकि, इस मामले के सामने आने के बाद पुरी राजभवन के अधिकारी बैकुंठ प्रधान का तबादला गृह विभाग में कर दिया गया। एक आधिकारिक आदेश में कहा गया, संसदीय कार्य विभाग में सहायक अनुभाग अधिकारी एवं वर्तमान में राज्यपाल सचिवालय में तैनात प्रधान को तत्काल प्रभाव से गृह विभाग में स्थानांतरित और तैनात किया जाता है।

मेट्रो और निजी कंपनियों में नौकरी के नाम पर 2000 को ठगा, सात गिरफ्तार

नोएडा, 17 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली मेट्रो से लेकर निजी कंपनियों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 2000 से अधिक युवक-युवतियों को ठगने वाले गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। कोतवाली सेक्टर-49 पुलिस की टीम ने गिरोह के सरगना समेत सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें चार युवतियां शामिल हैं। युवतियों को थाने से जमानत दे दी गई, जबकि सरगना समेत तीन आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। आरोपी यूट्यूब चैनल व सोशल साइट पर विज्ञापन देकर ठगते थे। डीसीपी रामबदन सिंह ने बताया कि कुछ समय से शिकायतें सामने आ रही थीं। युवकों ने शिकायत की थी कि नौकरी के नाम पर रजिस्ट्रेशन फीस, सिक्योरिटी मनी और फाइल चार्ज के रूप में रकम लेकर ठगी की जा रही है। मामले में कोतवाली सेक्टर-49 पुलिस ने सलारपुर स्थित दफ्तर से बिजनौर के बढ़ापुर निवासी वसीम अहमद उर्फ कपिल भाटी उर्फ पीयूष भाटी, इकोटेक थर्ड थानाक्षेत्र के हबीबपुर गांव निवासी रोहित चंदेला उर्फ राहुल भाटी और सूरजपुर थानाक्षेत्र के मलकपुर निवासी रोहित कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

पंजाब में गवर्नर ही रहेंगे यूनिवर्सिटीज के चांसलर

राष्ट्रपति ने यूनिवर्सिटी कानून संशोधन बिल को नहीं दी मंजूरी

चंडीगढ़, 17 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार को राष्ट्रपति से झटका लगा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पंजाब यूनिवर्सिटी कानून संशोधन बिल 2023 को खारिज कर दिया। पहले की तरह पंजाब के गवर्नर ही यूनिवर्सिटीज के चांसलर रहेंगे।

गवर्नर ने बिल को मंजूरी नहीं दी थी। जिसके बाद सरकार सुप्रीम कोर्ट चल गई। इसके बाद गवर्नर ने बिल राष्ट्रपति को भेज दिया। हालांकि अब राष्ट्रपति ने इसे खारिज कर दिया। बिल के तहत राज्य की 12 स्टेट यूनिवर्सिटी के चांसलर की शक्ति गवर्नर से लेकर मुख्यमंत्री को दी थी। फिलहाल सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

गवर्नर ने सत्र को गैर कानूनी बताया

पंजाब सरकार ने 20-21 जून 2023 में विधानसभा का स्पेशल सेशन बुलाया था। राजभवन की तरफ से राज्य सरकार को लेटर भेजा गया था। जिसमें बुलाए गए सत्र को गैरकानूनी बताया था। साथ ही इसके अधीन पास किए जाने वाले कामकाज को शून्य की श्रेणी में रखने की जानकारी दी गई। गवर्नर के लेटर के बाद भी सरकार ने सेशन बुलाया। सेशन में 4 बिलों के साथ पंजाब यूनिवर्सिटी संशोधन बिल 2023 भी सर्वसम्मति से पास किया गया। सरकार इस बिल के जरिए सरकारी यूनिवर्सिटी की पावर गवर्नर से लेकर मुख्यमंत्री को देना चाहती है। इसके बाद सरकार ने बिल पास कराने के लिए गवर्नर को भेज दिए थे। करीब 5 महीने गवर्नर की तरफ से राज्य सरकार के बिलों को पेंडिंग रखा गया।

20 लाख रुपये, मकान और अच्छी शिक्षा, भोपाल में धर्म बदलने के लिए दिया जा रहा लालच, 3 महिलाएं गिरफ्तार

भोपाल, 17 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के पिपलानी क्षेत्र में स्थित आनंद नगर में महिलाओं की ओर से धर्म बदलने का प्रचार किया जा रहा था। इन महिलाओं की ओर से अन्य महिलाओं को 20 लाख रुपये नगद और बच्चों की पढ़ाई के खर्च का लालच दिया जा रहा था। इस बीच मौके पर पहुंची पुलिस ने तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है, जबकि दो फरार हो गई हैं। पुलिस ने इनके खिलाफ धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। दरअसल, बजरंग दल कार्यकर्ता धनवीर सिंह ठाकुर कोकता इलाके में रहते हैं। वह आनंद नगर में अपने दोस्तों से मिलने गए थे, इस दौरान कुछ महिलाएं इलाके में पर्चे बांट रही थी, तभी वह भी भीड़ में खड़े गए। इसके बाद इन महिलाओं ने धनवीर सिंह से धर्म के बारे में पूछा और पर्चा थमाते हुए कहा कि यदि आप हमारा धर्म अपना लेते हो तो आपको 20 लाख रुपये दिए जाएंगे। साथ ही आपके बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी उठाया जाएगा।

इसके बाद धनवीर सिंह ने पिपलानी पुलिस को शिकायत की, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि महिलाएं धार्मिक पर्चे बांट रही थीं। पुलिस ने मौके से तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया, जबकि दो महिलाएं फरार हो गईं। पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत केज दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपियों में मेरी वस्तवाल, मेरी मसीहा, सुमन मसीहा शामिल हैं।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार महिलाओं में एक नर्मदापुरम और दो भोपाल की रहने वाली हैं। पुलिस ने इनके पास से पर्चे, डायरी और बुक जब्त की है। थाना प्रभारी संतोष रघुवंशी ने बताया कि 14 जुलाई की शाम को धनवीर सिंह अपने दो साथियों के साथ आनंद नगर चौकी पर आए। उन्होंने बताया कि तीन महिलाएं और दो पुरुष मिलकर शिव नगर में ईसाई धर्म का प्रचार कर रहे हैं। हिंदुओं को अपने धर्म में शामिल होने के लिए बच्चों को अच्छी शिक्षा और नकदी का प्रलोभन दे रहे हैं।

आरएसएस से सीखना होगा, उसकी तरह विचारों को जन-जन तक पहुंचाएं,' दिग्विजय ने युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को दी नसीहत

भोपाल, 17 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने अपने एक बयान से लोगों को चौंका दिया है।कांग्रेस के दिग्गज नेता आंदोलनकारी युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा कि वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से सीखें कि संदेश को प्रभावी ढंग से कैसे पहुंचाया जाए और संगठन के विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। दिग्विजय सिंह जबलपुर में कथित नर्सिंग कॉलेज घोटाले और नीट पेपर लीक के खिलाफ युवा कांग्रेस द्वारा आयोजित धरने को संबोधित कर रहे थे। दिग्विजय सिंह ने कहा, 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से सीखें, हालांकि हम उनके कट्टर विरोधी हैं। वे दिमागी खेल खेलते हैं।

वे कभी विरोध नहीं करेंगे, कभी प्रदर्शन नहीं करेंगे, कभी पिटाई नहीं करेंगे और कभी जेल नहीं जाएंगे, बल्कि वे हमें जेल भेज देंगे। दिग्विजयसिंह ने कहा कि जमीनी स्तर पर संगठनात्मक नेटवर्क के अभाव में विरोध प्रदर्शन प्रभावी साबित नहीं होगा। उन्होंने बूथ से लेकर जिले तक तीन स्तरों पर आंदोलन करने का सुझाव भी दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा 'आरएसएस आमतौर पर तीन चीजों पर ध्यान देता है। पर्चे बांटना, चर्चा करना और अंत में आंदोलन पर होने वाला खर्च। यदि आप उनसे लड़ना चाहते हैं, तो उन्हें उनके ही खेल में हराएं, शारीरिक रूप से नहीं बल्कि दिमाग से। दिग्विजय सिंहने ने कहा कि आरएसएस के तौर-तरीकों और दुष्प्रचार को समझकर उसका प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सकता है। बाद में मीडिया कर्मियों से बात करते हुए, दिग्विजय सिंह ने राज्य चुनावों में कांग्रेस पार्टी के प्रदर्शन पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी वर्तमान में झटके के पीछे के कारणों का विश्लेषण कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ने दावा किया था कि वह लोकसभा चुनाव में 400 सीटों पर जीत दर्ज करेगी, लेकिन उसे 250 सीटें भी नहीं मिल पाईं और उन्होंने भाजपा के बहुमत के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के समर्थन को जिम्मेदार ठहराया।

इसके अलावा, दिग्विजय सिंह ने नीट पेपर लीक घोटाले के लिए राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के तत्कालीन अध्यक्ष प्रदीप कुमार जोशी की आलोचना की और सवाल उठाया कि परीक्षा रद्द क्यों नहीं की गई। इसके अलावा उन्होंने राज्य सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के विभिन्न आरोप लगाए हैं।

मुंबई में जॉब के लिए जुटी हजारों की भीड़ तो भड़क उठे संजय निरुपम

मुंबई, 17 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई में विमानन कंपनी एयर इंडिया ने एयरपोर्ट लोडर की भर्ती के लिए वॉक-इन इंटरव्यू का आयोजन किया, लेकिन इस इंटरव्यू में हजारों की संख्या में युवा पहुंच गए, जिस वजह से भगदड़ की स्थिति पैदा हो गई और लोग एक-दूसरे को धक्का देकर आगे बढ़ते दिखे। इससे जुड़ा वीडियो सामने आने के बाद शिंदे गुट की शिवसेना के नेता संजय निरुपम (ने एयर इंडिया की कार्यप्रणाली पर सवाल तो उठाए ही हैं। साथ ही सरकार से भी हस्तक्षेप की मांग की है। संजय निरुपम ने बुधवार को 'एक्स' पर लिखा, "देश में गरीबी भी है,बेरोजगारी भी। यह हमेशा से रही है। कभी कम,कभी ज्यादा। एयर इंडिया ने कोई 2000 पदों की भर्ती के लिए वॉक इन इंटरव्यू की घोषणा की तो करीब 25000 नौजवान पहुंच गए। यह सांताक्रुज, कलीना स्थित एयर इंडिया के बाहर का दृश्य है।" निरुपम ने आगे लिखा, "यह दृश्य आज सुबह का है। अगर भगदड़ मच गई और कुछ बुरा हो गया तो कौन जिम्मेदार है ? टाटा, एयर इंडिया के नए मालिक।वॉक इन इंटरव्यू के नाम पर तमाशा करने से पहले इन कंपनियों को सोचना पड़ेगा। सरकार को भी दखल देनी चाहिए।

वरना कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।" ऐसा बताया जा रहा है कि एयरपोर्ट लोडर के 600 पदों पर भर्ती होनी थी, लेकिन यहां 25 हजार से ज्यादा युवक पहुंच गए। भीड़ को नियंत्रित करने में एयर इंडिया के कर्मचारियों को पसीने छूट गए। जिस पद के लिए बहाली निकली है, उसमें नियुक्ति पर 20 से 25 हजार रुपये प्रति महीने वेतन दिया जाता है।

भाजपा का आरोप- पं बंगाल में लाखों हिंदू नहीं दे पाए थे वोट ! बड़े आंदोलन की तैयारी में पार्टी

कोलकाता, 17 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में इस बार भाजपा को पश्चिम बंगाल में करारी हार का सामना करना पड़ा था। पार्टी केवल 12 सीटों पर सिमट गई थी जबकि उसके नेता दावा कर रहे थे कि इस बार वे पं बंगाल में कम से कम 30 सीटों पर जीत दर्ज करेंगे। उसके मत प्रतिशत में भी लगभग दो प्रतिशत की कमी आई थी। भाजपा का आरोप है कि बंगाल में इस बार के लोकसभा चुनाव में लाखों हिंदू मतदाताओं को वोट करने से रोक दिया गया था जिसके कारण उसकी करारी हार हुई। हाल ही में हुए रायगंज के उपचुनाव में भी पार्टी ने आरोप लगाया है कि एक धर्म विशेष के अधिकारियों की ड्यूटी लगाकर भाजपा को हराने की साजिश रची गई। पार्टी ऐसे मतदाताओं का नाम और पता जानने की कोशिश कर रही है, जिन्हें लोकसभा चुनाव में वोट नहीं करने दिया गया।

पश्चिम बंगाल भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने एक वेबसाइट लॉन्च करते हुए लोगों से अपील की है कि जिन लोगों को मतदान करने से रोक दिया गया था, वे इस पर अपना नाम-पता दर्ज कराएं। प। बंगाल में राजनीतिक हिंसा का माहौल देखते हुए ऐसे लोगों को उनका नाम-पता गुप्त रखने का आश्वासन भी दिया गया है। भाजपा पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ एक बड़े जन आंदोलन की तैयारी कर रही है। भाजपा की पूर्व सांसद और पश्चिम बंगाल में पार्टी की महासचिव लॉकेट चटर्जी ने अमर उजाला से कहा कि अभी हम ठीक-ठीक यह नहीं जानते कि ऐसे कितने लोगों को वोट डालने से रोका गया है, रायगंज में हुई घटना को देखकर हमारा अनुमान है कि यह संख्या लाखों में हो सकती है। लेकिन हम लगातार यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ऐसे मतदाताओं की असली संख्या कितनी है। लोग सामने आकर अपने मताधिकार के हनन की जानकारी दे रहे हैं।

लॉकेट चटर्जी ने कहा कि जैसे ही इन मतदाताओं की पूरी जानकारी हमें मिल जाएगी जिन्हें वोट नहीं दिया गया, हम चुनाव आयोग और अदालतों के माध्यम से इसका हल खोजने की कोशिश करेंगे। लॉकेट चटर्जी ने आरोप लगाया कि चुनावी बाद हिंसा के मामले में अभी भी लोगों को डराया धमकाया जा रहा है। अनेकों लोगों की जान जा चुकी है और ऐसी घटनाओं पर अब भी कोई रोक नहीं लग पाई है। हम देश की अदालत से इस बात का अनुरोध करते हैं कि वह इस परिस्थिति का संज्ञान लें और लोगों की जान बचाने के लिए राज्य सरकार को उचित आदेश दें।

सुबह के वक्त टहल रहीं महिला से बाइक सवार बदमाशों ने सोने के कुंडल लूटे

गाजियाबाद, 17 जुलाई (एजेंसियां)। गाजियाबाद के इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के अभयखंड स्थित वरदान सोसायटी में बुधवार सुबह करीब 6:15 बजे टहल रहीं महिला से बाइक सवार बदमाशों ने सोने के कुंडल लूट लिए। सीसीटीवी फुटेज में एक बदमाश कुंडल लूटकर भागता नजर आया जबकि उसका दूसरा साथी बाइक लेकर सोसायटी के गेट पर इंतजार कर रहा था। बदमाश ने महिला के कानों पर तेजी से झपट्टा मारकर कुंडल लूट लिए। महिला ने खून बहने पर शोर मचाया और लोगों से बदमाशों को पकड़ने के लिए लेकिन दोनों तेजी से भागने में कामयाब रहे। सूचना पर इंदिरापुरम पुलिस पहुंच गई। टीम सीसीटीवी फुटेज से बदमाशों की पहचान के लिए सुराग जुटा रही है। दिन दहाड़े लूट होने से महिला अभी घबराई हुई हैं। पुलिस उनसे बदमाशों का हुलिया पता कर रही है।

एमपी में मंत्री पद की दौड़ में कमलेश प्रताप शाह शामिल? सीएम मोहन यादव का आया बयान

छिंदवाड़ा, 17 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा में उपचुनाव जीतने के बाद कमलेश प्रताप शाह को डॉक्टर मोहन यादव मंत्रिमंडल में शामिल करने की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। इस बीच मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने अपने बयान से इस हलचल को दो साल के लिए शांत कर दिया है। सीएम मोहन का कहना है कि सरकार पांच साल के लिए है और अभी दो साल सिर्फ छिंदवाड़ा के विकास पर फोकस किया जाएगा। अमरवाड़ा उपचुनाव में जीत के बाद जनता का आभार जताने और कई योजनाओं के भूमि पूजन और लोकार्पण के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव मंगलवार को अमरवाड़ा पहुंचे थे। उन्होंने अमरवाड़ा में कृषि मंडी, व्यापार और आम लोगों की सुविधा से जुड़े कई कार्यों का भूमि पूजन और लोकार्पण किया। मोहन यादव ने इस मौके पर जनता को संबोधित करते हुए कहा कि बीजेपी के विधायक कमलेश प्रताप शाह ने कई बातें उनके सामने रखी है, जिसे वह धीरे-धीरे पूरा करने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने 128 करोड़ के नए कार्यों का भूमि पूजन और लोकार्पण किया।

इस दौरान उन्होंने कमलेश प्रताप शाह को मंत्री बनाने के सवाल पर भी सटीक जवाब दिया। मोहन यादव ने कहा कि सरकार पांच साल के लिए है, अभी दो साल तक सिर्फ अमरवाड़ा और छिंदवाड़ा का विकास करना है। इसके बाद सभी अन्य बातों पर विचार किया जाएगा। कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए छह बार के विधायक रामनिवास रावत को हाल ही में डॉक्टर मोहन यादव सरकार में मंत्री बनाया गया है। ऐसे में उनके मंत्री पद की शपथ लेने के बाद ही कमलेश्वर प्रताप शाह के भी चुनाव जीतने के बाद मंत्री बनने की संभावना जताई जा रही थी। मुख्यमंत्री मोहन यादव के मंत्रिमंडल में फिलहाल तीन मंत्रियों की जगह खाली है। वह अपने मंत्रिमंडल में 34 मंत्री रख सकते हैं,

जबकि रामनिवास रावत को मिलाकर उनका मंत्रिमंडल 31 मंत्रियों का ही है। मुख्यमंत्री के बयान के बाद कमलेश प्रताप शाह का फिलहाल मंत्री बनना टल गया है। कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए विधायक रामनिवास रावत को कैबिनेट मंत्री की शपथ दिलाई जाने के बाद कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सरकार पर कटाक्ष किया था। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस के विधायक को मोहन यादव सरकार में मंत्री बना दिया गया है।

कौन है अर्जुन सिंह के जमाने की वो कांग्रेस नेता जिनसे हुई अलका लांबा की भिड़ंत, जूते तक बात आई

भोपाल, 17 जुलाई (एजेंसियां)। मंगलवार को मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की बैठक में जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा और प्रदेश महामंत्री मधु शर्मा में तीखी बहस हुई। घटना को लेकर कांग्रेस नेता मधु शर्मा का कहना है कि कांग्रेस दफ्तर में एमपी की महिला कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठक में उन्हें बुलाया गया था, लेकिन पदाधिकारियों की लिस्ट में उनका नाम नहीं था। मधु शर्मा का कहना है कि उन्होंने इसे लेकर अलका लांबा से सवाल किया कि महासचिवों की लिस्ट में हमारा नाम क्यों नहीं है, हम लोगों की नियुक्ति फर्जी है क्या? जिसके बाद अलका लांबा ने उनके साथ बदसलूकी की और जूते से मारने तक की धमकी दे डाली। अपने बारे में बताते हुए मधु शर्मा कहती हैं कि वो करीब 40 साल से राजनीति में सक्रिय हैं।

दिग्गज नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन सिंह के जमाने से वो कांग्रेस के लिए काम कर रहीं हैं। मधु शर्मा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, पूर्व जिला पंचायत सदस्य और पूर्व पार्षद भी रह चुकी हैं। घटना को लेकर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बताया कि वो लोकसभा चुनाव में सिंगरौली जिले की प्रभारी भी रह चुकी हैं। मधु शर्मा ने बीएड, एमए और एलएलबी की पढ़ाई की है और सिंगरौली में वह वकालत भी करती हैं।

चेन्नई एयरपोर्ट का वह खास इलाका, ना लागू होता है भारतीय कानून, ना है कोई जांच की झंझट, मजे से हो रही सोना तस्करी

चेन्नई, 17 जुलाई (एजेंसियां)। एयरपोर्ट पर एक ऐसा भी इलाका है, जहां पर ना ही भारतीय कानून लागू होता है और ना ही जांच का कोई झंझट है। सोना तस्करों की पूरी कोशिश होती है कि वह इसी इलाके में अपने मंसूबों को अंजाम देकर आगे बढ़ जाएं। इस इलाके में वह पकड़े भी गए तो उन्हें गिरफ्तारी का कोई डर नहीं होता है। चेन्नई एयरपोर्ट के इस इलाके को सुरक्षित करना कस्टम सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। दरअसल, हम जिस खास इलाके की बात कर रहे हैं, वह चेन्नई एयरपोर्ट का इंटरनेशनल ट्रांजिट एरिया है।

बीते दिनों, सोना तस्करी के मामलों में इमिग्रेशन अधिकारियों और टर्मिनल में स्थित दुकानों के कर्मचारियों की संलिप्तता सामने आने के बाद सीआईएसएफ इंटेलिजेंस ने एयरपोर्ट पर मौजूद उन खामियों को नए सिरे से तलाशना शुरू किया था, जिसका फायदा उठाकर सोना तस्कर अपने मंसूबों को पूरा करने में लगे हुए हैं।

सामने आया ट्रांजिट एरिया से ऑपरेट होने वाला सिंडिकेट

इसी कवायद के दौरान, सीआईएसएफ इंटेलिजेंस का ध्यान उन मामलों पर भी गया, जिसमें इंटरनेशनल ट्रांजिट एरिया में तस्करी के इरादे से लाया गया सोना एयरपोर्ट स्टाफ को हैंडओवर किया गया था। इस दौरान, यह बात भी सामने आई कि ट्रांजिट एरिया के रास्ते सोना तस्करी करने वाले ज्यादातर तस्कर श्रीलंका मूल के हैं। श्रीलंका मूल के ये तस्कर सोने को दुबई से लेकर चेन्नई आते हैं और चेन्नई से श्रीलंका के लिए रवाना हो जाते हैं। चेन्नई एयरपोर्ट पर ट्रांजिट के दौरान, उनकी कोशिश होती है कि वह तस्करी के इरादे से लाए गए सोने को एयरपोर्ट स्टाफ को सौंप कर खुद कोलंबो चले जाते हैं। वहीं, एयरपोर्ट स्टाफ किसी तरह इस सोना को टर्मिनल से बाहर निकालकर ले जाता है।

विदेशी तस्करों को नहीं होता है गिरफ्तारी का भी डर

एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, इंटरनेशनल ट्रांजिट एरिया में भारतीय कानून लागू नहीं होता है, लिहाजा सोना तस्करी में लिप्त विदेशी तस्करों को गिरफ्तारी का भी डर नहीं होता है। यदि किसी हालत में उन्हें जांच के दौरान पकड़ भी लिया गया तो यह कहकर बच जाते हैं कि उनका फाइनल डेस्टिनेशनल कोलंबो है, वह वहीं जाकर अपनी ड्यूटी का भुगतान करेंगे। कानून भारतीय सुरक्षा एजेंसियों और कस्टम को इन ट्रांजिट पैसेंजर के खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई का अधिकार नहीं है। लिहाजा, ये विदेशी तस्कर बेखौफ होकर सोना तस्करी की वारदात को अंजाम देने में लगे रहे हैं। हालांकि, इन विदेशी तस्करों द्वारा लाया गया सोना भारतीय सीमा में दाखिल न हो पाए, इसके लिए सीआईएसएफ सहित विभिन्न एजेंसियों ने व्यापक स्तर पर कवायद शुरू कर दी है।

सीआईएसएफ ने शुरू की कैमरे से निगरानी की कवायद

ट्रांजिट एरिया में चल रहे इस सिंडिकेट के खुलासे के बाद सीआईएसएफ ने नए सिरे से सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने की कवायद शुरू कर दी है। इस कवायद के तहत, ट्रांजिट एरिया में उन सभी इलाकों की पहचान की गई है, जो सीसीटीवी कैमरों की जद में नहीं आते हैं। सीआईएसएफ ने एयरपोर्ट ऑपरेटर को ट्रांजिट एरिया में करीब 250 कैमरों को इंस्टाल कर हर कोने को सीसीटीवी कैमरों की जद में लाने को कहा है।

इसके अलावा, टॉयलेट में सोना हैंडओवर करने की संभावनाओं को देखते हुए ट्रांजिट एरिया में स्थिति टॉयलेट में एयरपोर्ट स्टाफ के जाने पर रोक लगा दी गई है। अब इन टॉयलेट्स का इस्तेमाल सिर्फ यात्री ही कर कसते हैं। इसके अलावा, ट्रांजिट एरिया में तैनात एयरपोर्ट स्टाफ की ड्यूटी खत्म होने के बाद फ्रिस्किंग शुरू करने की बात चल रही है।

आरबीआई ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को किया लागू

कर्जदारों को मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। कर्जदारों को बड़ी राहत देने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लागू कर दिया है। अब डिफॉल्टर या फ्रॉड के तौर पर कर्जदार को कैटेगराइज करने से पहले अब बैंकों को उनको पक्ष रखने का मौका देना पड़ेगा। पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए ऑडिट रिपोर्ट के निष्कर्ष को कर्जदारों को समझाने का मौका दिया जाना चाहिए। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर सुप्रीम कोर्ट के कौन फैसले को आरबीआई ने लागू कर दिया है। जिससे आम लोगों या यूं कहें कि कर्जदारों को राहजत मिलेगी।

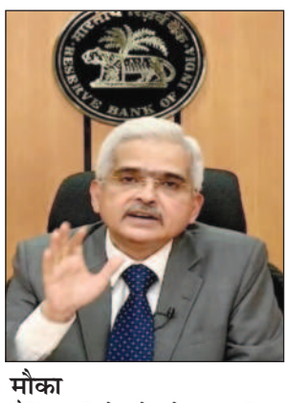

मौका

मिलना चाहिए कर्जदारों को

बैंकिंग विशेषज्ञों के मुताबिक प्राइवेट सेक्टर के बैंक 90 दिन के कूलिंग पीरियड के बाद सीधे कर्जदारों के खिलाफ बड़ी तेजी से कदम उठाते हैं। कई बार यह देखने को मिला है कि बैंकों की जल्दबाजी ज्यादती का कारण बनी। इसी वजह से देश कि सबसे बड़ी अदालत ने पिछले साल आरबीआई को को नियमों में बदलाव करने का आदेश दिया था। वॉयस ऑफ बैंकिंग संस्था के अश्विनी राणा के मुताबिक जब कोई व्यक्ति कर्ज लेने जाता है। तब बैंक उसके सभी दस्तावेज, हैसियत समेत अन्य पहलुओं पर गौर करता है। ऐसे में जब वही व्यक्ति जब कर्ज लौटाने में कुछ वक्त तक सक्षम नहीं होता तब भी एक मौका दिया जाना चाहिए कि आखिर क्या वजह है। यही सही तरीका है। उन्होंने कहा कि कई बार ऐसे मामले सामने आए हैं जब बैंक की ओर से कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी गई और बाद में संबंधित कर्जदार के खराब हालात जानकर भी बैंक अधिकारी कोई मदद नहीं कर सके।

सुप्रीम कोर्ट ने ये दिया था फैसला

बैंकिंग मामलों के विशेषज्ञ वकील श्रीकांत शुक्ला के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट का फैसला नैसर्गिक न्याय के आधार पर था। पहले बैंक कर्जदार को अगर कोई बैंक फ्रॉड या डिफॉल्टर के तौर पर कैटेगराइज कर देता था और कानूनी कार्यवाही शुरू कर देता था तो ऐसी स्थिति में कर्जदार अपना पक्ष या बचाव अदालत की दहलीज पर ही जाकर ही कर सकता था। जबकि बैंक का मुख्य मकसद दिया हुआ कर्ज वापस हासिल करना है।

ऐसे में नोटिस देने से पहले कर्जदार का पक्ष जानने में बैंकों को कोई परेशानी नहीं होगी.शुक्ला ने बताया कि देशभर में ऐसे लाखों मामले हैं, जिनमें आरबीआई को कर्जदारों ने बैंक द्वारा उठाए गए कदम को ज्यादती करार दिया था। जब मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो अदालत ने यह साफ कर दिया कि कर्जदार को एक मौका दिया जाना तो बनता है। गौरतलब है कि अब बैंकों को ऐसे मामलों में तीन सप्ताह का समक्ष कर्जदारों को पक्ष रखने के लिए देना होगा। साथ ही जवाब सुने बिना बैंक की ओर स कारण बताओ नोटिस अब नहीं जारी किया जा सकेगा।

मुहर्रम की छुट्टी के चलते शेयर बाजार बंद रहा

इक्विटी-डेरिवेटिव और एसएलबी समेत सभी सेगमेंट में कारोबार नहीं

मुंबई, 17 जुलाई (एजेंसियां)। मुहर्रम की छुट्टी के चलते आज यानी बुधवार (17 जुलाई 2024) को शेयर बाजार बंद है। ऐसे में शेयर मार्केट के दो एक्सचेंजों बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में कारोबार नहीं हुआ। इस बंद से इक्विटी, डेरिवेटिव और एसएलबी यानी सिक्योरिटी लेंडिंग एंड बॉरोइंग सहित सभी सेगमेंट प्रभावित हुए। गुरुवार, 18 जुलाई को बाजार में सामान्य कारोबार फिर से शुरू होगा। वहीं, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एमसीएक्स) का मॉर्निंग सेशन आज बंद रहा। हालांकि, यह इवनिंग सेशन के लिए शाम 5:00 बजे से 11:30 बजे या 11:55 बजे तक फिर से खुला।

मुहर्रम की छुट्टी इस साल 10वां मार्केट हॉलिडे

मुहर्रम की छुट्टी इस साल यानी 2024 का 10वां मार्केट हॉलिडे है। इसके बाद अब 15 अगस्त को इंडिपेंडेंस डे यानी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बाजार बंद रहेगा। छुट्टी के चलते बाजार बंद है, लेकिन एशियन पेंट्स लिमिटेड, एलटीआई माइंडट्री और हैथवे केबल जैसी कंपनियां अपने वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही के नतीजे जारी करेंगी।

शेयर बाजार ने कल ऑल टाइम हाई बनाया

शेयर बाजार ने कल यानी16 जुलाई को ऑल टाइम हाई बनाया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 80,898 और निफ्टी ने 24,661 का हाई बनाया था। इसके बाद बाजार थोड़ा नीचे आया और सेंसेक्स 51 अंक की तेजी के साथ 80,716 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 26 अंक की तेजी रही, ये 24,613 के स्तर पर बंद हुआ।

सेमीकंडक्टर प्लांट के लिए टाटा ग्रुप और असम सरकार में एग्रीमेंट

30 हजार जॉब पैदा होंगे

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप ने अपने सेमीकंडक्टर प्लांट पर काम शुरू कर दिया हैकंपनी ने सेमीकंडक्टर प्लांट के लिए असम सरकार के साथ 60 साल के लीज एग्रीमेंट पर समझौता कर लिया है। यह प्लांट मोरीगांव जिले के जागीरोड में बनने वाला है। इस प्लांट पर टाटा ग्रुप लगभग 27000 करोड़ रुपये का इनवेस्टमेंट करने वाला है। इससे असम में लगभग 30000 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। असम समेत पूर्वोत्तर के राज्यों के लिए यह प्लांट कई बड़े अवसर लेकर आने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा ग्रुप के बोर्ड मेंबर रंजन बंदोपाध्याय और असम इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन मैनेजर एवं प्रोजेक्ट इंचार्ज धीरज पेगु ने सब रजिस्ट्रार ऑफिस में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर देवाशीष शर्मा और टाटा ग्रुप के अन्य अधिकारी कणिनिका ठाकुर, आशीष मिश्रा और अविनाश धाबड़े भी मौजूद थे। टाटा ग्रुप ने सेमीकंडक्टर सेक्टर में भारत को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए बड़ी योजना बनाई हुई है। असम में बनने जा रहा यह प्लांट उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस प्लांट पर 27 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिससे लगभग 30 हजार जॉब्स पैदा होने की उम्मीद है।यह प्लांट जिस जगह पर बनेगा, वहां पहले हिंदुस्तान पेपर कॉर्पोरेशन लिमिटेड का प्लांट था। इस प्लांट का पहला चरण साल 2025 के मध्य तक शुरू हो जाएगा। टाटा ग्रुप ने कहा कि यह प्लांट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , इंडस्ट्रियल और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स की डिमांड को पूरा करने में अहम रोल अदा करेगा। इस प्लांट के जरिए टाटा ग्रुप वायर बॉन्ड, फ्लिप चिप और इंटीग्रेटेड सिस्टम्स पैकेजिंग टेक्नोलॉजीस पर काम करेगा।असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने कहा था कि सेमीकंडक्टर प्लांट के नजदीक ही टाटा ग्रुप स्किल डेवलपमेंट सेंटर भी खोलेगा। इस सेंटर के जरिए नॉर्थ ईस्ट के युवा एआई, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर के लिए खुद को तैयार कर सकेंगे।

कानून बनते ही एलन मस्क,छोड़ेंगे कैलीफोर्निया

वॉशिंगटन, 17 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क ने कैलिफोर्निया छोड़ने का फैसला ले लिया है। खास बात तो ये है कि यहां स्पेसएक्स और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के हेडक्वार्टर भी शिफ्ट हो जाएंगे। वास्तव में कैलिफोर्निया में बने एक कानून की वजह से इस शहर को छोड़ने का मन बनाया है। इस कानून को लेकर मस्क ने कैलिफोर्निया के गर्वनर को एक साल पहले ही स्पष्ट कर दिया था। अगर ये कानून आता है तो कंपनियां और परिवार ये शहर छोड़ने पर मजबूर हो जाएंगे। उसके बाद भी शहर के प्रशासन ने कानून को पास कर दिया। एलन मस्क के इस फैसले से कैलिफोर्निया शहर को काफी नुकसान हो सकता है। खास बात स्पेसएक्स की वजह से कैलिफोर्निया शहर को स्पेस इकोनॉमी डेवलप करने में काफी मदद मिल रही थी। उद्योगपति एलन मस्क ने कहा कि वह स्पेसएक्स तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स का हेडक्वार्टर कैलिफोर्निया से टेक्सास ट्रांसफर कर रहे हैं। मस्क ने मंगलवार को एक्स (पूर्व नाम ट्विटर) पर लिखा कि वह स्पेसएक्स को कैलिफोर्निया के हॉथोर्न से टेक्सास के स्टारबेस ले जाने की योजना बना रहे हैं। एक्स को सैन फ्रांसिस्को से ऑस्टिन शिफ्ट किया जाएगा।

इस कानून की वजह से लिया फैसला

कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने सोमवार को एक नए कानून पर हस्ताक्षर किए जिसके बाद मस्क ने यह फैसला किया है। यह नया कानून जिला स्कूलों के कर्मचारियों को बच्चों की लैंगिक पहचान बदलने के बारे में उनके माता-पिता को जानकारी देने की आवश्यकता पर रोक लगाता है। मस्क ने लिखा कि मैंने करीब एक वर्ष पहले गवर्नर न्यूसम को स्पष्ट कर दिया था कि इस प्रकार के कानून कंपनियों तथा परिवारों को अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए कैलिफोर्निया छोड़ने के लिए मजबूर करेंगे। वाहन विनिर्माता कंपनी टेस्ला का कॉर्पोरेट मुख्यालय भी 2021 में कैलिफोर्निया के पालो ऑल्टो से ऑस्टिन ट्रांसफर कर दिया गया था। मस्क टेस्ला के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हैं। उद्योगपति ने कहा कि उन्होंने अपना आवास भी कैलिफोर्निया से टेक्सास शिफ्ट ट्रांसफर कर लिया है, जहां कोई राज्य व्यक्तिगत आयकर नहीं है। एलन मस्क मौजूदा समय में दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी हैं।

ऑयल और गैस सेक्टर में पैसा बनाने का मौका

कल ही बंद हो रहा है इस म्यूचुअल फंड का एनएफओ

मुंबई, 17 जुलाई (एजेंसियां)। इस समय ऑयल एवं गैस सेक्टर की कंपनियां बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। तभी तो निफ्टी ऑयल एंड गैस इंडेक्स ने बीते एक साल में 63 फीसदी से भी ज्यादा का रिटर्न दिया है। बीते साल 18 जुलाई को यह इंडेक्स 7084 अंक पर था जो इस साल 16 जुलाई को 13090 पर पहुंच गया। इस सेक्टर की तेजी का आप लाभ लेना चाहते हैं तो आपके लिए एक मौका है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने निफ्टी ऑयल एंड गैस इंडेक्स पर आधारित एक ईटीएफ का न्यू फंड ऑफर या एनएफओ लॉन्च किया है। इसमें आप कल यानी 18 जुलाई तक पैसे लगा सकते हैं। आईसीआई प्रुडेंशियल निफ्टी ऑयल एंड गैस ईटीएफ एनएफओ का उद्देश्य ट्रैकिंग त्रुटियों के अधीन निफ्टी ऑयल एंड गैस इंडेक्स के रिटर्न के अनुरूप रिटर्न प्रदान करना है। निफ्टी ऑयल एंड गैस इंडेक्स में तेल, गैस और पेट्रोलियम उद्योग की 15 कंपनियां शामिल हैं। इन कंपनियों को निफ्टी 500 में से उनके बाजार मूल्य के आधार पर चुना जाता है जो ट्रेडिंग के लिए स्वतंत्र रूप से उपलब्ध है। इन कंपनियों के चयन से यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी एक कंपनी का वेटेज 33% से अधिक न हो, और शीर्ष तीन कंपनियां मिलकर इंडेक्स के 62% से अधिक न हों। यह दृष्टिकोण क्षेत्र में एक अच्छी तरह से संतुलित और विविध प्रदर्शन सुनिश्चित करता है। इस प्रोडक्ट पर आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी में निवेश रणनीति के प्रमुख चिंतन हरिया का कहना है आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल निफ्टी ऑयल एंड गैस ईटीएफ को निवेशकों को एक ऐसे क्षेत्र तक पहुंच प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है और वर्तमान में इसका मूल्यांकन कम है । तेल और गैस क्षेत्र आधुनिक आर्थिक विकास की प्रेरक शक्ति है, और बढ़ती मांग और खपत के साथ, यह एक महत्वपूर्ण निवेश अवसर प्रस्तुत करता है।

दालों की कीमतों में गिरावट, खुदरा बाजार में क्यों नहीं मिली राहत

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। यह पिछले दिनों की ही बात है। सरकार ने बताया था कि दालें, खास कर अरहर या तुअर और उड़द की दाल की थोक कीमतें घटी हैं। सरकार ने बताया था कि इन दालों की कीमतों में करीब चार फीसदी की कमी हुई है। इसके साथ ही उम्मीद जताई गई थी कि अब खुदरा बाजार में भी कीमतें कम होंगी। लेकिन, रिटेल बाजार में इन दालों की कीमत घटने के बजाय बढ़ गईं। इसके बाद केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने देश के टॉप रिटेलरों के साथ बैठक की है। सरकार ने इन्हें एक तरह से चेतावनी दी है कि थोक बाजार के अनुरूप ही खुदरा बाजार में भी कीमतें कम हो।

क्या हुआ है डेवलपमेंट

केंद्रीय उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बीते दिन रिलायंस रिटेल, डी मार्ट, टाटा स्टोर्स, स्पेंसर्स, आरएसपीजी, वी मार्ट जैसे बड़े रिटेलर्स के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने रिटेलर्स को एक तरह से चेतावनी देते हुए कहा कि अगर दालों की कीमतें कम नहीं हुईं तो सख्त कार्रवाई होगी।

क्यों देनी पड़ी चेतावनी

पिछले कुछ दिनों से थोक मंडियों में तुअर, चना और उड़द जैसी प्रमुख दालों की कीमतों में मामूली गिरावट आई है। लेकिन, रिटेल बाजार में यह कमी नहीं दिख रही है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के अनुसार, पिछले एक महीने में प्रमुख मंडियों में चना, तुअर और उड़द की कीमतों में 4% तक की गिरावट आई है, लेकिन खुदरा कीमतों में समान गिरावट नहीं देखी गई है।

होगी सख्त कार्रवाई

रिटेलर्स के साथ बैठक में निधि खरे ने कहा कि अगर स्टॉक सीमा का उल्लंघन, जमाखोरी और मुनाफाखोरी करते हुए पाए गए तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मतलब कि अब सरकार की इन कमोडिटी पर कड़ी नजर रहेगी। साथ ही जमाखोरी के नियमों का भी कड़ाई से पालन किया जाएगा।

खरीफ में दलहन की हो रही अच्छी बुवाई

उपभोक्ता मामले के सचिव ने यह भी बताया कि खरीफ दलहन की बुवाई अच्छी रही है। कृषि मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, दलहन का रकबा बढ़कर 62.32 लाख हेक्टेयर हो गया है, जबकि पिछले साल यह 49.50 लाख हेक्टेयर था। दलहन में तुअर की खेती 9.66 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 28.14 लाख हेक्टेयर हो गई है।

खरे ने रिटेल उद्योग से दालों की कीमतों को उपभोक्ताओं के लिए किफायती रखने के सरकार के प्रयासों में हर संभव मदद करने को कहा।

नई दिल्ली से न्यूयॉर्क तक गोल्ड बना रहा रिकॉर्ड

जुलाई में 2700 रुपए तक हुआ महंगा

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। जियो पॉलिटिकल टेंशन और डॉलर इंडेक्स में गिरावट की वजह से गोल्ड और सिल्वर रफ्तार के घोड़े पर सवार हो गए हैं. जहां न्यूयॉर्क में गोल्ड के दाम 2,500 डॉलर प्रति ओंस के करीब पहुंच गए हैं. वहीं दूसरी ओर भारत में गोल्ड की कीमत भी रिकॉर्ड लेवल के करीब पहुंच गई हैं. अगर बात जुलाई की करें तो गोल्ड की कीमत में करीब 2700 रुपए का इजाफा देखने को मिल चुका है. वहीं दूसरी ओर चांदी की कीमत में 4400 रुपए से ज्यादा की बढ़ोतरी हो चुकी है.खास बात तो ये है न्यूयॉर्क से लेकर नई दिल्ली तक चांदी ने निवेशकों को गोल्ड से ज्यादा कमाई कराई है. सिल्वर ने इस दौरान 5 से 6 फीसदी तक का रिटर्न दे दिया है. जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में विदेशी बाजारों से लेकर लोकल मार्केट तक गोल्ड और सिल्वर कीमत में इजाफा देखने को मिलेगा. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर लोकल मार्केट से लेकर इंटरनेशनल मार्केट में गोल्ड और सिल्वर की कीमत में किस तरह से इजाफा देखने को मिला है.

भारत में गोल्ड और सिल्वर में रफ्तार

जुलाई के महीने में गोल्ड और सिल्वर की कीमत में एमसीएक्स पर साड़े तीन फीसदी से लेकर 5 फीसदी तक का इजाफा देखने को मिला है. 28 जून को गोल्ड के दाम 71,582 रुपए देखने को मिले, जो कि 16 जुलाई को 74,273 रुपए प्रति दस ग्राम पर आ गए.इसका मतलब है कि गोल्ड की कीमत में इस दौरान 3.76 फीसदी यानी 2,691 रुपए का इजाफा देखने को मिला है. दूसरी ओर एमसीएक्स पर चांदी के दाम 28 जून को 89,540 रुपए प्रति किलोग्राम थे. जो 16 जुलाई को बढ़कर 93,960 रुपए हो गए.इस दौरान चांदी की कीमत में 5 फीसदी यानी 4,420 रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी देखने को मिल चुकी है.

न्यूयॉर्क में गोल्ड और सिल्वर बना रहा रिकॉर्ड

गोल्ड और सिल्वर फ्यूचर की कीमत में भारत के मुकाबले ज्यादा इजाफा हुआ है. दोनों में 6 फीसदी तक की तेजी देखने को मिली है. 28 जून को गोल्ड फ्यूचर की कीमत 2,339 डॉलर प्रति ओंस थी, जो 17 जुलाई को बढ़कर 2,477 डॉलर प्रति ओंस पर आ गई. इसका मतलब है कि गोल्ड फ्यूचर के दाम में 5.90 फीसदी यानी 138 रुपए प्रति ओंस का इजाफा देखने को मिल चुका है. अगर बात गोल्ड स्पॉट की करें तो न्यूयॉर्क के मार्केट में 28 को जून को 2,326.75 डॉलर प्रति ओंस पर थे, जो 17 जुलाई को बढ़कर 2,471.28 डॉलर प्रति ओंस पर आ गए. इसका मतलब है कि गोल्ड स्पॉट की कीमत जुलाई के महीने में 6.21 फीसदी यानी 144.53 डॉलर प्रति ओंस का इजाफा देखने को मिल चुका है. न्यूयॉर्क के फ्यूचर मार्केट में सिल्वर की कीमत 28 जून को 29.56 डॉलर थी, जिसमें अब तक 5.9 फीसदी की तेजी देखने को मिल चुकी है और 17 जुलाई को दाम 31.31 डॉलर प्रति ओंस पर आ गए हैं. सिल्वर स्पॉट के दाम 28 जून को 29.14 डॉलर प्रति ओंस पर थे. जिसमें अब तक 6.65 फीसदी का इजाफा देखने को मिल चुका है और 17 जुलाई को दाम 31.08 डॉलर प्रति ओंस पर आ गए हैं.

फेसबुक और इंस्टाग्राम पर बिजनेस हुआ अब आसान

लॉन्च हुए 21,000 रुपये तक के प्लान

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। फेसबुक और इंस्टाग्राम पर बिजनेस चलाने के लिए अब आप पैसे खर्च करके ज्यादा सुविधाएं हासिल कर सकते हैं। मेटा प्लेटफॉर्म्स ने भारत के कारोबारियों को सपोर्ट करने के लिए सब्सक्रिप्शन प्लान लॉन्च किए हैं। बिजनेस के लिए मेटा वेरिफाइड प्लान 639 रुपये मासिक से शुरू होकर 21,000 रुपये तक के हैं। कंपनी के अनुसार, इन प्लान पर फिलहाल डिस्काउंट दिया जा रहा है। ये प्लान आपके बिजनेस को आगे बढ़ाने में काफी काम आ सकते हैं।

मेटा वेरिफाइड के तहत आए 4 बिजनेस प्लान

कंपनी ने पिछले साल बिजनेस के लिए मेटा वेरिफाइड की शुरुआत की थी। इस पायलट प्रोजेक्ट के जरिए कंपनी जानना चाहती थी कि फेसबुक और इंस्टाग्राम पर लोग कैसे अपना बिजनेस बढ़ा सकते हैं। साल 2024 की शुरुआत में मेटा ने 4 सब्सक्रिप्शन प्लान लाने की घोषणा की थी। अब यह मेटा वेरिफाइड प्लान सभी कस्टमर के लिए उपलब्ध करा दिए गए हैं। इन नए प्लान में आपको फेसबुक और इंस्टाग्राम पर अकाउंट सपोर्ट समेत बिजनेस के नए अवसर भी उपलब्ध कराए जाएंगे. कंपनी ने ये सब्सक्रिप्शन प्लान मार्केट से मिले फीडबैक के आधार पर तैयार किए हैं। कारोबारियों ने मेटा से कहा था कि वेरिफाइड होने से उन्हें कस्टमर का भरोसा हासिल होता है। लोग उनसे ज्यादा से ज्यादा संख्या में जुड़ने लगते हैं। ज्यादातर बिजनेसमैन ने कस्टमर के भरोसे को ही मेटा वेरिफाइड का सबसे बड़ा फायदा बताया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	मे	कर्क-	05-47 बजे
चंद्र-	वृश्चिक	मे	सिंह-	08-00 बजे
मंगल	वृष	मे	कन्या-	10-06 बजे
बुध-	कर्क	मे	तुला-	12-12 बजे
गुरु-	वृष	मे	वृश्चिक-	14-21 बजे
शुक्र-	कर्क	मे	धनु-	16-35 बजे
शनि-	कुंभ.	मे	कुंभ-	18-41 बजे
राहु-	मीन	मे	मीन-	20-32 बजे
केतु-	कन्या	मे	मेष---	22-10 बजे
			वृष--	23-46 बजे
			मिथुन-	01-31 बजे
				03-31 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-54 सूर्यास्त. - 18-50
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी 20-44 तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - आषाढ़ शुक्ल ,गुरुवार 18 July
नक्षत्र - ज्येष्ठा 03-25 तक उपरान्त मूल
योग - शुक्ल 06-12 तक उप ब्रह्म
करण- बव 08-59 तक उप बालव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - श्री विष्णु शयनोत्सव

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 13:59 से 15:37 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05:54 - 07:30 शुभ	अमृत	18:50 - 20:15 शुभ
रोग	07:30 - 09:07 अशुभ	चंचल	20:15 - 21:37 शुभ
उत्पात	09:07 - 10:45 अशुभ	रोग	21:37 - 22:59 अशुभ
चंचल	10:45 - 12:22 शुभ	काल	22:59 - 00:23 अशुभ
लाभ	12:22 - 13:59 शुभ	लाभ	00:23 - 01:45 शुभ
अमृत	13:59 - 15:37 शुभ	उत्पात	01:45 - 03:08 अशुभ
काल	15:37 - 17:15 अशुभ	शुभ	03:08 - 04:30 शुभ
शुभ	17:15 - 18:50 शुभ	अमृत	04:30 - 05:54 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज अपने कार्य से संबंधित कारणों से अपने निवास स्थान में परिवर्तन की सम्भावना है ।आपको पदोन्नत किया जा सकता है और एक अलग क्षेत्र के लिए स्थानांतरित किया जा सकता है या आप कोई दूसरी नौकरी को ग्रहण कर सकते है ।आप एक पेशेवर सलाहकार या अपने किसी करीबी से आज कैरियर से संबंधित सलाह ले सकते हैं।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज के दिन आपको अपनी आर्थिक समस्याओ से निजात पाने के लिए एक व्यवहार्य समाधान मिल सकता है और उसे लागू करने के लिए उचित दिशा में आप पहला कदम उठायेंगे । पिछले कुछ समय से धन की समस्याओं ने आप की नाक में दम किया हुए था परन्तु अब आप काफी हद तक इस पर काबू पा पाएंगे।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आप अपने कैरियर की शुरुआत में हैं, इसलिए आपको सीढ़ी पर अगला कदम रखने और पीछे चले गए पथ को देखने की जरूरत है। इन स्थानों में की गई कोई गलती का भुगतान आपको बाद में करना पड़ सकता है । खुद के लिए कुछ प्रस्ताव बनाने के लिए समय निकालें । आपको विरासत में मिला धन का कुछ हिस्सा या पैसा प्राप्त हो सकता है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज का दिन एक नए व्यापार उद्यम को लगाने का समय है । काफी समय से बात आपके मन में थी परन्तु उसे उपयोगिता में नहीं ला पा रहे थे लेकिन आज का दिन इसको पूरा करने का दिन है । आपको कई नए अवसर मिलेंगे और सब वैध एवं असली होंगे । अगर आप विवेकपूर्ण तरीके से निर्णय लेंगे तो जो भी मुश्किलें आ रही थी वे धीरे धीरे लुप्त होती चली जाएंगी ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आप अपने सभी लक्ष्यों को समय पर पूरा करेंगे और कार्य क्षेत्र में शांति का माहौल रहेगा , लेकिन व्यापार के मामलों में किसी भी समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श करें। धोखाधड़ी की संभावना है। यदि संभव हो तो अपनी व्यापारिक सौदों को दूसरे दिन पर ठाले और अपने सहयोगियों की विश्वसनीयता का मूल्यांकन करे ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज का दिन विपणन के लिए बहुत ही कारगर साबित हो सकता है जो की आपके व्यसाय को आगे की और ले जा सकता है । ये जरुरी है की आप विपणन नीतिया बनाते हुए न्यायसंगत निर्णय ले ताकि आप बेहतर नीतिया बना सके । अगर आज आपने कोई कार्यशाला या सार्वजनिक समारोह अपने व्यसाय को आगे ले जाने के लिए रखा हुआ है तो वो काफी अछा रहेगा ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

अपनी नौकरी के क्षेत्र मैं बदलाव लाने का ये उपयुक्त समय है । अगर आप नौकरी से सम्बंधित किसी दुविधा में थे तो ये समय नौकरी में परिवर्तन लाने का समय है जो की आपको उचित दिशा में ले जाएगा और आपके लिए फायदेमंद होगा । इस उपरांत अगर आपको कुछ जोखिम लेना पड़े तो न सोचे क्योंकि यह जोखिम ही आपको अंत में मददगार साबित होगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज बड़ी और छोटी सफलताएं आपके कार्य क्षेत्र में दस्तख़त दे रही है । आपके द्वारा एक समय में प्रदान की गई सेवाओं के लिए आपको कुछ भुगतान प्राप्त हो सकता हैं या आपको एक अप्रत्याशित बोनस मिल सकता है। एक लंबे समय से जो पदोन्नति अटकी हुई थी वह आपको मिल सकती है या आपका पद उँचा हो सकता है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज का दिन उन लोगों के लिए सबसे अनुकूल है , जो किसी भी स्वास्थ्य से संबंधित व्यवसायों में हैं । डॉक्टरों, नर्सों, चिकित्सकों, अस्पताल प्रशासकों और यहां तक कि मेडिकल छात्रों की सफलता के लिए आज का दिन उपयुक्त है । अगर आप किसी विशेषज्ञ से परामर्श लें रहे है तो इस सलाह को माने क्यों की ये आपके पेशेवर जीवन के लिए इस समय बहुत ही प्रासंगिक होगी।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज आपको विभिन्न भूमिकाओं का क्रियान्वन करना पड सकता है इसलिए दोस्तों से मदद लेने में संकोच न करे । वे सफलता के रास्ते पर आपको एक मजबूत समर्थन दे सकते हैं। छात्रों के लिए ये एक अच्छा दिन हो सकता है और उन्हें एक प्रतिष्ठित संस्थान से डिप्लोमा या डिग्री प्राप्त हो सकती है। इन स्थितियों की वजह से उच्च भुगतान नौकरियों में अवसर बढ़ेंगे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आप पर अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों जीवन में भारी जिम्मेदारियों का भार है , इसलिए आपको अपने समय का प्रबंधन उचित तरीके से करना होगा हालाँकि आपके सहकर्मी आपकी मदद के लिए आगे आ सकते है अगर आप उनसे सहयोग की मांग करे , लेकिन अधिकता में कुछ न कहे क्योंकि एक बिंदु से आगे वे आपको न भी कह सकते है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

कार्यस्थल पर आपका ध्यान भटक सकता है जो की आपकी उत्पादकता को कम कर सकता हैं। कार्यालय में प्रेम प्रसंग की एक संभावना आपको अपने कार्य से दूर ले जा सकती है हालांकि, आपको वापस अपनी एकाग्रता लाने की जरूरत है। ऐसी कोई भी कार्रवाई करने से बचें जो आपके सहयोगियों को परेशान या आक्रामक बनाये ।

पं। महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

नक्सली और सुरक्षा बल के बीच मुठभेड़

भारी मात्रा में गोला बारूद बरामद, सुरक्षित पनाह की तलाश में भटक रहे हैं नक्सली

चाईबासा, 17 जुलाई (एजेंसियां)। सारंडा जंगल के जराइकेला थाना क्षेत्र के घने जंगलों में नक्सली और सुरक्षा बल के बीच मुठभेड़ हुई। सुबह हुई इस मुठभेड़ में नक्सलियों को पीछे हटना पड़ा। सुरक्षा बलों को भारी मात्रा में सर्च अभियान के दौरान गोला बारूद मिले हैं। मुठभेड़ बुधवार की सुबह करीब 6 बजे हुई। इस इलाके में लंबे समय से नक्सल मुक्त अभियान जारी है। सर्च अभियान के दौरान नक्सलियों की तरफ से फायरिंग हुई जिसका जवाब सुरक्षा बल के जवानों ने दिया। सारंडा के जंगल में झारखंड पुलिस, झारखंड जगुआर और कोबरा बटालियन के जवान अभियान चला रहे हैं। झारखंड के कई इलाकों में नक्सली चौतरफा घिरे हैं। वह बार- बार अपना ठिकाना बदल रहे हैं। बताया जा रहा है कि नक्सली कमांडर अनल का दस्ता था। सारंडा में सुरक्षा बल लगातार नक्सलियों को कमजोर करने के लिए अभियान चला रहे हैं। यह इस सप्ताह में दूसरी बार है जब नक्सलियों का आमना सामना सुरक्षा बल से हुआ है। नक्सली पीछे हटने को मजबूर हुए हैं और अपने लिए सुरक्षित इलाकों की तलाश में है। नक्सलियों के पीछे बटने के बाद पुलिस ने पूरे इलाके में सर्च अभियान चलाया जिसमें भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद हुआ है। दोनों तरफ से किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि बारिश के मौसम में नक्सली किसी सुरक्षित ठिकाने की ओर पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। घने जंगल में भी वह ऐसे इलाकों की तलाश में हैं जहां वह सुरक्षित रह सकें। सुरक्षा बलों का जिस नक्सली दस्ता से सामना हुआ, उसे कुख्यात नक्सली कमांडर अनल लीड कर रहा था।

थानेदार की कार में लगाई आग

पुलिस चौकी से कुछ दूर खड़ी थी, भिलाई में सिपाही की गाड़ी तोड़ी

बलौदाबाजार/ दुर्ग, 17 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बदमाशों के निशाने पर अब पुलिसकर्मी भी आ गए हैं। बलौदाबाजार में देर रात बदमाशों ने घर के अंदर खड़ी चौकी प्रभारी की गाड़ी में आग लगा दी। जब तक आग पर काबू पाया गया, कार जलकर खाक हो चुकी थी। वहीं दुर्ग में भी एक पुलिस कॉन्स्टेबल की कार में तोड़फोड़ कर दी गई। उसकी भी गाड़ी घर के बाहर खड़ी थी। तोड़फोड़ का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। दोनों ही मामलों में वजह सामने नहीं आ सकी है। बलौदाबाजार में फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची है। जानकारी के मुताबिक, निपनिया चौकी प्रभारी किशुन कुंभकार का घर पुलिस चौकी के पास ही है। मंगलवार रात उनकी कार पुलिस चौकी के सामने खड़ी हुई थी। इसी दौरान किसी ने आग लगा दी। धू-धू कर कार जलती देख चौकी प्रभारी कुंभकार ने बलौदाबाजार-भाटापारा फायर

स्टेशन को कॉल किया। बताया जा रहा है कि फायर स्टेशन में उनका कॉल ही रिसीव नहीं हुआ। इसके बाद निपनिया से करीब 10 किमी दूर अमेरा से फायर ब्रिगेड की गाड़ी बुलाई गई और आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक कार जलकर खाक हो चुकी थी।

भाटापारा ग्रामीण थाना प्रभारी अमित पाटले ने बताया कि, रात करीब एक बजे की घटना है। पुलिस अज्ञात आरोपी की तलाश कर रही है। घटना क्यों और कैसे हुई, अभी पता नहीं चला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बलौदाबाजार जिला मुख्यालय में लगातार हो रही आग की घटनाओं को देखते हुए कई साल से स्थानीय स्तर पर फायर स्टेशन की मांग की जा रही है, लेकिन जगह नहीं मिलने से फायर स्टेशन नहीं है। वहीं भिलाई के जामुल क्षेत्र के कैलाश नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में मंगलवार की बदमाशों ने सिपाही दीपक सिंह की कार में तोड़फोड़ की है। पत्थर मारकर शीशे तोड़े गए हैं। कार सिपाही के घर के सामने खड़ी थी। रात में 2 युवक आए और बड़े से पत्थर पीछे के शीशे पर पटक दिया।

'पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का मुंहतोड़ जवाब देगा भारत'

असम के मुख्यमंत्री सरमा का बयान

रांची, 17 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में आतंकियों से हुई मुठभेड़ में चार सैनिकों के शहीद होने के बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से प्रायोजित आतंकवाद का भारत मुंहतोड़ जवाब देगा। जम्मू-कश्मीर में शांति कायम रखना सरकार की जिम्मेदारी है। हम पाकिस्तान की हर साजिश का डटकर मुकाबला करेंगे। असम के मुख्यमंत्री सरमा भाजपा के झारखंड सह चुनाव प्रभारी के तौर पर झारखंड के दो दिवसीय दौरे पर आए हैं। उन्होंने तोरपा और खुंटी विधानसभा में आयोजित विजय संकल्प दिवस सभा में भाग लेकर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

उन्होंने लोकसभा चुनाव में झारखंड में नौ सीटों पर भाजपा की जीत को लेकर एनडीए

कार्यकर्ताओं की सराहना की। जिससे प्रधानमंत्री तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। इसके अलावा सरमा ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर आदिवासियों की उपेक्षा और अभद्र व्यवहार करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन आदिवासियों के नेता नहीं हैं, बल्कि कुर्सी के पीछे भागने वाले नेता हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री चंपई को हटाकर यह साबित कर दिया। क्योंकि सोरेन जानते थे कि चंपई उनको भ्रष्टाचार नहीं करने देंगे। सीएम सरमा ने कहा कि झारखंड में बांग्लादेशियों की घुसपैठ बढ़ गई है। घुसपैठिये आदिवासी लड़कियों से शादी करे उनकी जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं। उन्होंने ऐसी शादियों को रोकने के लिए कानून बनाने की मांग की। सरमा ने सोरेन पर चुनावी वादों को पूरा न करने का आरोप भी लगाया। सरमा ने कहा कि सोरेन सरकार बेरोजगारी भत्ता देने और रोजगार देने में फेल रही। सोरेन ने पांच लाख नौकरी देने और पांच हजार से सात हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता देने की बात कही थी, लेकिन एक भी युवा को इसका लाभ नहीं मिला। साथ ही उन्होंने सोरेन सरकार पर कानून व्यवस्था और महिला सुरक्षा में फेल रहने और बालू की तस्करी कराने का भी आरोप लगाया।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य झारखंड में डबल इंजन की सरकार बनाना है।

रायपुर-दुर्ग में झमाझम बारिश, 4 जिलों के लिए यलो अलर्ट

सोंढुर नदी की बाढ़ में ट्रैक्टर सहित फंसे चालक और किसान, बीजापुर–जगदलपुर नेशनल हाईवे बंद

रायपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कई जिलों में दोपहर बाद तेज बारिश हो रही है। रायपुर, दुर्ग सहित अन्य जिलों में दोपहर बाद अचानक मौसम बदला है। वहीं मौसम विभाग ने खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी और कांकेर जिले में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। गरियाबंद की सोंढुर नदी में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे नदी पार कर रहा ट्रैक्टर फंस गया। ड्राइवर समेत दो लोगों ने कूदकर अपनी जान बचाई। बीजापुर-जगदलपुर मार्ग पर जांगला के नजदीक पानी चढ़ने से नेशनल हाइवे पर वाहनों के पहिए थम गए थे। पिछले 24 घंटे के दौरान बस्तर(नांगुर) में 100 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई है। धमतरी (बेलरगांव) में 93, नगरी में 84.7, टोकापाल में 80,

कांकेर (नेहरपुर) में 71, पेंड्रा में 54.5 और बालोद(डौंडीलोहरा) 54 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। गरियाबंद जिले की सोंढुर नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। इस दौरान नदी पार कर रहा ट्रैक्टर बीच में ही फंस गया। पानी बढ़ता देख ट्रैक्टर ड्राइवर और उस पर सवार किसान ने कूदकर अपनी जान बचाई। किसान मक्के की फसल पर दवा छिड़कने गया था, लौटते समय ट्रैक्टर फंस गया।

बीजापुर में मंगलवार रात से बारिश हो रही है। बारिश के चलते गंगालूर को जोड़ती सड़क पर बना चेरपाल रपटा के ऊपर से पानी बह रहा है। इसके चलते पिछले कई घंटों से रास्ता बंद है। दोनों ओर दर्जनों वाहन खड़े हैं। लोग पानी उतरने का इंतजार कर रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक 19 जुलाई को बंगाल की खाड़ी में एक निम्न दाब का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसकी वजह से छत्तीसगढ़ के ज्यादातर स्थानों पर बारिश होने और एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।

मौसम विज्ञानी के मुताबिक एक निम्न दाब का क्षेत्र विदर्भ और दक्षिण छत्तीसगढ़ के क्षेत्र में बना हुआ है। इस वजह से अगले तीन दिन बस्तर संभाग के जिलों में भारी बारिश की संभावना है।

छत्तीसगढ़ में अब तक 794.4 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई है, जो सामान्य से 27 फीसदी कम है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में 1 जून से अब तक 382.2 मिलीमीटर बारिश होनी चाहिए थी।

ट्रक-सिटी बस में टक्कर 20 से ज्यादा घायल

रायपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। रायपुर में एक तेज रफ्तार ट्रक और सिटी बस में आमने-सामने से भिड़ंत हो गई। हादसे में करीब 20 से ज्यादा सवारी घायल हो गए हैं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस की सीटें भी उखड़ गई। बस में सवार कई यात्रियों के सिर से खून बहने लगा, जिससे बस में जगह-जगह खून फैल गया है। मिली जानकारी के मुताबिक हादसा विधानसभा थाना क्षेत्र के सेमरिया गांव के पास हुआ है। फिलहाल पुलिस और एंबुलेंस की टीम मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया है। जहां इलाज चल रहा है। एक्सीडेंट को लेकर विधानसभा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, बस रायपुर से खरोरा की ओर जा रही थी, तभी ट्रक सामने से आ रहा था। 10 बजे के करीब सेमरिया गांव के पास पहुंचते ही तेज रफ्तार बस चला रहे ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया। बस जाकर सीधे ट्रक से भिड़ गई। हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों में चीख पुकार मच गई। बताया जा रहा है कि हादसे के दौरान बस में करीब 25 से 30 यात्री सवार थे, जिनमें से कई महिलाएं भी थीं। एक्सीडेंट में करीब 20 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 6 से ज्यादा महिलाएं शामिल हैं। एक्सीडेंट के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और एंबुलेंस ने घायलों को पास के ही सेमरिया के निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। एक्सीडेंट के बाद ट्रक का ड्राइवर के सिर और शरीर में कई जगह चोटें आई हैं। उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया है। बताया जा रहा है कि बस के ड्राइवर और कंडक्टर फिलहाल मौके से फरार हो गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बस ड्राइवर ही तेज रफ्तार में चला रहा था, जिस वजह से हादसा हुआ।

20 लाख के चार इनामी नक्सलियों ने किया सरेंडर

दो महिला हार्डकोर माओवादी भी शामिल

सुकमा, 17 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार की नीति और सुकमा पुलिस के द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बार फिर से पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। 20 लाख के इनामी चार नक्सलियों ने सुकमा पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। इनमें दो महिला हार्डकोर माओवादी सहित चार हार्डकोर नक्सली शामिल हैं।आत्मसमर्पित महिला नक्सली लगभग 14 वर्ष एवं पुरुष माओवादी लगभग 14-15 वर्षों से नक्सली संगठन में सक्रिय रहकर कई बड़ी-बड़ी नक्सली घटनाओं में शामिल रहे हैं।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पदों के अनुरूप आत्मसमर्पित माओवादियों पर क्रमशः सीवायपीसी पर आठ, दो पर पांच-पांच लाख और अन्य एक पर दो लाख कुल 20 लाख रुपये का इनाम घोषित है। आत्मसमर्पित माओवादी क्रमशः कंपनी नंबर 10 प्लाटून 'ए' डिप्टी कमांडर/सेक्शन 'ए' डिप्टी कमांडर, प्लाटून नंबर 30 का पीपीसीएम, दक्षिण बस्तर डिवीजन टेक्निकल सदस्या/एसीएम एवं महाराष्ट्र (गढ़चरोली डिवीजन अन्तर्गत) भामरागढ़ एरिया कमेटी/सीएनएम पार्टी सदस्या के पदों पर रहे है सक्रिय माओवादियों को आत्मसमर्पण के लिए प्रोत्साहित कराने में विशेष आसूचना शाखा, जिला पुलिस बल, डीआरजी जिला सुकमा एवं दो वाहिनी सीआरपीएफ के आसूचना शाखा का विशेष प्रयास रहा है।

सुकमा एसपी किरण चौहान ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की 'छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति' एवं सुकमा पुलिस द्वारा चलाये जा रहे 'नियद नेल्ला नार' योजना से प्रभावित तथा अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैंप स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते प्रभाव व नक्सलियों के अमानवीय, आधारहीन विचारधारा एवं उनके शोषण, अत्याचार तथा बाहरी नक्सलियों के द्वारा भेदभाव करने तथा स्थानीय आदिवासियों पर होने वाले हिंसा से तंग आकर गढ़चिरोली डिवीजन, माड़ डिवीजन एवं दक्षिण बस्तर डिवीजन में सक्रिय सदस्य दो महिला सहित चार नक्सलियों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय सुकमा में किरण चव्हाण, पुलिस अधीक्षक जिला सुकमा, रति कान्त बेहेरा कमांडेंट 02 वाहिनी सीआरपीएफ एवं निखिल राखेचा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नक्सल ऑप्स सुकमा के समक्ष बिना हथियार के आत्मसमर्पण किया। सभी आत्मसमर्पित माओवादियों को कपड़ा एवं प्रोत्साहन राशि 25-25 हजार रुपये प्रदाय किया गया। सभी आत्मसमर्पित माओवादियों को 'छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति' के तहत सहायता राशि व अन्य सुविधायें प्रदाय कराये जायेंगे।

फिल्मी स्टाइल में लूटा 25 टन सरिया

ट्रक ड्राइवर को बंधक बनाया, आंखों में पट्टी बांधकर ओडिशा में छोड़ दिया, 3 गिरफ्तार

रायगढ़, 17 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र में बदमाशों ने फिल्मी स्टाइल में लूट की घटना को अंजाम दिया। चार बदमाशों ने मिलकर 25 टन सरिया लोड ट्रक को लूट लिया और खाली ट्रक के साथ चालक को आंखो में पट्टी बांधकर ओडिशा ले जाकर छोड़ दिया।

मामले की सूचना पर पुलिस ने अपराध दर्ज किया और जांच शुरू की। पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। इसके एक आरोपी लूट का मुख्य आरोपी है और एक सरिया खरीदने वाला व्यवसायी है। वहीं पुलिस ने मामले में लूट का सरिया सहित 31 लाख के अन्य सामान जब्त किए हैं। एसपी दिव्यांग पटेल ने बताया कि 23 जून को ग्राम सराईपाली गेरवानी स्थित श्री रूपानाधाम स्टील प्रा.लि. कंपनी के एचआर डिपार्टमेंट के अभिषेक उपाध्याय ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 22 जून को स्टील प्लांट से ट्रक में चालक मुजाहिद खान 25 टन सरिया लोड कर रमानुजनगर, सूरजपुर के लिए रवाना हुआ था। लेकिन धरमजयगढ़ सिसरिंगा घाटी पहुंचने के बाद ड्राइवर का मोबाइल स्विच ऑफ आया।

पुलिस ने बताया कि पूछताछ में पता चला कि धरमजयगढ़ सिसरिंगा घाट के चार किमी पहले बदमाशों ने अपनी कार को फिल्मी स्टाइल में ट्रक के आगे अड़ा दिया। इसके बाद ट्रक से ड्राइवर को उतार कर मारपीट करते हुए उसका मोबाइल छीन कर फेंक दिया। इसके बाद मारपीट करते हुए अपने साथ काले रंग के कार में हाथ और आंख में पट्टी बांधकर ले गए। आरोपियों द्वारा लगातार 4-5 घण्टा चलने के बाद एक सुनसान जंगल में कमरे में बंधक बनाकर दिनभर रखे रहे।

23 जून की रात करमडीह ओड़िसा में रोड किनारे उनकी आंखो में पट्टी बांधकर छोड़ दिए और खाली ट्रक लेकर वहां से चले जाने की धमकी दिए।

शबाब पर चित्रकोट और तीरथगढ़ वाटरफॉल

खूबसूरत नजारा देखने पहुंच रहे सैकड़ों पर्यटक सेल्फी के लिए जान जोखिम में डालते दिखे

जगदलपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बारिश के मौसम में छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों में लोगों की भीड़ उमड़ने लगी है। खासकर बस्तर के दो प्रमुख वाटरफॉल पर्यटकों को खूब लुभा रहे हैं। एशिया का नियाग्रा कहे जाने वाले चित्रकोट जल प्रपात और तीरथगढ़ जल प्रपात पूरी तरह शबाब पर है। इस बीच कई पर्यटक चेतावनी के बाद भी पर्यटक जान जोखिम में डाल रहे हैं। चित्रकोट वाटरफॉल के किनारे तक जाकर लोग रेलिंग पर बैठ रहे हैं और सेल्फी ले रहे हैं। जबकि वहां नहीं बैठने का चेतावनी बोर्ड भी लगा है। वहीं तीरथगढ़ को देखने पहुंच रहे लोग झरने के नीचे बैठकर नहा रहे हैं। ऐसे में अचानक जल स्तर बढ़ता है तो पर्यटकों के लिए जान का खतरा हो सकता है। बारिश में पहाड़ों से उतरने वाले पानी से जल स्तर अचानक बढ़ता है।

साल भर पहले एक युवती चित्रकोट वाटरफॉल से सीधे नीचे कूद गई थी। उसने सुसाइड कर लिया था। वहां मौजूद लोग सिर्फ

फोटो-वीडियो लेते रह गए थे।

2 से ढाई साल पहले दंतेवाड़ा जिले के गीदम का रहने वाला एक युवक ने भी वाटरफॉल में छलांग लगा दी थी। उसकी भी मौत हो गई थी। इसके बाद से प्रशासन ने सुरक्षा के इंतजाम किए।

तेज बहाव के कारण बोटिंग है बंद

इस साल जुलाई में ही चित्रकोट जल प्रपात अपनी खूबसूरत छटा बिखेर रहा है। फिलहाल जल प्रपात में पानी ज्यादा होने की वजह से बोटिंग बंद है। लगभग 90 फीट की ऊंचाई से गिरने वाले इस चित्रकोट वाटर फॉल के नीचे एक छोटी सी गुफा में चट्टानों के बीच शिवलिंग स्थित है।

जल प्रपात से गिरने वाले पानी से सालभर शिवलिंग का जलाभिषेक होता है। नाविक यहां भोलेनाथ की पूजा अर्चना करते हैं। हालांकि अभी बारिश में शिवलिंग तक पहुंचा नहीं जा सकता, लेकिन सर्दियों में इसके दर्शन किए जा सकते हैं।

ऐसे पहुंच सकते हैं पर्यटक

चित्रकोट वाटर फॉल तक पहुंचना पर्यटकों के लिए काफी आसान है। राजधानी रायपुर से जगदलपुर और हैदराबाद से जगदलपुर तक हवाई सेवा भी शुरू हो चुकी है।

गाय को मार डाला, छह गिरफ्तार

बलरामपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र में कुछ लोगों ने गौ हत्या कर मांस का आपस में बंटवारा कर लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने मोहर्रम मनाने के लिए ऐसा किया। इस मामले में 6 आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। उनके पास से गौ मांस और हथियार जब्त हुआ है। सभी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। शंकरगढ़ पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम महुआडीह निवासी मोहसिम अंसारी अपने साथी पुराना बाजारपारा शंकरगढ निवासी अफरोज अंसारी के साथ मोहर्रम मनाने के लिए गाय को मारने चलगली जंगल की ओर ले गया है। पुलिस की टीम देर रात ही चलगली जंगल की ओर रवाना हुई। रास्ते में दो युवक आते हुए दिखे। इनके हाथ में प्लास्टिक बैग में कुछ सामान भी रखा था।

बाइक सवार युवकों को पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो वे बाइक छोड़कर भागे लगे। पुलिस टीम ने दोनों को घेराबंदी कर पकड़ा और पूछताछ की। आरोपियों ने बताया कि चलगली के टेलवा खान उर्फ शाह मोहम्मद ने अपनी गाय को मारकर मोहर्रम के मौके पर दावत की योजना बनाई थी। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि टेलवा खान के कहने पर चलगली निवासी रवि कुमार घासी, जसवंतपुर के मनसू (पहाड़ी कोरवा), परशु राम (पहाड़ी कोरवा), मोहसिम अंसारी और अफरोज अंसारी ने साथ मिलकर गाय को मारा और मांस का बंटवारा कर लिया।

शंकरगढ़ थाने के सब इंस्पेक्टर गजपति मिर्रे ने बताया कि पुलिस ने सभी आरोपियों को पकड़ लिया है। उनके पास से गाय का कच्चा मांस बरामद किया गया है। आरोपियों की निशानदेही पर गाय की खाल, पूंछ और काटने के औजार जब्त कर लिए गए हैं।

पुलिस ने आरोपी मोहसिम अंसारी (26 वर्ष), अफरोज अंसारी (23 वर्ष), शाह मोहम्मद उर्फ टेलवा (45 वर्ष), रवि कुमार (26 वर्ष), मंशु पहाड़ी कोरवा (30 वर्ष) और परशु कोरवा (26 वर्ष) को गिरफ्तार किया है।

झारखंड के 27 मजदूर दक्षिण अफ्रीका में फंसे

वीडियो जारी कर सरकार से मांगी मदद, बताया-खाने और फोन रिचार्ज तक के पैसे नहीं

रांची, 17 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के कैमरून शहर में मजदूरी करने गए झारखंड के 27 मजदूर फंसे हुए हैं। उन्होंने वीडियो जारी कर राज्य सरकार से मदद की गुहार लगाई है। मजदूरों के इस वीडियो पर श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

प्रवासी मजदूर सेल की ओर से कैमरून में फंसे मजदूरों से संपर्क करने का प्रयास शुरू हो चुका है। विभाग की ओर से जल्द कार्रवाई की जाएगी। मजदूरों की ओर से जारी वीडियो में उन्होंने बताया है कि वे दक्षिण अफ्रीका के कैमरून शहर में बीते चार महीने से फंसे हुए हैं। ये मजदूर गिरिडीह, हजारीबाग और बोकारो जिले से

हैं। मजदूरों ने बताया है कि वे जिस कंपनी में काम कर रहे हैं न तो वो कंपनी सूध ले रही है और न ही वो ठेकेदार जो उन्हें झारखंड से लेकर गया। मजदूरों ने बताया कि हमारे पास खाने को अनाज तक नहीं बचा है। कंपनी न खाने की व्यवस्था कर रहा है और न रिचार्ज करने के पैसे दे रहा है। हम अपने घरवालों से संपर्क भी नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार से अपील की है कि वह उनकी मदद करे और कैमरून से बाहर निकाल भारत लाने की व्यवस्था करे। मजदूरों की अपील वाली वीडियो पर संज्ञान लेते हुए श्रम विभाग ने अपनी कार्रवाई शुरू भी कर दी है। उनसे संपर्क किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक जो मजदूर कैमरून में फंसे हुए हैं, उन्होंने झारखंड के प्रवासी मजदूर सिस्टम के तहत रजिस्ट्रेशन नहीं कराया था। हालांकि श्रम विभाग का कहना है कि जल्द ही उनके परिवार वालों से संपर्क कर विस्तृत जानकारी ली जाएगी और फिर उन्हें वापस लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। मजदूरों ने बताया कि सभी 27 मजदूर 29 मार्च को कैमरून पहुंचे हैं। एलएनटी कंपनी की ओर से उनके आने के लिए टिकट और वीजा दिया गया। यहां आने के बाद पता चला कि हमे ठेकेदार के अंदर लाया गया है।

असमाजिक तत्वों ने बजरंगबली की प्रतिमा तोड़ी

धनबाद, 17 जुलाई (एजेंसियां)। झरिया में आज सुबह हनुमान जी के मंदिर में असामाजिक तत्वों द्वारा प्रतिमा तोड़ दी गई। इतना ही नहीं प्रतिमा खंडित करने के बाद उसे अपने साथ ले भी गए। मंदिर में प्रतिमा खंडित होने की बात पर स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश है। यह घटना नुनूडीह बस्ती की है। हनुमान जी के मंदिर की मूर्ति को असामाजिक तत्वों ने मूर्ति का तोड़फोड़ कर मूर्ति को ले भागे जने की खबर क्षेत्र में जैसे ही फैली। काफी संख्या में लोग मंदिर के पास जुट गए और जल्द इसमें शामिल लोगों को गिरफ्तार करने के मांग करने लगे। लोगों में भारी आक्रोश को देखते हुए क्षेत्र को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है।

गौ तस्करी संभव नहीं

डिप्टी सीएम शर्मा बोले- तस्करों को 7 साल की सजा, जुर्माना और संपत्ति भी कुर्क

रायपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार गौवंश के अवैध परिवहन पर सख्ती से निपट रही है। हमने सजा और जुर्माने का प्रावधान करके यह सुनिश्चित किया है कि कोई भी इस कानून का उल्लंघन न कर सके। दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में अब गौ तस्करी संभव नहीं। और इसके लिए हमने प्रत्येक स्तर पर जिम्मेदारी तय की है। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने तस्करी और अवैध परिवहन पर सख्त सजा का

प्रावधान किया है। अवैध परिवहन पर सात साल की सजा और 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। यह सिद्ध करना कि तस्करी नहीं हो रही है, अभियुक्त पर होगा। अपराध को संज्ञेय और गैर-जमानती बनाया गया है।

उन्होंने बताया कि सक्षम अधिकारी के अनुमति के बिना गौवंश का परिवहन नहीं किया जा सकेगा। परिवहन के दौरान वाहन में फ्लेक्स आदि लगाना होगा। तस्करी करने पर वाहन राजसात किया जाएगा और वाहन मालिक पर भी कार्यवाही होगी। इससे अर्जित संपत्ति को चिन्हित कर कुर्क किया जाएगा। डिप्टी सीएम ने कहा कि राजपत्रित अधिकारी को उक्त घटनाओं की रोकथाम और पर्यवेक्षण के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। पुलिस के अधिकारी शिथिल या संलिप्त होने पर उन पर कठोर कार्यवाही होगी। आसूचना एकत्रित करना, जिले के सभी प्रकारों का अध्ययन करना और सभी आरोपियों की पुनः समीक्षा व सतत निगरानी आवश्यक होगी।

ट्रम्प पर दोबारा हमले की साजिश!

पार्टी प्रोग्राम के बाहर एके-47 के साथ युवक गिरफ्तार, चाकू लेकर पहुंचा शख्स भी मारा गया

वाशिंगटन, 17 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर 13 जुलाई को जानलेवा हमला हुआ था। उन पर फिर से हमले का खतरा मंडरा रहा है। मंगलवार को अमेरिका के मिलवॉकी शहर में उनकी रिपब्लिकन पार्टी के कन्वेंशन के बाहर पुलिस ने 21 साल के एक युवक को एके-47 के साथ गिरफ्तार किया है।

इसके कुछ ही समय बाद 43 साल का सैमुएल शार्प दोनों हाथ में चाकू लिए नजर आया। उसने एक व्यक्ति पर हमला भी किया। इसके बाद पुलिस ने तुरंत उस पर फायरिंग कर दी, जिसमें सैमुएल की मौत हो गई।

इन दोनों घटनाओं के बाद अमेरिका की पुलिस अलर्ट पर है। जिस कन्वेंशन वेन्यू के बाहर ये दोनों वारदात सामने आईं, वहीं सोमवार को ट्रम्प को आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया गया था।

दरअसल, 13 जुलाई को पेन्सिल्वेनिया के बटलर शहर में एक रैली को संबोधित करते वक्त ट्रम्प पर हमला हुआ था। इस दौरान एक गोली ट्रम्प के कान को छूते हुए निकल गई थी। हमलावर की पहचान 20 साल के युवक थॉमस क्रूक्स के तौर पर हुई थी। उसने एआर-15 राइफल से 8 गोलियां चलाई थीं। फायरिंग के तुरंत बाद सीक्रेट सर्विस के अफसरों ने हमलावर को मार गिराया था। वह रिपब्लिकन पार्टी का ही समर्थक था।

ट्रम्प पर हमले की जांच में सामने आया है कि अमेरिकी अधिकारियों को कई हफ्ते पहले ईरान से ट्रम्प को मारने के लिए रची जा रही साजिश की जानकारी मिली थी। अमेरिकी मीडिया सीएनएन के मुताबिक, सीक्रेट सर्विस ने इंटेलिजेंस मिलते ही ट्रम्प की सिक्योरिटी बढ़ा दी थी। हालांकि, ट्रम्प पर हमला करने वाला थॉमस इसी साजिश का हिस्सा था या नहीं इसकी कोई जानकारी नहीं मिली है। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने दावा किया है कि ट्रम्प पर हमले की साजिश से जुड़ी जानकारी मिलने के बाद उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी को लगातार रैलियों और अलग-अलग राज्यों में चुनाव कैंपेन चलाने को लेकर चेतावनी भी दी थी।

इंटेलिजेंस के बाद भी सीक्रेट सर्विस नहीं कर पाई सुरक्षा

ट्रम्प के लिए चुनाव कैंपेन चला रहे लोगों ने इस मामले पर बात करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा है कि वे ट्रम्प की सिक्योरिटी डीटेल्स या उनकी चुनावी प्लानिंग पर चर्चा नहीं कर सकते। ईरान से हमले की साजिश की बात सामने आने के बाद से अमेरिका की सीक्रेट सर्विस कटघरे में आ गई है।

मीडिया रिपोर्ट्स में सवाल उठाए जा रहे हैं कि जब पहले से ही हमले का डर था, तब भी ट्रम्प की सुरक्षा में चूक कैसे हो गई। इससे पहले मंगलवार को सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि हमलावर ने जिस इमारत की छत से ट्रम्प पर हमला किया, उसकी दूसरी मंजिल पर ही सर्विस यूनिट के स्नाइपर्स तैनात थे।

इमरान खान की पार्टी पर बैन के फैसले से मुश्किल में शहबाज

पीएमएल-एन के अंदरखाने उठे विरोध के सुर

इस्लामाबाद, 17 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में बड़ी सियासी हलचल देखने को मिल रही है। सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी को बैन करने का फैसला लिया है। उधर, पीएमएल-एन के अंदरखाने इस फैसले को लेकर उहापोह की स्थिति बनी हुई है। दरअसल, पार्टी के कुछ नेताओं ने इस फैसले पर असहमति जताई है। गठबंधन सरकार में कुछ पार्टियों ने पाकिस्तान तहरीक-ए-तालिबान पर प्रतिबंध लगाने की कड़ी निंदा भी की है। खुद पीएमएल-एन पार्टी से जुड़े एक वरिष्ठ नेता ने भी इस फैसले का विरोध किया है। सोमवार को पाकिस्तानी सरकार ने पीटीआई पर अवैध रूप से विदेश से धन प्राप्त करने और दंगों को भड़काने का आरोप लगाया। इसके साथ पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया गया। पीटीआई पर देशविरोधी गतिविधियों का भी आरोप लगाया गया। इसके अलावा पाकिस्तान सरकार ने इमरान खान के साथ-साथ पूर्व राष्ट्रपति आरिफ अल्वी समेत अन्य नेताओं पर देशद्रोह का आरोप लगाया।

इटली में छुड़ाए गए 33 भारतीय: दो आरोपी गिरफ्तार

10 घंटे से ज्यादा काम, सैलेरी तक नहीं देते थे, भागने पर दी थी मारने की धमकी

रोम, 17 जुलाई (एजेंसियां)। इटली में गुलामों की तरह काम कर रहे 33 भारतीयों को छुड़ाया गया है। अमेरिकी मीडिया सीएनएन के मुताबिक, इटली के खेतों में इन भारतीयों से एक दिन में 10 घंटे से ज्यादा समय तक काम करवाया जाता है। इन्हें कोई छुट्टी नहीं दी जाती थी और कई बार तनख्वाह भी रख ली जाती थी। इटली की पुलिस ने भारतीयों को गुलाम बनाकर रखने के आरोप में 2 अन्य भारतीयों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 4.17 करोड़ रुपए भी बरामद हुए हैं। पुलिस को आशंका है कि दोनों आरोपी अच्छी सैलेरी का लालच देकर भारतीयों को इटली लाए थे। उनके पास से जो पैसे बरामद हुए वह उन्हें सस्ते दाम में लेबर मुहैया कराने पर मिले थे।

रिपोर्ट के मुताबिक, छुड़ाए गए 33 भारतीयों ने इटली जाने और वहां वर्क परमिट (काम करने की इजाजत) हासिल करने के लिए 15.45 लाख रुपए चुकाए थे। इसके बावजूद उन्हें जो वर्क परमिट दिया गया वह जाली था। पुलिस ने बताया कि कई भारतीयों से 11.78 करोड़ रुपए और लिए गए थे। इसके बदले उन्हें परमानेंट वर्क परमिट देने का लालच दिया गया था। सीएनएन के मुताबिक, भारतीय कामगार इटली से भाग न सकें, इसके लिए दोनों आरोपियों ने उनके पासपोर्ट भी छीन लिए थे। उन्हें एक पुराने, टूटे-फूटे घर में रखा गया था। घर से भागने पर उन्हें मारने की भी धमकी दी गई थी। पुलिस ने बताया कि वह आरोपियों और इटली में सस्ते दाम पर लेबर मुहैया कराने वाली कंपनियों के बीच तार जोड़ने की कोशिश कर रही है। वहीं इटली में मौजूद भारतीय दूतावास ने कहा कि उन्हें मामले की सूचना मिली है। वे इटली के अधिकारियों के साथ मिलकर भारतीयों की सुरक्षा के लिए काम कर रहे हैं।

दरअसल, इटली में पिछले महीने खेत पर काम कर रहे एक भारतीय की मौत हो गई थी। खेत में घास काटते वक्त मशीन से 30 साल के सतनाम का हाथ कट गया था। आरोप लगाया गया था कि घटना के बाद मदद करने की बजाय उसके मालिक ने उसे घर के पास एक सड़क किनारे अकेला छोड़ दिया था।

इस घटना के बाद पुलिस हरकत में आई थी। सतनाम के मालिक के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। भारतीय कामगार सतनाम के घरवालों ने इटली के प्रशासन और पीएम मेलोनी से इंसाफ की गुहार लगाई थी।

बांग्लादेश की पीएम हसीना के घर पानी पिलाने वाला निकला अरबपति

ढाका, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश में भ्रष्टाचार के मामले में जमकर किरकिरी के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना ने एक्शन लेने की बात कही है। जिन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, उनमें शेख हसीना का पूर्व नौकर भी है, जिसने 3.4 करोड़ डॉलर (लगभग 2.84 अरब भारतीय रुपये) की दौलत जमा की है। यही नहीं, वह अब हेलीकॉप्टर से यात्रा करता है। बांग्लादेश की मीडिया में हसीना के इस नौकर की खूब चर्चा है। अन्य आरोपियों में एक पूर्व सेना प्रमुख, एक पूर्व पुलिस प्रमुख, वरिष्ठ कर अधिकारी और राज्य भर्ती अधिकारी शामिल हैं। हसीना ने कार्रवाई की जानकारी देते हुए कहा कि भ्रष्टाचार एक पुरानी समस्या है। इन गड़बड़ियों को साफ किया जाना चाहिए। हम कदम उठा रहे हैं।

बांग्लादेश की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पीएम शेख हसीना ने जिस नौकर की बात की है, वो कभी उनके यहां निम्न स्तरीय कर्मचारी हुआ करता था। वह सभी के आने पर पानी लेकर जाया करता था। हसीना ने कहा, 'वह व्यक्ति जो मेरे घर में चपरासी के रूप में काम करता था, अब उसके पास 400,00,00,000 टका ($34 मिलियन डॉलर) है। वह हेलीकॉप्टर के बिना नहीं चल सकता। उसने इतना पैसा कैसे कमाया? यह जानने के बाद मैंने तुरंत कार्रवाई की।

एक बांग्लादेशी को कमाने में लग जाएंगे 13000 साल

शेख हसीना के नौकर के पास जितनी संपत्ति मिली है, एक औसत बांग्लादेशी को इतना पैसा कमाने में 13,000 साल से ज़्यादा लग जाएंगे। विश्व बैंक के अनुसार, लगभग 17 करोड़ लोगों की आबादी वाले बांग्लादेश में प्रति व्यक्ति औसत जीडीपी 2,529 डॉलर (2.11 लाख रुपये) है। हसीना ने नौकर की पहचान नहीं बताई, लेकिन बांग्लादेश के कई अखबारों ने उसका नाम जहांगीर आलम बताया, जिसे उसके पानी पिलाने वाले काम की वजह से 'पानी' उपनाम दिया गया था।

विपक्ष के निशाने पर हसीना

ढाका ट्रिब्यून दैनिक ने बताया कि अर्दली ने हसीना के दफ्तर में अपने पद का इस्तेमाल 'लॉबिंग, टेंडर हेरफेर और रिश्वतखोरी' में किया था। हसीना के नौकर की कमाई की खबर सोशल मीडिया पर तेजी से फैली, जिसके बाद विपक्षी दलों ने उनकी सरकार को घेरने के लिए भी इसका इस्तेमाल किया। बांग्लादेश की मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी के प्रवक्ता ए.के.एम वहीदुज्जमां ने कहा, 'अगर शेख हसीना का चपरानी इतना ज्यादा पैसा कमा सकता है तो आप अंदाजा लगा सकते हैं कि उनके बॉस ने कितना कमाया होगा।ट उन्होंने आगे कहा, 'सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि उनके अपराध के लिए उन पर मुकदमा नहीं चलाया गया। उन्हें सिर्फ पद से हटा दिया गया।'

रिपब्लिकन कन्वेंशन में विवेक रामास्वामी ने दिया जोशीला भाषण

एलन मस्क ने भी खूब की तारीफ

वॉशिंगटन, 17 जुलाई (एजेंसियां)। रिपब्लिकन कन्वेंशन में बुधवार को पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की दावेदारी में शामिल रहे विवेक रामास्वामी ने संबोधित किया। इस दौरान रामास्वामी ने जोशीले अंदाज में अमेरिकी सपने की बात की और लोगों से डोनाल्ड ट्रंप को समर्थन देने की अपील की। रामास्वामी ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ही इस देश को एकजुट कर सकते हैं। विवेक रामास्वामी के भाषण की तारीफ अरबपति बिजनेसमैन एलन मस्क ने भी की है। रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन को संबोधित करते हुए विवेक रामास्वामी ने कहा कि 'अगर आप देश में कानून व्यवस्था को फिर से स्थापित करना चाहते हैं तो ट्रंप को वोट करें। अगर आप इस देश की अर्थव्यवस्था को एकजुट करना चाहते हैं, अमेरिका को फिर से महान देश बनाना चाहते हैं तो ट्रंप को वोट करें। ट्रंप को वोट करने का एक कारण ये भी है कि डोनाल्ड ट्रंप सिर्फ शब्दों से नहीं बल्कि एक्शन से देश को एक कर सकते हैं और अमेरिका की पहचान यही है।' रामास्वामी ने कहा कि 'अगर आप मेरी कही हर बात से असहमत हैं तो हमारा संदेश आपके लिए यही है - हम फिर भी आपके कहने के अधिकार की रक्षा करेंगे क्योंकि हम अमेरिकी होने के नाते ऐसे ही हैं। हम एक ऐसा देश हैं जहां हम पूरी तरह असहमत हो सकते हैं और फिर भी खाने की मेज पर साथ मिल सकते हैं। यही अमेरिकी होने का मतलब है।' विवेक रामास्वामी के भाषण की मशहूर अरबपति एलन मस्क ने भी तारीफ की।

ये है दुनिया की सबसे दुर्लभ व्हेल

जिस मछली को आजतक किसी ने नहीं देखा वो न्यूजीलैंड में मिली

वेलिंगटन, 17 जुलाई (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के समुद्र तट पर एक दुर्लभ मछली का शव मिला है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह दुनिया की सबसे दुर्लभ व्हेल मछली हो सकती है। यह कुदाल-दांतेदार व्हेल है, जो एक प्रकार की चोंच वाली व्हेल होती है। इसका नाम उसके दातों के नाम पर रखा गया है, जो कुदाल के आकार से मिलती जुलती है। उनके अस्तित्व के बारे में ज्यादातर जानकारी दशकों में खोजी गई हड्डियों और ऊतकों की एक श्रृंखला पर आधारित है और बाद में अनुक्रमित किया गया, जो एक नया साझा डीएनए दिखाता है। यह इतनी गहराई की मछली है कि इसे कभी भी लोगों ने जिंदा नहीं देखा है। 1800 के दशक के बाद आज तक सिर्फ छह नमूनों को डॉक्यूमेंट किए गए हैं।

एक्सपर्ट अब इस बात का पता लगाने में लगे हैं कि क्या 5 मीटर लंबी मछली दुर्लभ व्हेल है या नहीं। अगर ऐसा है तो यह पहली बार होगा जब वैज्ञानिक इसका विच्छेदन करेंगे। यह वैज्ञानिकों को अभूतपूर्व जानकारी दे सकता है। न्यूजीलैंड के संरक्षण विभाग (डीओसी) के तकनीकी सलाहकार हन्ना हेंड्रिक्स ने कहा, 'यह व्हेल प्रजाति बेहद दुर्लभ है। इसलिए यह अवसर हमें इस बारे में अधिक जानकारी जानने की इजाजत दे सकता है कि जानवर कैसे और कहां रहता था और क्या खाता था?'

विभाग ने कहा, 'अगर हम इन पहलुओं के बारे में अधिक जानने में सक्षम होंगे तो हम यह भी जान सकेंगे कि क्या प्रजाति खतरे में है और उसे किन खतरों का सामना करना पड़ सकता है।' डीओसी ने घोषणा की कि उसे 4 जुलाई को दक्षिण द्वीप के पूर्वी तट पर एक छोटे से गांव तायारी माउथ के पास एक व्हेल के शव मिलने की रिपोर्ट मिली थी। एक्सपर्ट्स ने शव का निरीक्षण किया, जिसके बाद वैज्ञानिकों का मानना था कि शव नर कुदाल-दांतेदार व्हेल का था। हालांकि इसकी पुष्टि के लिए अन्य परीक्षणों की जरूरत है।

21 जुलाई को नेपाल के प्रधानमंत्री ओली की अग्निपरीक्षा

संसद में हासिल करेंगे विश्वास मत

काठमांडू, 17 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली 21 जुलाई को संसद में विश्वास मत हासिल करेंगे। पीएम ओली ने बीते सोमवार को चौथी बार इस हिमालयी देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। मीडिया रिपोर्ट में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनीफाइड मार्क्सिस्ट लेनिनिस्ट (सीपीएन-यूएमएल) के मुख्य सचेतक महेश बरतौला के हवाले से बताया गया कि प्रधानमंत्री ओली रविवार को विश्वास मत हासिल करेंगे।

सरकार बनाने के लिए न्यूनतम संख्या 138

नेपाल के संविधान के मुताबिक, ओली को जिम्मेदारी संभालने के 30 दिन के भीतर संसद से विश्वास मत हासिल करना होगा। उम्मीद जताई जा रही है कि ओली ऐसा आसानी से कर लेंगे, क्योंकि 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में सरकार बनाने के लिए न्यूनतम संख्या 138 है।

नेपाल में पिछले 16 साल में 14 सरकारें

इससे पहले नेपाल की सबसे बड़ी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता को रविवार को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। ओली संसद में सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस (एनसी) तथा अन्य छोटे दलों के साथ गठबंधन सरकार का नेतृत्व करेंगे। नेपाल में पिछले 16 साल में 14 सरकारें बनी हैं। उन्होंने पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' की जगह ली है, जो पिछले हफ्ते प्रतिनिधि सभा में विश्वास मत हासिल नहीं कर पाए थे।

सुप्रीम कोर्ट में भी होगी सुनवाई

ओली के शपथ ग्रहण समारोह के कुछ ही घंटों के अंदर ही तीन अधिवक्ताओं दीपक अधिकारी, खगेंद्र प्रसाद चापागेन और शैलेंद्र कुमार गुप्ता ने नेपाल की सुप्रीम कोर्ट में एक रिट याचिका दायर की। इसमें उन्होंने ओली की पीएम पद पर नियुक्ति को चुनौती दी और इसे असंवैधानिक बताया। उनकी दलील है कि यदि अनुच्छेद 76 (2) के अनुसार बनी सरकार प्रतिनिधि सभा में शक्ति परीक्षण में विफल रहती है तो राष्ट्रपति को अनुच्छेद 76 (3) के तहत नई सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के लिए 21 जुलाई की तारीख तय की है।

नौकरी में आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन

पुलिस ने स्टूडेंट्स पर गोलियां चलाई, आंसू गैस के गोले दागे, 400 से ज्यादा घायल

ढाका, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश में सरकारी नौकरी में आरक्षण खत्म करने की मांग को लेकर देशभर में हिंसा फैल गई है। इसमें 400 से ज्यादा लोग घायल हो गए। बांग्लादेश के न्यूज आउटलेट ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक देशभर की यूनिवर्सिटीज में स्टूडेंट्स पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठियां बरसाईं, जिसमें दर्जनों लोग घायल हो गए।

हिंसा तब और ज्यादा भड़क गई जब मंगलवार को पुलिस की कार्रवाई के दौरान रंगपुर बेगम रोकेया यूनिवर्सिटी के एक 22 साल के स्टूडेंट अबू सईद की मौत हो गई। यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स का कहना है कि पुलिस ने उस पर गोली चलाई थी।

इससे एक हफ्ते पहले सुप्रीम कोर्ट ने नौकरी में आरक्षण पर रोक लगा दी थी। लेकिन प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इसे लागू नहीं किया है। हसीना सरकार का कहना है कि ये फैसला हमारे हाथों में है।

जनवरी में हुए आम चुनाव के बाद पहली बार बड़े पैमाने पर प्रदर्शन

इस साल जनवरी में हुए आम चुनाव के बाद ये पहली बार है जब देश में इतने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हो रहे हैं। इन प्रदर्शनों को 1971 में बांग्लादेश को आजादी दिलाने वाले लोगों के बच्चे भी शामिल हैं। लोगों का कहना है कि हसीना सरकार ने उन लोगों को आरक्षण दिया है, जिनकी आमदनी ज्यादा है।

ये लोग वे लोग है जिन्हें हसीना का वोटर्स माना जाता है। सरकार का कहना है कि विकलांग लोगों और अल्पसंख्यक समुदाय लोगों को नौकरी में 30% आरक्षण दिया गया था।

देश में पिछले तीन दिन से हिंसा जारी है। इस बीच हसीना के समर्थकों ने यूनिवर्सिटीज स्टूडेंट्स पर हमला कर दिया। यूनिवर्सिटी स्टूडेंट नाहिद इस्लाम ने बताया की हसीना समर्थक लोगों ने हमारे कैंपस पर रॉड, डंडे और पत्थर से हमला कर दिया और 150 लोग घायल हो गए, जिसमें 30 महिलाएं और 20 स्टूडेंट्स की हालत गंभीर है।

क्या हैं आरक्षण नियम?

प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 2018 में नए आरक्षण नियम लागू किया था।

इसमें स्वतंत्रता सेनानियों के बच्चों को नौकरी में 30%, पिछड़े जिलों के लिए 10%, महिलाओं के लिए 10%, अल्पसंख्यकों के लिए 5% और 1% विकलांगों को दिया गया है। इस लिहाज से सरकारी नौकरियों में 56% आरक्षण है। इसी के खिलाफ पूरे देश में प्रदर्शन हो रहा है।

बैंकॉक के होटल में छह लोगों के शव मिले

जहर देकर मारने का शक, मृतकों में 3 महिलाएं भी शामिल, होटल हयात का मामला

बैंकॉक, 17 जुलाई (एजेंसियां)। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक होटल में 6 लोगों के शव मिले हैं। ये सभी वियतनाम के नागरिक हैं, जिनमें 3 महिलाएं भी शामिल है। इनमें से 2 लोगों के पास अमेरिका की दोहरी नागरिकता भी है। ये घटना सेंट्रल बैंकॉक के एक लग्जरी होटल हयात में हुई। स्थानीय मीडिया होटल के अंदर गोली चलने के दावे कर रही है। हालांकि पुलिस ने इससे इनकार किया है। उन्हें गोलीबारी का कोई सबूत नहीं मिला है। फिलहाल पुलिस सभी 6 लोगों को जहर देकर मारने के एंगल पर जांच कर रही है। बैंकॉक के पुलिस कमिश्नर ने बताया कि इन सभी 6 लोगों ने 24 घंटे बाद भी होटल से चेक-आउट नहीं किया था। इसके बाद होटल स्टाफ ने जाकर देखा तो सभी लोग पांचवें फ्लोर पर मृत पाए गए। मृतकों के शरीर पर किसी भी तरह की हिंसा के निशान नहीं मिले हैं। पुलिस के मुताबिक ये चोरी का मामला भी नजर नहीं आ रहा है। पुलिस को मृतकों के कमरे के अंदर एक कप में सफेद पाउडर के निशान मिले हैं। पुलिस को शक है कि ये जहर हो सकता है। पुलिस ने बताया कि सोमवार को 2 बजे से पहले ऑर्डर किए गए ड्रिंक में संदिग्ध पदार्थ और मृतकों का डीएनए मिला है। इसके अलावा बाथरूम में खुले हुए कंटेनर में चाय, एनर्जी ड्रिंक और शहद भी मिले हैं। इसके अलावा ऑर्डर किया हुआ खाना मिला है। पुलिस को दरवाजे के पास एक शव मिला है। पुलिस ने अनुमान लगाया कि उसने गेट खोलने की कोशिश की होगी, हालांकि वो ऐसा कर पाता, इससे पहले ही उसकी मौत हो गई।

ओमान के पास तेल टैंकर समुद्र में पलटा

13 भारतीयों समेत 16 क्रू मेंबर्स लापता, भारतीय नौसेना ने सर्चिंग के लिए युद्धपोत इन्स तेग भेजा

मस्कट, 17 जुलाई (एजेंसियां)। ओमान के पास एक तेल टैंकर समुद्र में पलट गया है। इस पर 13 भारतीय और 3 श्रीलंकाई समेत कुल 16 क्रू मेंबर्स सवार थे। ये सभी लापता हैं। घटना सोमवार (15 जुलाई) की है। इस पर 13 भारतीयों के सवार होने की बात अब सामने आई है। ओमान के समुद्री सुरक्षा केंद्र ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। समुद्री सुरक्षा केंद्र के मुताबिक, प्रेस्टीज फाल्कन नाम का तेल टैंकर दुबई के हमरिया पोर्ट से रवाना हुआ था। इस पर कोमोरोस का झंडा लगा हुआ था। यह यमन के अदन पोर्ट जा रहा था। डुक्म के पोर्ट टाउन के पास रास मद्रकाह से करीब 46 किमी दूर दक्षिण-पूर्व में तेल टैंकर पलट गया। क्रू मेंबर्स की तलाश में दो दिनों से सर्च और रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। वहीं भारतीय क्रू सदस्यों को ढूंढने के लिए इंडियन नेवी ने अपने युद्धपोत आईएनएस तेग और निगरानी के लिए एयरक्राफ्ट पी-8आई भेजा है। वॉरशिप ओमानी वेसल्स के साथ अदन पोर्ट के पास सर्च ऑपरेशन में शामिल है। 15 जुलाई को मामले की सूचना मिलने के तुरंत बाद भारतीय नौसेना ने युद्धपोत को ओमान के लिए भेज दिया था। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, जहाज अब भी समुद्र में उल्टा डूबा हुआ है। इससे तेल लीक हुआ है या नहीं इसकी जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जो टैंकर डूबा है, उसकी लोकेशन चार दिन पहले अपडेट की गई थी। यह लगभग 117 मीटर लंबा तेल टैंकर है, जिसे 2007 में बनाया गया था।

गाजा में लड़ाई से थके आतंकी

कमांडरों ने याह्या सिनवार को घेरा, इजरायल से डील करने का बढ़ा दबाव

तेल अवीव, 17 जुलाई (एजेंसियां)। इजरायल पर हमास ने 9 महीने पहले हमला किया था। इस हमले के बाद से ही इजरायल और हमास का युद्ध शुरू हो गया। दुनिया भर में इजरायल के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। लेकिन अब यह बात भी सामने आ रही है कि युद्ध के कारण हमास लीडरशिप भी परेशान हो गई है। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के निदेशक बिल बर्न्स ने शनिवार को बंद कमरे में आयोजित सम्मेलन में बताया कि सीआईए का आकलन है कि गाजा में हमास के नेता याह्या सिनवार पर उसके ही सैन्य कमांडर लगातार दबाव बना रहे हैं। यह दबाव युद्धविराम समझौते को स्वीकार करने और इजरायल के साथ युद्ध खत्म करने को लेकर है। सीएनएन ने सम्मेलन में भाग लेने वाले एक सूत्र के हवाले से कहा। बर्न्स ने सम्मेलन में कहा, 'इजरायल में 7 अक्टूबर को नरसंहार का मुख्य साजिशकर्ता सिनवार अपनी मौत को लेकर चिंतित नहीं है। लेकिन गाजा में पीड़ा और फिलिस्तीनियों की मौत के लिए दोषी ठहराए जाने को लेकर दबाव का सामना कर रहा है।' अमेरिकी खुफिया अधिकारियों का मानना है कि सिनवार गाजा में अपने जन्म स्थान खान यूनिस की गहरी सुरंगों में छिपा है।

'सिर तन से जुदा' का नारा लगाने वाले गौहर की रिहाई पर रोक

अजमेर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। अजमेर में दो साल पहले दरगाह के मुख्य निजाम गेट के बाहर 'सिर तन से जुदा' के नारे लगाने वाला गौहर चिश्ती को भले ही मंगलवार को न्यायालय ने बरी कर दिया हो। लेकिन फिलहाल गौहर चिश्ती जेल से रिहा नहीं हुआ है। उसे एक अन्य मुकदमे में जमानत मिलने का इंतजार है।

बता दें कि बुधवार को एक अन्य मुकदमे में गौहर चिश्ती को अवकाश कालीन कोर्ट में पेश किया गया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच न्यायालय में लाया गया। गौहर चिश्ती के एडवोकेट हाजी फय्याज खान ने बताया कि साल 2022 कोरोना काल में गौहर चिश्ती बेसुध हालत में जवाहरलाल नेहरू अस्पताल पहुंचा था। जहां गौहर चिश्ती के परिजन और अस्पताल में मौजूद चिकित्सकों के बीच इलाज की बात को लेकर हंगामा खड़ा हो गया था। इस पर स्ट्राइक पर चल रहे चिकित्सकों ने गौहर चिश्ती व उनके परिजनों के खिलाफ चिकित्सा अधिनियम के तहत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था।

गौरतलब है कि इस प्रकरण के कुछ दिनों बाद ही दरगाह की सीढ़ियों पर सिर तन से जुदा वाले नारे के बाद वह चिश्ती फरार हो गया था। उसे 20 दिन बाद हैदराबाद से गिरफ्तार किया गया था, तब से वह जेल में है। इसी वजह से अस्पताल में हुई कहासुनी वाले प्रकरण में सुनवाई नहीं हो सकी। अब गौहर चिश्ती सिर तन से जुदा वाले मामले में बरी हो चुका है। उसके बाद आज चिकित्सकों वाले मुकदमे में गौहर चिश्ती को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहां सुनवाई के लिए कल की तारीख मुकर्रर की गई है।

गौहर के वकील ने कहा कि यह मामला जमानती है। इस मामले में गौहर चिश्ती की जमानत जब्त थी। क्योंकि पिछले दो साल से गौहर चिश्ती जेल में बंद है। उन्होंने कहा कि कल इस मामले में गौहर चिश्ती को जमानत मिलने की उम्मीद है। वहीं, गौहर चिश्ती ने न्यायालय के फैसले पर कहा कि उनको जैसी उम्मीद थी, फैसला वैसा आया है। मैं न्यायालय का शुक्रिया अदा करूंगा।

खट-खट गैंग ने फिर कार चालक को लूटा

जयपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर में खट-खट गैंग लगातार एक्टिव है। कुछ दिन पहले ही इस गैंग के तीन बदमाश पकड़े गए थे। अब एक नया मामला सामने आया है। लालकोठी थाने में खट-खट गैंग के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है। शिकायत में पीड़ित शंकर शर्मा ने बताया- रामनिवास बाग चौराहे से घर की ओर जा रहा था।

इस दौरान रामनिवास चौराहे की लाल बत्ती पर रुका हुआ था। एक बदमाश ने गाड़ी का कांच खट खटाया। कहा- आप ने मेरा पैर दबा दिया है। इसी दौरान शंकर उससे बात करने लगा। उसी समय ड्राइवर सीट पर एक दूसरा व्यक्ति कांच खटखटाने लगा।

इस्तीफे के बाद चिर-परिचित अंदाज में नजर आए किरोड़ीलाल मीणा, इस्तीफा अब तक मंजूर नहीं

दौसा, 17 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार के मंत्री पद से इस्तीफा दे चुके डॉक्टर किरोड़ीलाल मीणा का इस्तीफा अभी तक मंजूर नहीं किया गया है। अब राजस्थान की राजनीति डॉ. मीणा के इर्द-गिर्द ही घूम रही है। इसी बीच डॉक्टर किरोड़ीलाल मीणा अपने चिर-परिचित अंदाज में कार्यकर्ताओं के साथ देखे जा रहे हैं। उधर, बीते कल डॉक्टर किरोड़ीलाल मीणा अपने एक कार्यकर्ता की शादी में जा पहुंचे। जहां डॉक्टर मीणा ने आर्टिफिशियल वेडिंग फुलझड़ी भी चलाई और बारात में भी शामिल हुए। साथ ही बारातियों का मनोबल भी बढ़ते नजर आए। डॉ. किरोड़ीलाल के मंत्री पद से इस्तीफा दिए जाने के बाद राजस्थान की राजनीति में संभावनाओं का जन्म होने लग गया है, जिसके चलते अब यह भी माना जा रहा है कि राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी का केंद्र में मंत्री पद मिलने के बाद राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद से सीपी जोशी को निवृत्ति किया जा सकता है। बता दें कि पिछले दिनों राजस्थान में लोकसभा चुनाव के दौरान हुई हार के कर्म का विश्लेषण के दौरान मोटे तौर पर यह बात सामने निकल कर आना की आरक्षण खत्म नहीं होगा। इस मुद्दे को भाजपा भुना नहीं पाई।

शराब तस्करी के दो अलग-अलग मामले में दो वांछित तस्कर गिरफ्तार

सिरोही, 17 जुलाई (एजेंसियां)। सिरोही में आबूरोड रीको पुलिस द्वारा शराब तस्करी के दो अलग-अलग मामले में वांछित दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपी बीते एक साल से फरार चल रहे थे तथा पुलिस से बचने के लिए बार-बार ठिकाने बदल रहे थे। दोनों आरोपी आबूरोड रीको थाना स्तर के टॉप-10 अपराधियों में सम्मिलित हैं। पुलिस के अनुसार, आबूरोड रीको थानाधिकारी सीताराम की अगुवाई में पुखराज, हेड कांस्टेबल केसाराम, कांस्टेबल ओमप्रकाश एवं मांगीलाल (मुख्य भूमिका), महेंद्र सिंह, साइबर सेल सिरोही के कांस्टेबल रमेश कुमार, सुरेश कुमार एवं नरेंद्र की टीम द्वारा बडोडा, पुलिस थाना जैसलमेर सदर, जिला जैसलमेर निवासी मूल सिंह पुत्र कवरराज सिंह राजपूत तथा आवल, पुलिस थाना अमीरगढ़, जिला पालनपुर निवासी नरेन्द्र सिंह पुत्र जैसल सिंह राजपूत को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, 20 अगस्त 2023 को मावल चौकी पर नाकाबंदी के दौरान गुजरात पासिंग ट्रक से पंजाब निर्मित अंग्रेजी शराब के 981 कार्टून जब्त किए गए थे। मामले में जब्तशुदा शराब का मालिक मूल सिंह करीब एक साल से फरार चल रहा था, जिसकी तलाश के लिए टीम बनाकर दस्तयाबी के प्रयास किए गए। लेकिन आरोपी गिरफ्तारी के भय से किसी एक जगह पर स्थाई रूप से नहीं रहकर ठिकाने बदलता रहा। इस पर वांछित आरोपी मूल सिंह को टॉप-10 अपराधियों की सूची में रखा गया। लगातार प्रयास के बाद उसे जोधपुर से दस्तयाब किया गया। इसी प्रकार दूसरे मामले में 29 नवंबर 2023 को मावल शराब के ठेके से गुजरात में सप्लाई के लिए शराब के 56 कार्टून भरने के मामले में मौके से एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया था।

दिया कुमारी ने फिर की नई घोषणा

छात्राओं को स्कूटी और दिव्यांग गर्भवती महिलाओं को मिलेंगे 10,500

जयपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। भजनलाल सरकार की वित्त मंत्री दीया कुमारी ने अपने पिटारे से लोगों को कई बड़ी सौगातें दी है। इसमें छात्राओं और गर्भवती महिलाओं को बड़ा तोहफा मिला है। इस दौरान वित्त मंत्री ने विपक्ष के कई सवालों का करारा जवाब भी दिया और उन पर हमला भी किया। वित्त मंत्री ने 500 पॉलिटेक्निक छात्रों को स्कूटी देने की घोषणा के साथ दिव्यांग गर्भवती महिलाओं को भी बड़ी सौगात दी है। इसके तहत अब दिव्यांग गर्भवती महिलाओं को 10,500 की सहायता राशि दी जाएगी। यह घोषणा बजट में अतिरिक्त रूप से की गई है। इसके अलावा 2000 करोड़ रुपए की लागत से सड़कों का नवीनीकरण और सुदढकरण भी होगा। घोषणाओं का उल्लेख करने के बाद वित्त मंत्री दीया कुमारी ने कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि हम कांग्रेस की तरह मुंगेली लाल के सपने नहीं दिखाते हैं, हम जो घोषणा करते हैं, उन्हें पूरा भी करते हैं। हमारी योजनाए केवल कागजों तक सीमित नहीं रहने वाली है।

वॉलीबाल प्लेयर पर नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप

झुंझुनूं, 17 जुलाई (एजेंसियां)। झुंझुनूं में चिड़ावा थाना क्षेत्र के जोड़िया गांव निवासी एक अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल प्लेयर जतिन पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। युवती ने बताया, साल 2023 में मैं 11वीं कक्षा में थी। तब जतिन मुझे कई बार मिला और मुझे कहा कि तुम बहुत सुंदर लगती हो, मुझसे मीठी-मीठी बातें कर नजदीकी बढ़ानी शुरू कर दी थी।

तीन दिसंबर 2023 को वह मेरे घर आया और मुझसे कहा, मैं तुमसे सगाई कर लूंगा और उसने मेरी कुछ फोटो खींची। फोटो खींचने के बाद वह मुझे ब्लैकमेल करने लगा। मेरे साथ मेरी मर्जी के बिना जबरदस्ती करने लगा। मैं रोती गिड़गड़ती तो मुझे शादी करने का झूठा दिलासा देता रहा। जतिन के परिवार वालों ने भी मुझे धमकाया और कहा तू किसी को कुछ नहीं बताएगी। जैसा हम कहें, वैसा ही करेगी। मुझे जबरन लाल जोड़ा पहनकर मेरी मांग भरवा दी। मैंने रोते हुए कहा मैं अभी नाबालिग हूं।

गहलोत राज में 9000 करोड़ का घोटाला!

पूर्व कैबिनेट मंत्री का करीबी संजय बड़ाया गिरफ्तार, 4 दिन ईडी करेगी पूछताछ

जयपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। जलदाय विभाग के जल जीवन मिशन में हुए 9000 करोड़ रुपए के कथित घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। ईडी ने पूर्व मंत्री डॉ. महेश जोशी के करीबी संजय बड़ाया को एक दिन पहले हिरासत में लिया था।

पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। ईडी ने न्यायाधीश के घर संजय बड़ाया को पेश करके 4 दिन की रिमांड मांगी जिसे स्वीकार कर ली गई। अब ईडी के अधिकारी जेजेएम में हुए भ्रष्टाचार की परतें खोलने की कोशिश कर रही है। पिछले पांच साल में किस स्तर पर टेंडरों में फर्जीवाड़ा, नियमों को दरकिनार करके और एडवांस भुगतान के जरिए करोड़ों रुपए का घोटाला किया। इस बारे में हर सवाल का जवाब बड़ाया से मांगा जा रहा है। संजय बड़ाया से पहले उनके तीन साथियों को ईडी पूर्व में भी गिरफ्तार कर चुकी है। उनके बयानों का बड़ाया के बयान से मिलान किया जाएगा।

संजय बड़ाया से दस्तावेजों की रिकवरी करेगी ईडी

ईडी के अधिकारियों ने संजय बड़ाया को गिरफ्तार करने के बाद उनका मेडिकल कराया। देर रात करीब 10 बजे ईडी के प्रकरणों की सुनवाई करने वाली विशेष अदालत के न्यायाधीश सुनील रणवाह के गांधी नगर स्थित आवास पर पेश किया। न्यायाधीश रणवाह ने ईडी की डिमांड के अनुसार संजय बड़ाया को चार दिन से रिमांड पर भेज दिया। ईडी की ओर से पेश विशिष्ठ लोक अभियोजक अजातशत्रु मीणा ने कहा कि पूर्व में गिरफ्तार किए गए तीन आरोपियों से कई खुलासे हुए हैं। उन आरोपियों ने बड़ाया के खिलाफ बयान दिए हैं।

बड़ाया से पूछताछ कर पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों की ओर से बताए गए प्रकरणों का मिलान करना है। साथ ही बड़ाया से कुछ दस्तावेजों की बरामदगी भी करनी है। ईडी के एडवोकेट की दलील पर न्यायाधीश रणवाह ने संजय बड़ाया को चार दिन की रिमांड स्वीकार कर दी।

बड़ाया के एडवोकेट ने किया विरोध

गिरफ्तार संजय बड़ाया के वकील एडवोकेट दीपक चौहान ने ईडी की रिमांड का विरोध किया। उन्होंने कहा कि ईडी ने जब भी पूछताछ के लिए बुलाया, तब बड़ाया हाजिर हुए हैं। उन्होंने जांच में पूरा सहयोग किया है।

सीकर में 12वीं का स्टूडेंट फंदे से लटका

सीकर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। सीकर में 12वीं क्लास के स्टूडेंट ने स्कूल के हॉस्टल में सुसाइड कर लिया। स्टूडेंट का शव हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटका मिला। परिजन का आरोप है कि प्रार्थना सभा में स्कूल स्टाफ ने यूनिफॉर्म को लेकर स्टूडेंट के साथ मारपीट की थी। उसे लगातार पनिशमेंट दी जा रही थी। इससे परेशान होकर उसने जान दी है।

उद्योग नगर थानाधिकारी सुरेंद्र देगड़ा ने बताया- मामला शांति नगर स्थित एलबीएस स्कूल का है। चूरू जिले के सालासर कस्बे का रहने वाला मोहित (17) पुत्र गोपाल सेवदा इस स्कूल में पढ़ता था। वह पिछले 4 साल से स्कूल के हॉस्टल में रह रहा था। मंगलवार रात 9 बजे वह हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटका मिला। कमरे में एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें लिखा है-'वह अपनी इच्छा से सुसाइड कर रहा है।'

जयपुर एयरपोर्ट पर यात्रियों का हंगामा

स्पाइसजेट की दुबई जाने वाली फ्लाइट आखिरी वक्त पर हुई कैंसिल, 163 लोग हुए परेशान

जयपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर से दुबई जाने वाली स्पाइसजेट एयरलाइंस की फ्लाइट बुधवार सुबह आखिरी वक्त पर रद्द हो गई। इसके बाद जयपुर एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में नाराज यात्रियों ने विरोध शुरू कर दिया। इस दौरान यात्रियों ने स्पाइसजेट प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। वहीं, स्पाइसजेट प्रशासन ने टेक्निकल कारण का हवाला देकर आखिरी वक्त पर फ्लाइट रद्द होने की बात कही।

दुबई जाने वाले राजूराम जाट ने बताया- 163 यात्रियों को आज सुबह 9:20 बजे स्पाइसजेट एयरलाइन से दुबई के लिए उड़ान भरनी थी। हम सब अपने निर्धारित वक्त पर एयरपोर्ट पहुंच भी गए। आखिरी वक्त पर हमें बिना बताए फ्लाइट को कैंसिल कर दिया गया। स्पाइसजेट प्रशासन सही जवाब नहीं दे पाया। इसके बाद हमने टर्मिनल मैनेजर से भी बात करने की कोशिश की। उनका कोई जवाब नहीं आया। हम सब लोग दूर-दराज से आज दुबई फ्लाइट के लिए ही जयपुर पहुंचे थे। मुझे खुद आज दुबई पहुंचना बेहद जरूरी था। क्योंकि मैं वहां नौकरी जॉइन करने वाला था। मैं टैक्सी किराए पर लेकर आज जयपुर पहुंचा था। यहां आने पर अब फ्लाइट कैंसिल होने की जानकारी मिली है। इससे मुझे बड़ा नुकसान हो गया है। राजूराम ने कहा- एयरपोर्ट प्रशासन को अगर फ्लाइट कैंसिल करनी थी तो हमें इसकी समय रहते जानकारी देनी चाहिए थी। उन्होंने ऐसा नहीं किया। न ही हम लोगों को एयरपोर्ट पर किसी तरह की सुविधा दी गई। इसकी वजह से आज दूर दराज से आए यात्रियों को परेशान होना पड़ रहा है।

बांसवाड़ा में 100 लोगों को फूड पॉइजनिंग

बांसवाड़ा, 17 जुलाई (एजेंसियां)। मोहर्रम के जुलूस में करीब 100 लोगों को फूड पॉइजनिंग हो गई। इसके बाद उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। लगातार आ रहे मरीजों को देखते हुए प्रशासन को डॉक्टर बुलाने पड़े। इसके साथ ही कोविड वार्ड को भी खोलना पड़ गया। हालांकि, इलाज के बाद सभी को छुट्टी दे दी गई है।

मरीज आए तो डॉक्टर बुलाने पड़े

मोहर्रम को लेकर शहर में बीती रात को जुलूस निकाला गया था। इस दौरान सभी के लिए खाने-पीने की व्यवस्था भी की गई थी। ऐसे में अचानक रात 2.30 बजे 100 लोगों की तबीयत बिगड़ गई। लोगों को पेट दर्द और वॉमिटिंग की शिकायत होने लगी। इस पर देर रात को सभी को अस्पताल लाया गया। लगातार बढ़ते मरीजों को देखते हुए ड्यूटी डॉक्टर ने पीएमओ डॉ. खुशपाल सिंह राठौड़ को सूचना दी।

इसके बाद पीएमओ ने अन्य डॉक्टरों को भी बुलाया और ट्रीटमेंट शुरू किया। पीएमओ ने बताया कि 15 लोगों को तुरंत ही प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। वहीं 85 लोगों को अस्पताल का कोविड वार्ड खोलकर भर्ती किया गया। बुधवार सुबह पीएमओ ने बताया कि सबकी सेहत में सुधार होने पर सुबह सभी को छुट्टी देकर घर भेज दिया गया। कोई गंभीर नहीं है। पूरा मामला फूड पॉइजनिंग से जुड़ा है। लेकिन क्या खाया और क्या पीया इसके लिए सीएमएचओ स्तर पर जांच कराई जाएगी। इसके बाद ही बताया जा सकेगा कि फूड और ड्रिंक में क्या कमी थी।

नकल गिरोह के लिए फर्जी डॉक्युमेंट बनाने वाला गिरफ्तार

> रीट-2021 केस में 3 साल से चल रहा था फरार > 2 साल पहले बना था सरकारी टीचर

बाड़मेर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। रीट में नकल करवाने वाले गिरोह को फर्जी एडमिट कार्ड और डॉक्युमेंट बनाकर उपलब्ध करवाने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी 3 साल से फरार चल रहा था। उस पर बालोतरा पुलिस ने 25 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। 2 साल पहले आरोपी सरकारी टीचर बन गया और सांचौर जिले के चितलवाना इलाके सरकारी स्कूल में शारीरिक टीचर (पीटीआई) के पद पर पदस्थापित था।

12 आरोपियों को गिरफ्तार कर भेज दिया था जेल

थानाधिकारी ओमप्रकाश गोदारा ने बताया- साल 2021 में आयोजित रीट परीक्षा से 2 दिन पहले बालोतरा पुलिस ने एक मकान पर दबिश देकर 2 टीचर को गिरफ्तार कर बड़े नकल गिरोह का पर्दाफाश किया था। इस मामले में पुलिस 22 आरोपियों को नामजद किया गया था। इनमें से मास्टरमाइंड सहित 12 आरोपियों को पुलिस ने पहले गिरफ्तार कर लिया था और जेल भेज दिया था।

गोदारा ने बताया-आरोपियों से पूछताछ में सामने आया था कि ई-मित्र संचालक आरोपी मनोहरलाल ने गिरोह को फर्जी तरीके से एडमिट कार्ड और अन्य दस्तावेज बनाकर उपलब्ध करवाए थे। आरोपी 3 साल से फरार चल रहा था। पुलिस ने उस पर इनाम भी घोषित किया था। पुलिस ने मंगलवार को आरोपी मनोहरलाल को गिरफ्तार कर लिया। मनोहरलाल बालोतरा थाने के टॉप-10 वांटेड में शामिल था।

आरोपी 4 दिन की पुलिस रिमांड पर

थानाधिकारी ने बताया- पुलिस ने आरोपी मनोहरलाल को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया और 4 दिन की रिमांड पर लिया है। अब आरोपी से नकल गिरोह के संबंध में पूछताछ की जा रही है। साल 2022 में आरोपी मनोहरलाल पीटीआई बन गया और गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रामपुरा में पोस्टिंग मिली थी।

डिग्गी कल्याणजी पदयात्रा 11 अगस्त से, सड़क सुधार के लिए डिप्टी सीएम ने निर्देश दिए

जयपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। टोंक जिले के मालपुरा की धार्मिक नगरी डिग्गी में अगले महीने शुरू होने वाले 59वें लक्खी मेले और पदयात्रा से पूर्व मंदिर की ओर जाने वाली सभी सड़कों को दुरुस्त करवाया जाएगा। डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने इस संबंध में बुधवार को पीएचईडी विभाग के अफसरों को निर्देश जारी कर दिए हैं। उन्होंने कहा है कि मंदिर की तरफ जाने वाली सार्वजनिक निर्माण विभाग की सभी सड़कें, जो बरसात के कारण यदि खराब हो गई हैं तो विभाग उन्हें तत्काल ठीक करवाए ताकि पदयात्रियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। प्रदेश के प्रमुख आस्था केंद्र डिग्गी कल्याणजी में 11 अगस्त से लक्खी मेले का आयोजन प्रस्तावित है। 11 अगस्त को जयपुर से पदयात्रा के साथ ही इस मेले का शुभारंभ होगा और 15 अगस्त को पदयात्रा का निशान मंदिर पर चढ़ने के साथ इसका समापन होगा। ज्ञात रहे कि इस मेले एवं पदयात्रा में प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु आते हैं। परियोजना निदेशक आरएसआरडीसी यूनिट टोंक ने बताया कि जयपुर-भीलवाड़ा स्टेट हाईवे सड़क के पेच मरम्मत हेतु प्रस्ताव बनाकर मुख्यालय भेजकर निविदा पूर्ण कर ली गई है। जल्दी ही कार्य आदेश जारी करके इसके पेचवर्क का कार्य पूर्ण करवा दिया जाएगा।

आरबीआई तक नकली नोटों का जाल : 100, 50 और 2000 के नोट शामिल, जोधपुर के अलग-अलग बैंकों से भेजे

जोधपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। जोधपुर में फैलाया गया नकली नोट का जाल आरबीआई तक पहुंच गया है। जिले की अलग-अलग बैंकों से आरबीआई को भेजे गए नोटों में कई नकली नोट पाए गए है। आरबीआई ने जोधपुर सरदारपुरा थाने में मामला दर्ज करवाया गया है।

सरदारपुरा पुलिस से मिली जानकारी अनुसार आरबीआई जयपुर के प्रबंधक शुमैल अहमद ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया कि मई 2023 से अप्रैल 2024 तक बैंक को अलग-अलग बैंक की तिजोरियों से गंदे नोट भेजे गए थे। इनके प्रेषण परीक्षण में कई नोट नकली पाए गए है। इसमें 100, 50 और 2000 के नोट शामिल है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। जोधपुर एसबीआई से भेजे गए गंदे नोटों में 100-100 के 12 नोट मिले है। एक्सिस बैंक से भेजे गए नोटों में 50 के 5 नोट और यूको बैंक से भेजे गए नोट में 2000 के 5 नोट नकली मिले है। जिले में नकली नोट के गिरोह पर सरदारपुरा पुलिस पहले से कार्रवाई कर रही है। पुलिस ने पिछले दिनों प्रदेश में नकली नोट का नेटवर्क चलाने वाले गुरप्रीत सिंह को पंजाब से गिरफ्तार किया था। आरोपी ने जोधपुर के अलावा राजस्थान के अन्य जिलों में भी नकली नोट सप्लाई करने की बात का कबूल की थी। इसके बाद से पुलिस इस संबंध में आगे की जांच कर रही है।

मर्डर की कोशिश करने वाले आरोपी को सजा-सोने की चेन छीनने के दौरान चाकू से गर्दन पर किया था वार

चित्तौड़गढ़, 17 जुलाई (एजेंसियां)। मर्डर की कोशिश करने वाले आरोपी को चित्तौड़गढ़ में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रमांक-2 विनोद कुमार बैरवा ने 7 साल की सजा सुनाई। साथ ही आरोपी पर 45 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। आरोपी युवक पीड़ित के गले से सोने की चेन छीनना चाहता था, इसलिए पीड़ित के गले पर चाकू से वार कर दिया। लेकिन पुलिस जांच में आया था कि यह मर्डर की कोशिश प्लानिंग के साथ की गई थी। प्लानिंग करने वाले आरोपी के खिलाफ सबूत नहीं मिलने पर उसे बरी कर दिया गया। अपर लोक अभियोजक संख्या-2 अब्दुल सत्तार खान ने बताया कि 4 जुलाई 2019 को बस्सी निवासी गणपत सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह रावना ने उदयपुर हॉस्पिटल में एडमिट रहने के दौरान एक रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में बताया था कि 30 जून 2019 के दिन दोपहर करीब 1.30 बजे वो अपने गाय को पानी पिलाने बाड़े में गया था।

उसी दौरान पीछे से एक युवक आया और पीछे से पकड़ कर गले में पहने सोने की चेन छीनने लगा। पीड़ित गणपत ने अपनी चेन पकड़ ली। लेकिन आरोपी ने गर्दन पर चाकू से वार कर दिया। जिससे उसकी गर्दन कट गई। दोनों हाथों से रोकने की कोशिश की तो हाथों में भी चोट लग गई। जब पीड़ित ने पीछे मुड़कर देखा तो वो बस्सी का रहने वाला शरीफ (37) पुत्र अजीज मोहम्मद था। जिसे पीड़ित अच्छे से जानता था। पीड़ित जैसे तैसे अपने घर पहुंचा और बेहोश हो गया। परिजनों ने पहले बस्सी हॉस्पिटल और बाद में चित्तौड़ हॉस्पिटल लेकर आए। हालत खराब होने से उसको उदयपुर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान धाराएं बढ़ाई गई। पुलिस ने आरोपी शरीफ मोहम्मद और नारायण लाल को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ कोर्ट के चालान पेश किया गया।

तेलंगाना को 5.4 टीएमसी, आंध्र प्रदेश को 4.5 टीएमसी पानी आवंटित

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अगस्त के अंत तक अपनी आपातकालीन जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तेलंगाना और आंध्र प्रदेश द्वारा रखे गए नए अनुरोधों पर प्रतिक्रिया देते हुए, कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड ने उन्हें क्रमशः 5.4 टीएमसी और 4.5 टीएमसी पानी आवंटित करने के लिए रिलीज़ ऑर्डर जारी किए हैं।

चूंकि नागार्जुन सागर में पानी की उपलब्धता कुल 9.914 टीएमसी की आवश्यकता से बहुत कम थी, इसलिए केआरएमबी ने अनुरोध को पूरा करने के लिए श्रीशैलम परियोजना से पानी खींचने का फैसला किया था। एनएसपी में उपलब्ध पानी, 500 फीट (एमडीडीएल 510 फीट से 10 फीट नीचे) के महत्वपूर्ण उठाव बिंदु से ऊपर मात्र 4.78 टीएमसी था।

बोर्ड ने श्रीशैलम परियोजना से 5.705 टीएमसी पानी खींचने का फैसला किया। यह 800 फीट (एमडीडीएल 834 फीट) के महत्वपूर्ण उठाव स्तर से ऊपर शुद्ध उपलब्धता थी। अधिकारियों ने कहा कि 10 प्रतिशत वाष्पीकरण हानि को ध्यान में रखते हुए, नागार्जुन सागर बांध में पानी (श्रीशैलम से छोड़े गए) की शुद्ध प्राप्ति 5.134 टीएमसी होगी। श्रीशैलम से छोड़ा जाने वाला पानी इस शर्त पर होगा कि इसे बिजली घरों के माध्यम से भेजा जाएगा ताकि बिजली उत्पादन का लाभ भी मिल सके। बेसिन में हो रही तीव्र कमी को देखते हुए, निकाले गए पानी का विवेकपूर्ण तरीके से उपयोग किया जाना चाहिए।

तेलंगाना के इंजीनियर-इन-चीफ ने कलवाकुर्ती लिफ्ट सिंचाई योजना के तहत मांग को पूरा करने के लिए नया मांगपत्र रखा, जिसके लिए पलैर और उदयसमुद्रम जलाशयों के तहत पीने के पानी की जरूरतों के अलावा एचएमडब्ल्यूएसएसबी की जरूरतों को पूरा करने के लिए सीधे श्रीशैलम परियोजना से पानी निकाला जाना चाहिए। एपी चाहता था कि गुंटूर, पालनाडु, बापटला और प्रकाशम जिलों में पीने के पानी की जरूरतों को पूरा करे।

नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर क्राइम पीएस, हैदराबाद सिटी ने एक आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसने मल्टी नेशनल कंपनी में नौकरी देने की आड़ में शिकायतकर्ता पीड़ित को धोखा दिया और उससे पैसे ऐंठे। आरोपी व्यक्ति साइबर क्राइम पीएस के तहत धारा 66 सी डी आईटीए अधिनियम, 419, 420 आईपीसी के तहत सीआर संख्या 854/2024 में शामिल था। आरोपी व्यक्ति के कब्जे से आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई। पुलिस के अनुसार एक पीड़ित, उम्र: 45 वर्ष, निजी कर्मचारी, निवासी हैदराबाद ने शिकायत दर्ज कराई कि उसे मोबाइल से एक कॉल फरवरी माह में आया। कॉल करने वाले ने ऑनलाइन डेटा एंट्री जॉब देने वाली कंपनी से होने का दावा किया। शिकायतकर्ता ने प्रस्ताव को वास्तविक पाया और भाग लेने के लिए सहमत हो गया। संदिग्ध ने उसे बताया कि उसे नौकरी के लिए चुना गया है, लेकिन काम शुरू करने के लिए उसे तुरंत 2000 रुपये देने होंगे। शिकायतकर्ता ने रकम ट्रांसफर कर दी, जिसके बाद संदिग्ध ने उस पर गलत टाइपिंग का आरोप लगाया और 1000 रुपये का जुर्माना लगाया। शिकायतकर्ता ने जुर्माना भर दिया और संदिग्ध को विभिन्न कारणों से रकम ट्रांसफर करना जारी रखा, जो कुल 5,73,208 रुपये थी। गिरफ्तार आरोपी बिंदे पवन कल्याण ,इलांधु, खम्मम, तेलंगाना का रहने वाला है। आरोपी पहले इंटरनेट कैफे चलाता था और नौकरी की तलाश कर रहा था, लेकिन बिना पैसे कमाए दैनिक जरूरतों को पूरा करना बहुत मुश्किल था। इसलिए, उसने अवैध रूप से पैसे कमाने की योजना बनाई। उसने नौकरी चाहने वालों को नौकरी प्रदान करने वाले कंसल्टेंसी मैनेजर के रूप में प्ले स्टोर में एक ऐप पर विवरण अपलोड किया। कुछ दिनों के बाद, उसे एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने नई नौकरी के लिए कहा। आरोपी ने खुद को "टीक्यूआर कंपनी" नामक एक कंपनी में कंसल्टेंसी मैनेजर के रूप में पेश किया और जगदीश को बताया कि उसकी कंपनी में नौकरी के रिक्त पद हैं। उसने आगे उनकी इच्छा के बारे में पूछा, यह कहते हुए कि वह उन्हें शुल्क के आधार पर अपनी कंपनी के लिए चयनित कराने में मदद करेगा। इस पर विश्वास करते हुए, पीड़ित ने नौकरी के पदों के बारे में पूछताछ की। आरोपी ने उन्हें बताया कि पंजीकरण के लिए शुरू में 2,000 का खर्च आएगा। बाद में, उन्होंने पैसे आरोपी के खाते में स्थानांतरित कर दिए, और उसने फर्जी प्रस्ताव भेजकर उनकी नौकरी पक्की कर दी। इसके बाद, पीड़ित ने आरोपी व्यक्ति को और पैसे भेजे, कुल मिलाकर 5,73,208 रुपए दिए। इसके बाद, आरोपी ने पीड़ित को जवाब देना बंद कर दिया। पुलिस ने कहा कि इस संबंध में, आम जनता को सलाह दी जाती है कि वे अज्ञात व्यक्तियों से अविश्वसनीय नौकरी के प्रस्तावों पर विश्वास न करें और नौकरी पाने के लिए पैसा जमा न करें, क्योंकि नौकरियां योग्यता के आधार पर प्रदान की जाती हैं। कोई भी कंपनी नौकरी देने के लिए पैसे नहीं लेगी।

अगस्त के अंत तक दो लाख रुपये की ऋण माफी : डिप्टी सीएम

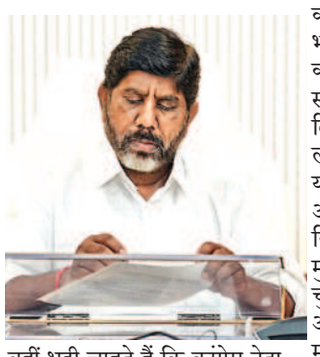

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने कहा कि अगस्त के अंत से पहले किसानों के लिए 2 लाख रुपये तक की ऋण माफी पूरी हो जाएगी। बुधवार को यहां प्रजा भवन में प्रमुख कांग्रेस नेताओं से बात करते हुए भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार द्वारा राज्य को जिस कठिन वित्तीय स्थिति में छोड़ दिया गया था, उसे देखते हुए उन्होंने ऋण माफी योजना के कार्यान्वयन के लिए कई रातें जागकर बिताई थीं। उपमुख्यमंत्री ने कहा, "कई कठिनाइयों के बावजूद, राज्य सरकार ने एक-एक रुपया जुटाया है और ऋण माफी कार्यक्रम को आगे बढ़ाया है।" यह स्पष्ट करते हुए कि सभी किसान परिवारों को ऋण माफी दी जाएगी, उन्होंने कहा कि राशन कार्ड के बिना छह लाख परिवारों को भी इसके दायरे में लाया जाएगा और किसी भी किसान को इससे वंचित नहीं रखा जाएगा। सरकार जहां कर्ज माफी कार्यक्रम को लागू करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रही है, वहीं भट्टी चाहते हैं कि कांग्रेस नेता कर्ज माफी कार्यक्रम को हर मतदान केंद्र और हर मतदाता तक ले जाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार जो अधिशेष बजट के साथ सत्ता में आई थी, ने 25,000 रुपये की दर से चार किस्तों में 1 लाख रुपये की कर्ज माफी योजना लागू की थी। कांग्रेस पार्टी सत्ता में आई और सरकार बनाने के बाद उसे 7 लाख करोड़ रुपये का कर्ज विरासत में मिला। फिर भी, हम कुछ महीनों के भीतर 2 लाख रुपये की कर्ज माफी योजना लागू कर रहे हैं, उपमुख्यमंत्री ने कहा। भट्टी विक्रमार्क ने कहा, "वित्तीय कठिनाइयों के बावजूद, कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने के कुछ दिनों के भीतर पांच गारंटी योजनाएं लागू की हैं। लेकिन, इन गारंटी योजनाओं का क्षेत्र स्तर पर अपेक्षित सीमा तक प्रचार नहीं किया जा रहा है।" "जब मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने संसदीय चुनावों से पहले घोषणा की कि अगस्त के अंत से पहले ऋण माफी योजना पूरी हो जाएगी, तो हर कोई हैरान रह गया था। कुछ लोगों ने सोचा कि यह चुनावों के मद्देनजर वोटों के लिए की गई घोषणा है। लेकिन, हर किसी के संदेह को झुठलाते हुए, "हम वास्तव में ऋण माफी को लागू करने जा रहे हैं क्योंकि हमने रुपये-दर-रुपये सावधानीपूर्वक धन जुटाया है," भट्टी, जो वित्त विभाग संभालते हैं, ने कहा। भट्टी ने कहा, "कांग्रेस पार्टी अपने वचन के प्रति प्रतिबद्ध है और किसानों का दिल जीतने के लिए यह तथ्य उन्हें समझाया जाना चाहिए।"

रोटरी क्लब ने मनाया स्थापना दिवस

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद सेंटिनियल का 20 वां स्थापना दिवस बंजारा हिल्स में मनाया गया।

गेस्ट ऑफ़ आनर के रूप में इंस्टॉलेशन ऑफ़िसर पीडीजी के. प्रभाकर और आरटीएन सीता को आमंत्रित किया गया। इस नए वर्ष 2024-25 का कार्यभार अध्यक्ष रामराज खत्री ने इस वर्ष के अध्यक्ष पराग शाह और पंकज कुमार संघी ने नए सचिव विजय सारथी को सौंपा। इस वर्ष के असिस्टेंट गवर्नर गोविंद अग्रवाल रहेंगे। माधवी लता ने रोटरी क्लब ऑफ़ हैदराबाद सेंटिनियल के मेंबर्स को बधाई दी और कहा कि आगे भी यह क्लब बड़े उन्नति से चलता रहे और लोगों की सेवा करता रहे।

भूतपूर्व अध्यक्ष रामराज ख़तरी ने सभी का धन्यवाद किया तथा पंकज कुमार संघी ने साल भर का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। तत्पश्चात नव निर्वाचित अध्यक्ष पराग शाह ने स्कूल में 5000 नोटबुक देने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर अशोका काबरा, डॉक्टर देवेन्द्र, महैश सिंघानिया, अनिल डनडू, आशीष अवस्थी, नितिन अग्रवाल, दिवाकर, अमित गुप्ता, वेंकटराम रेड्डी, अनिल कौत्ता, गोविंदा पैलोड, पारस जोशी, रजनीश सिंघानिया, वैभव सिंघानिया, राजेश अग्रवाल, सुधीर पित्ती, दीपक पितती आदि उपस्थित थे।

आनंद कुमार गौड ने संगठन के मुद्दों को लेकर केटीआर से भेंट की

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष, सिरिसिला विधायक और पूर्व मंत्री केटीआर से गोशामहल बीआरएस नेता एम आनंद कुमार गौड़ ने नंदिनी हिल्स में भेंट की। जिसमें आनंद कुमार गौड़ से गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित मुद्दों के बारे में वार्तालाप किया। केटीआर ने सुझाव दिया कि पार्टी बदलने वालों पर ध्यान दिए बिना अपना काम करना चाहिए। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने पर भी जोर दिया।

एसबीआई हैदराबाद सर्कल द्वारा साइक्लोथॉन का आयोजन

बैंकों के विभिन्न भवनों में हरित आवरण में बढ़ोत्तरी : सीजीएम

हैदराबाद, 17 जुलाई(स्वतंत्र वार्ता)। देश की अग्रणी बैंक स्टेट बैंक आफ इण्डिया-एसबीआई हैदराबाद सर्कल ने कर्मचारियों के बीच स्थिरता पहल उपायों को बढ़ावा देने के लिए नेकलेस रोड स्थित पी वी ज्ञान भूमि में साइक्लोथॉन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका विषय हमारी भूमि और हमारे भविष्य की देखभाल के लिए 'पेडल फार द प्लैनेट' था।मुख्य महाप्रबंधक राजेश कुमार और सर्कल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रॅली को रवाना किया।

जिसमें एसबीआई हैदराबाद सर्कल मुख्य महाप्रबंधक राजेश कुमार ने कहा कि, भूनिर्माण गतिविधियों को अपनाकर बैंकों के विभिन्न भवनों में हरित आवरण को बढ़ाया जा रहा है। एसबीआई एवं उसके कर्मचारी हमेशा भारत की स्थिरता की यात्रा में संगीसाथी होंगे। हाल ही में एसबीआई में शामिल हुए युवा अधिकारियों के मन में स्थिरता की संस्कृति को स्थापित करना है तथा बैंक की आकांक्षा है कि जलवायु वित्त में भारत का नेतृत्व करना है, ताकि वर्ष 2055 में, अर्थात एसबीआई गठन का शताब्दी वर्ष तक नेट जीरो एमीशन्स को प्राप्त करना। यही नहीं कार्बन तटस्थता प्राप्त करने के स्वैच्छिक रूप से परिकल्पित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बैंक वर्ष 2030 तक अपने परिचालन के कार्बन फूटप्रिन्ट को कम करेगा।

इस कार्यक्रम में, एसबीआई सर्कल महाप्रबंधक प्रकाश चंद्र बरोर और रवि कुमार वर्मा ने युवा पीढ़ी को हमारी प्रकृति और ग्रह की सुरक्षा के लिए स्थिरता प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में, एसबीआई वरिष्ठ अधिकारियों सहित 2023 बैच के प्रोबेशनरी ऑफिसर्स ने भी भाग लिया।

तेलंगाना के मल्काजगिरी के सांसद इटेला राजेन्द्र, ने बुधवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैनसे मुलाकात की और अपने क्षेत्र से संबंधित रेल विकास योजनाओं पर चर्चा की।

जामबाग नगरसेवक राकेश जयसवाल ने आषाढ़ एकादशी पर जंगल विठोबा मंदिर गौलीगुड़ा में दर्शन किए। इस अवसर पर जी किशन यादव, नगरसेवक शंकर यादव, वी पांडु यादव, रघुनंदन यादव, वेंकट रमना, सुरेश टॉल्डी अन्य उपस्थित थे।

अग्रसेन बैंक के निर्वाचित अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया को राजस्थानी समाज, मुरली नगर के सदस्य लक्ष्मी नारायण मालपाणी, विश्वनाथ अग्रवाल, शिवकुमार मालवाले, धनश्यामदास लड्डा एवं उमेशकुमार अग्रवाल द्वारा सम्मानित किया गया।

श्री बालाजी राजस्थानी मंडल ट्रस्ट के चुनाव संपन्न

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री बालाजी राजस्थानी मंडल ट्रस्ट के चुनाव अमीरपेट स्थित बालाजी भवन में संपन्न हुआ। जिसमें सर्वसम्मति से चेयरमैन राजेश काबरा, वाईस चेयरमैन पवन लोहिया, मैनेजिंग ट्रस्टी महेंद्रसिंह राजपुरोहित, कोषाध्यक्ष प्रेमसिंह राजपुरोहित को नियुक्त किया गया। इस अवसर पर ट्रस्टी भंवरसिंह राजपुरोहित, वासुदेव काबरा एवं उत्तमसिंह राजपुरोहित, आनंद सोनी उपस्थित थे।

खम्मम में मादक पदार्थ निरोधक नियंत्रण प्रकोष्ठ की स्थापना

खम्मम, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त सुनील दत्त ने बताया कि मादक पदार्थों की आपूर्ति और उपयोग को जड़ से खत्म करने के लिए विशेष टीमें बनाई जा रही हैं, जबकि इस उद्देश्य के लिए सूचना नेटवर्क को मजबूत किया जा रहा है।

जिले में मादक पदार्थों की आपूर्ति और खपत को नियंत्रित करने के लिए टीमें लगातार काम करेंगी। पुलिस विभाग, जो मुख्य रूप से प्रवर्तन, नशामुक्ति और रोकथाम पर ध्यान केंद्रित करता है, ने मादक पदार्थ निरोधक नियंत्रण प्रकोष्ठ की स्थापना की है, सीपी ने बताया।

दत्त ने कहा कि 8712659123 नंबर के साथ मादक पदार्थ निरोधक नियंत्रण शाखा की स्थापना की गई है। लोग फोन नंबर और व्हाट्सएप के जरिए जानकारी और शिकायत दे सकते हैं। सूचना देने वालों का विवरण गोपनीय रखा जाएगा। विशेष रूप से छात्रों को मादक पदार्थों के सेवन से रोकने के लिए शिक्षण संस्थानों में नशा निरोधक समितियों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि लोगों में मादक पदार्थों की बुराइयों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए गांवों में रैलियां और सम्मेलन आयोजित करने के अलावा, जिले की सीमाओं पर कड़ी निगरानी के साथ इसे रोकने के लिए कदम उठाए गए हैं।

भांग का सेवन करने वालों की पहचान करने और उन्हें चिकित्सा उपचार प्रदान करने के लिए कदम उठाए गए हैं। पुलिस आयुक्त ने कहा कि आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ से सड़क मार्ग से मादक पदार्थों के परिवहन को रोकने के लिए जिले की सीमाओं पर जांच को मजबूत करने के लिए एक योजना तैयार की गई है और उसे लागू किया जा रहा है।

11.22 लाख रुपये के गुटखा तस्करी के आरोप में एक गिरफ्तार

आसिफाबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वानकीडी मंडल केंद्र में गुटखा की तस्करी के आरोप में बुधवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 11.22 लाख रुपये के गुटखा पैकेट से भरे चालीस बैग जब्त किए गए।

वानकीडी उपनिरीक्षक डोलकासी सागर ने बताया कि वानकीडी मंडल केंद्र के शहीद को उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह महाराष्ट्र से आसिफाबाद ऑटो रिक्शा में गुटखा ले जा रहा था। वाहन जांच के दौरान शहीद के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। जांच शुरू कर दी गई है।

बिरन्ना स्वामी बोनाला में मंत्री सुरेखा ने लिया भाग

वारंगल, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री कोंडा सुरेखा, मेयर गुंडू सुधारानी और मेयर गुंडू सुधारानी ने बिरन्ना स्वामी बोनाला में भाग लिया और विशेष पूजा की।

बुधवार को वारंगल शहर के ओ सिटी में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री कोंडा सुरेखा ने सभी शहरवासियों को पोचम्मा बोनाला पर्व की शुभकामनाएं दीं और कहा कि देवी पोचम्मथल्ली का आशीर्वाद शहर के सभी लोगों पर बना रहे। इस कार्यक्रम में पार्षद ओनी स्वर्णलता भास्कर एवं अन्य शामिल हुए।

4 किलो गांजा जब्त, पुलिस ने नौ लोगों को पकड़ा

सिद्दीपेट, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट पुलिस ने मंगलवार को सिद्दीपेट शहर के केसीआर नगर में एक थोक व्यापारी से सूखा गांजा खरीदते समय कथित तौर पर नौ लोगों को पकड़ा। पुलिस ने आरोपियों से चार किलो गांजा और एक कार जब्त की।

पुलिस ने कहा कि आरोपियों में से एक गणेश आंध्र प्रदेश से गांजा ला रहा था। वह नियमित रूप से बाकी लोगों को गांजा सप्लाई करता था, जो इसे अपने इलाके में नियमित ग्राहकों को बेचते थे। आरोपियों को अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। सिद्दीपेट एसीपी मधु ने गांजा रखने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। सिद्दीपेट टू-टाउन पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

एनआरआई उद्यमी बनकर लोगों से करोड़ों रुपए ठगने वाली महिला गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने एक 29 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया है, जिसने कथित तौर पर विभिन्न व्यवसायों में किए गए निवेश पर उच्च लाभ के बहाने लोगों से करोड़ों रुपए ठगे हैं। गिरफ्तार महिला पी इंदिरा देवी रेड्डी, नल्लागंडला, सेरिलिंगमपल्ली की निवासी है, जिसने खुद को एक एनआरआई उद्यमी के रूप में पेश किया और लोगों से विभिन्न व्यवसायों में निवेश के लिए पैसे एकत्र किए।

डीसीपी (ईओडब्ल्यू) साइबराबाद, के प्रसाद ने कहा, "उसने एक व्यक्ति को उच्च लाभ का वादा करके 3.06 करोड़ रुपए ठगे। इसके अलावा, उसने उसे धोखा दिया और उससे दो कारें और तीन मोबाइल फोन ले लिए।"

पीड़ित एस सत्यनारायण ने पुलिस में शिकायत की थी और इंदिरा देवी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने लोगों को सलाह दी कि वे ऐसे धोखेबाजों का शिकार न बनें जो निवेश पर उच्च रिटर्न का वादा करके लालच देते हैं।

देवशयनी एकादशी के अवसर पर गौलीगुडा स्थित जंगल विठोबा मंदिर सिकंदराबाद एवं बोईनपल्ली मार्केट व्यापारी संघ के अध्यक्ष ए गौतम जैन ने पूजा एवं दर्शन किए। इस अवसर पर मंदिर के संस्थापक किशन यादव, टीपीसीसी सचिव पी राजेंद्र यादव, मनिलाल शाह, गजानंद चौधरी, रघुनंद गोप, एम नरसिंग राव, सुरेश यादव, प्रकाश यादव एवं अन्य की उपस्थिति रही।

साइबर पुलिस ने फ्रीज किए जालसाजों के खाते

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने चार लोगों के 28.07 लाख रुपये के ट्रांसफर को रोक दिया, जिन्हें साइबर जालसाजों को पैसे ट्रांसफर करने के लिए ठगा गया था।

पहले मामले में, पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी के शिकार व्यक्ति के 20.08 लाख रुपये के ट्रांसफर को रोक दिया। जब पीड़ित ने साइबर धोखाधड़ी के बारे में एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई, तो एक निजी बैंक के साथ तत्काल समन्वय के बाद राशि रोक दी गई। अन्य मामलों में, पुलिस ने तीन पीड़ितों के 2 लाख रुपये, 5.9 लाख रुपये और 9.40 लाख रुपये के फंड ट्रांसफर को सफलतापूर्वक रोक दिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

श्रीलंका के पूर्व कप्तान की पत्नी और बच्चों के सामने गोली मारकर हत्या

हत्यारे की तलाश में जुटी पुलिस

कोलंबो, 17 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीलंकाई मीडिया के अनुसार, श्रीलंका की अंडर-19 क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान धम्मिका निरोशन (41) की मंगलवार रात (16 जुलाई 2024) को गॉले जिले के एक छोटे से शहर अम्बालांगोडा के कांडा मावथा में उनके आवास पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। स्थानीय पुलिस के अनुसार, धम्मिका निरोशन पत्नी और दो बच्चों के साथ थे, तभी एक अज्ञात व्यक्ति ने उन पर गोली चलाई।

पुलिस अब तक संदिग्ध को पकड़ नहीं पाई है। फिलहाल गहन जांच जारी है, लेकिन अपराध के पीछे का मकसद अब तक स्पष्ट नहीं है। धम्मिका निरोशन को कथित तौर पर 12 बोर की राइफल से गोली मारी गई। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज धम्मिका निरोशन को उनके खेल के दिनों में एक उभरती हुई प्रतिभा के रूप में आंका गया था। धम्मिका निरोशन ने 2001 से 2004 तक गॉले क्रिकेट क्लब के लिए 12 प्रथम श्रेणी और 8 लिस्ट ए मैच खेले। उसमें उन्होंने 300 से अधिक रन बनाए और 19 विकेट लिए। उन्होंने 2000 में श्रीलंकाई अंडर-19 टीम के लिए पदार्पण किया और दो साल तक अंडर-19 टेस्ट और वनडे क्रिकेट खेला।

धम्मिका की कप्तानी में खेले दिग्गज खिलाड़ी

22 फरवरी 1983 को गॉले में जन्में धम्मिका निरोशन ने 10 मैच में श्रीलंका की अंडर-19 टीम की कप्तानी की। फरवीज महरूफ, एंजेलो मैथ्यूज और उपुल थरंगा जैसे खिलाड़ियों ने उनके अधीन खेला। इन सभी ने राष्ट्रीय स्तर पर श्रीलंका का प्रतिनिधित्व किया। हालांकि, धम्मिका निरोशन का करियर कभी उड़ान नहीं भर पाया। उन्होंने दिसंबर 2004 में अपना अंतिम प्रतिस्पर्धी क्रिकेट मैच खेला था।

व्हाइट-बॉल सीरीज में भारत की मेज़बानी करेगा श्रीलंका

इस बीच, श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए भारत की मेज़बानी करने की तैयारी कर रहा है। आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद श्रीलंकाई टीम 3 मैच की टी20 सीरीज में वर्ल्ड चैंपियन से भिड़ेगी।

इसके बाद 3 मैच की ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सीरीज होगी। टी20 विश्व कप 2024 के बाद वानिंदु हसरंगा ने श्रीलंकाई टी20 टीम की कप्तानी छोड़ दी थी। भारत का श्रीलंका दौरा 27 जुलाई को टी20 इंटरनेशनल मैच के साथ शुरू होगा। यह भारतीय क्रिकेट में एक नया अध्याय भी लिखेगा क्योंकि गौतम गंभीर बतौर मुख्य कोच डेब्यू करेंगे। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा के टी20 इंटरनेशनल से संन्यास के बाद यह पहली बड़ी सीरीज भी होगी।

श्रीलंका दौरे पर सूर्या बन सकते हैं कप्तान

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक तीन मैचों की टी-20 सीरीज के लिए पूरी तरह से फिट और उपलब्ध हैं और उन्हें टीम की कप्तानी करनी थी, लेकिन इस बात की संभावना है कि सूर्या न केवल श्रीलंका सीरीज के लिए बल्कि 2026 वर्ल्ड कप तक टीम कप्तान होंगे। एक दूसरे रिपोर्ट में कहा गया है कि हार्दिक को रोहित की जगह लंबे समय तक टी-20 कप्तान के रूप में चुना जा सकता है, लेकिन उनकी फिटनेस के कारण सूर्यकुमार को यह जिम्मेदारी मिल सकती है। पिछले एक साल में हार्दिक चोटों के कारण कई मैच मिस कर चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर और सिलेक्टर अजित अगरकर ने पंड्या से इस बारे में बात की और उन्हें बताया है कि लॉन्ग टर्म ऑप्शन देखा जा रहा है। रोहित शर्मा ने 17 साल बाद टीम इंडिया को टी-20 वर्ल्ड कप जिताने के बाद इस फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है।

यशस्वी जायसवाल ने आईसीसी रैंकिंग में मारा तगड़ा उछाल

शुभमन गिल ने भी काटा गदर

दुबई, 17 जुलाई (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसलि (आईसीसी) की ताजा रैंकिंग बुधवार को जारी हुई. इसमें सबसे ज्यादा फायदा यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल को हुआ. इन दोनों ही ओपनर बल्लेबाजों ने जिम्बाब्वे के खलिाफ टी20 सीरीज में तगड़ा प्रदर्शन किया था।

युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने सीरीज में 141 रन बनाए और अब चार पायदान चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गए. टी20 में नंबर 1 बल्लेबाज ट्रेविस हेड और दूसरे स्थान पर सूर्यकुमार यादव हैं. जम्बिाब्वे सीरीज में भारतीय क्रिकेट टीम की कमान संभालने वाले शुभमन गिल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे और वह भी बल्लेबाजी चार्ट में ऊपर चढ़े हैं. पांच पारियों में 170 रन बनाने के कारण वह 36 पायदान चढ़कर 37वें स्थान पर पहुंच गए हैं। गिल अब टी20 इंटरेशनल में इतनी ऊंची रैंकिंग में पहुंचने वाले भारत के चौथे खिलाड़ी हैं. 24 वर्षीय गिल हाल ही में रिटायर हुए रोहित शर्मा (42) और विराट कोहली (51वें) से आगे निकल गए हैं. अब केवल सूर्यकुमार (दूसरे), जायसवाल (छठे) और ऋतुराज गायकवाड़ (आठवें) से पीछे हैं. भारतीय टीम वनडे और टी20 फॉर्मेट में नंबर 1 है, दूसरी ओर ऑस्ट्रेलयिा टेस्ट में नंबर 1 है।

मुकेश और वॉशिंगटन की रैंकिंग भी सुधरी

जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी ने भारत के खिलाफ छह विकेट लेने के बाद टी20आई गेंदबाजों की सीरीज में 11 पायदान की छलांग लगाकर 44वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि वाशिंगटन सुंदर (36 पायदान ऊपर 46वें स्थान पर) और मुकेश कुमार (21 पायदान ऊपर 73वें स्थान पर) भी आगे बढ़े हैं। भारत ने हाल ही में जिम्बाब्वे पर 4-1 से प्रभावशाली सीरीज जीत दर्ज की थी. इंग्लैंड के स्पिनर आदिल राशिद टी-20 गेंदबाजों की सूची में पहले स्थान पर बने हुए हैं. एनरकि नोकिया दूसरे थान पर हैं.

चोट के कारण मेसी अनिश्चित काल के लिए मैदान से बाहर

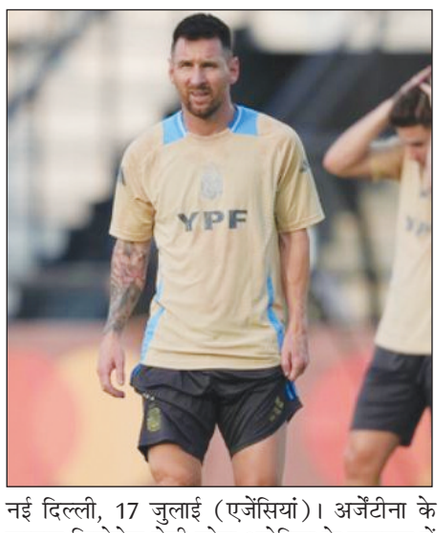

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी कोपा अमेरिका के फाइनल में चोटिल होकर बाहर चले गए थे। लेकिन अर्जेंटीना ने उनके बिना भी एक रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज की। खास बात ये है कि मेसी सही से चल भी नहीं पा रहे थे लेकिन इसके बावजूद वो बेंच से उठकर गए और टीम के साथ जीत का जश्न मनाया।

हालांकि, मेसी की चोट को लेकर उनके फैंस काफी परेशान हैं। उनके दाहिने टखने में बहुत अधिक सूजन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय है। इस बीच मेजर लीग सॉकर क्लब इंटर मियामी ने पुष्टि की है कि उनके कप्तान को 'दाहिने टखने के लिगामेंट में चोट' लगी है। उनकी वापसी की कोई तय तारीख नहीं होगी। लेकिन आने वाले कुछ हफ्तों में इस पर चीजें साफ होंगी। इंटर मियामी के बयान में कहा गया, मेडिकल जांच के बाद, यह निर्धारित किया गया है कि लियोनेल मेसी को दाहिने टखने के लिगामेंट में चोट लगी है। कप्तान की उपलब्धता समय-समय पर किए जाने वाले आकलन और उनकी रिकवरी की प्रगति के आधार पर निर्धारित की जाएगी। मियामी के कोच मार्टिनो ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा, मेसी की काफी चोट लगी है, उनका टखना मुड़ गया था। इसलिए जांच की आवश्यकता है और रिपोर्ट की प्रतीक्षा करनी होगी। स्थिति की गंभीरता का पता लगाने के लिए परीक्षण किए जाएंगे। हमें काइनेसियोलॉजिस्ट वाल्टर इंसाउराल्ड के माध्यम से सूचित किया जाता है, जो राष्ट्रीय टीम के भी काइनेसियोलॉजिस्ट हैं। मेस्सी अमेरिका में अपने कार्यकाल के दौरान शानदार फॉर्म में रहे हैं। आठ बार बैलन डी'ओर विजेता ने 12 एमएलएस मैचों में 12 गोल किए हैं और 13 गोल में मदद की है। बता दें, अर्जेंटीना ने रविवार को फ्लोरिडा के हार्ड रॉक स्टेडियम में मार्टिनेज के अतिरिक्त समय के गोल की बदौलत कोलंबिया को 1-0 से हराकर अपना रिकॉर्ड 16वां कोपा अमेरिका खिताब हासिल किया।

गौतम गंभीर ने भावुक वीडियो के साथ छोड़ा केकेआर का साथ, बोले अब वक्त आ गया है...

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम का मुख्य कोच चुने जाने के बाद यह तय हो गया था कि अब गौतम गंभीर इंडियन प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी टीम कोलकाता नाइटराइडर्स के साथ नहीं होंगे. टीम इंडिया के लिए जीत का सपना देखा है तो फिर केकेआर का साथ इसी मोड़ पर छोड़ना होगा. गौतम गंभीर ने टीम को अलविदा कहने से पहले एक बेहद भावुक संदेश अपने फैंस के लिए जारी किया है.

कोलकाता को आईपीएल चैंपियन बनाने वाले इस धुरंधर का वीडियो भावुक कर देने वाला है. गंभीर ने केकेआर का साथ छोड़ते हुए कहा, "जब आप मुस्कुराते हैं तो मैं भी मुस्कुराता हूं. जब आप रोते हैं तो मैं भी रोता हूं. जब आप की जीत होती है तो वो मेरी भी जीत होती है. जब आपकी हार होती है तो मैं भी हारता हूं।

भारतीय टीम में विराट और रोहित की जगह कोई नहीं ले सकता : कपिल देव

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने कहा है कि अनुभवी जोड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा सभी प्रारूपों में भारतीय टीम में 'अपूरणीय' हैं और कपिल ने उन्हें 'सचिन तेंदुलकर और एमएस धोनी के समान' कहा है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में भारत की रोमांचक जीत में 76 रनों की मैच जिताऊ पारी खेलने के बाद कोहली ने टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। बाद में, प्रेस कॉन्फ्रेंस में, रोहित ने भी अपने टी20 करियर को अलविदा कह दिया। कपिल देव, जो पीजीटीआई के अध्यक्ष भी हैं, ने ट्रिनिटी गोल्फ चैम्पियनशिप लीग के दूसरे संस्करण के कर्टेन रेज़र इवेंट के मौके पर आईएएनएस से कहा, ₹किसी भी प्रारूप में भारतीय टीम में विराट और रोहित की जगह कोई नहीं ले सकता।

वे भारतीय क्रिकेट के बहुत बड़े सेवक रहे हैं और यह उनके लिए एक सुखद विदाई थी। विराट ने सभी प्रारूपों में अपना जो कद बनाया है, निश्चित रूप से टी-20 में उनकी कमी खलेगी। दोनों सचिन तेंदुलकर और एमएस धोनी के समान हैं। वे अपूरणीय हैं।"

कोहली की टी20 यात्रा जून 2010 में शुरू हुई। 14 वर्षों में, उन्होंने 125 टी20 मैचों में 4188 रन बनाए, जिसमें एक शतक और 38 अर्धशतक शामिल थे। खेल के प्रति उनके अथक समर्पण और जुनून ने उन्हें टी20 में दूसरा सबसे ज्यादा रन बनाने वाला खिलाड़ी बना दिया, केवल रोहित, जिनकी सेवानिवृत्ति एक शानदार टी20 करियर के अंत का प्रतीक है, जिसके दौरान वह 159 मैचों में 4231 रन बनाकर प्रारूप के सर्वोच्च स्कोरर बन गए। रोहित के नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक शतकों का रिकॉर्ड भी है, जिसमें उनके नाम पांच शतक हैं। उनकी टी 20 यात्रा 2007 में उद्घाटन टी20 विश्व कप के साथ शुरू हुई, जहां वह भारत की पहली खिताबी जीत में प्रमुख खिलाड़ी थे।

खेलों के महाकुंभ में 9 दिन बाकी : पेरिस तीन ओलिंपिक कराने वाला दूसरा शहर

90 लाख टिकट बिके, ओपनिंग में छह लाख फैंस की उम्मीद

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के 117 खिलाड़ी उतरेंगे, पिछले गेम्स से 7 कमः पेरिस ओलिंपिक में भारत के 70 पुरुष व 47 महिला खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। ये 2021 में आयोजित टोक्यो ओलिंपिक से 7 कम हैं। यह पहली बार होगा, जब शूटिंग में हमारे खिलाड़ी सभी इवेंट में उतरेंगे।

पेरिस ओलिंपिक 2024 को शुरू होने में 9 दिन बाकी हैं। 26 जुलाई से जब पेरिस में खेलों का महाकुंभ शुरू होगा, तो यह तीन ओलिंपिक की मेजबानी करने वाला लंदन के बाद दूसरा शहर बन जाएगा। पेरिस में इससे पहले ओलिंपिक साल 1900 व 1924 में हुए थे जबकि लंदन ने 1908, 1948, 2012 में मेजबानी की थी। पेरिस में 100 साल बाद समर गेम्स हो रहे हैं, जिसका मोटो है- गेम्स वाइड ओपन'। यानी खेल ज्यादा विशाल, अलग और ज्यादा ओपन।

गेम्स को सबसे बड़ा बनाने के लिए ओपनिंग स्टेडियम के बजाय नदी किनारे करने का फैसला किया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा दर्शक वहां मौजूद रहकर देख सकें। पेरिस के बीचों-बीच होने वाली सेरेमनी में 6 लाख फैंस के पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें से 2 लाख 22,000 टिकट फ्री बांटे गए हैं। ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर को उम्मीद है कि सिर्फ ओपनिंग को ही दुनियाभर में करीब 150 करोड़ लोग टीवी पर देखेंगे। साल 2016 में पूरे रियो ओलिंपिक की व्यूअरशिप 320 करोड़ रही थी, तो एक गेम्स का रिकॉर्ड था।

संन्यास के बाद भी इंग्लैंड के ड्रेसिंग रूम में रहेंगे जेम्स एंडरसन

निभाएंगे अहम जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच के बाद दिग्गज जेम्स एंडरसन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया। 41 साल के इस दिग्गज ने भले ही संन्यास ले लिया हो, लेकिन इंग्लैंड के ड्रेसिंग रूम को वह अभी नहीं छोड़ेंगे। संन्यास के बाद उन्हें अहम जिम्मेदारी मिली है। बेन स्टोक्स की अगुआई वाली टीम को अलविदा कहने के बाद वह कोच ब्रेंडन मैकुलम की टीम का हिस्सा बन गए हैं।

यानी एंडरसन को इंग्लैंड का बॉलिंग मेंटर बना दिया गया है। वह मंगलवार (16 जुलाई) को पहली बार इस भूमिका में दिखे। वह जब इंग्लैंड के ट्रैक सूट में मैदान पर नई भूमिका में उतरे तो टीम के पूर्व साथियों और नए कोचिंग सहयोगियों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया गया। उन्होंने अपने नए भूमिका की शुरुआत हेड को ब्रेंडन मैकुलम को स्लिप कॉर्डन के ड्रिल में मदद करके की। उन्होंने तेज गेंदबाज मार्क वुड और डिल्लन पेनिंग्टन के साथ समय बिताया। मैथ्यू पॉट्स ने भी गेंदबाजी प्रैक्टिस की।

इंग्लैंड की प्लेइंग 11 घोषित

बता दें कि इंग्लैंड ने हमेशा की तरह टेस्ट मैच शुरू होने से पहले ही प्लेइंग 11 घोषित कर दी है। बेन स्टोक्स ने टीम में केवल एक बदलाव किया है। जेम्स एंडरसन की जगह मार्क वुड को मौका मिला। लॉर्ड्स टेस्ट में गस एटकिंसन ने डेब्यू किया था। उन्होंने मैच में 12 विकेट लिए थे। वुड पहले टेस्ट में टीम का हिस्सा नहीं थे।

जेम्स एंडरसन का लंबा टेस्ट करियर

जेम्स एंडरसन का लंबा टेस्ट करियर क्रिकेट के लिए उनके अटूट समर्पण का प्रमाण है। अपने 188 टेस्ट मैचों में, उन्होंने 56.8 की स्ट्राइक रेट और 2.79 की इकॉनमी रेट के साथ 26.45 की औसत से 704 विकेट लिए। 7/42 के उनके सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े बल्लेबाजी लाइनअप को ध्वस्त करने की उनकी क्षमता को

एशियाई पैरालंपिक समिति का बड़ा फैसला

दीपा मलिक को दक्षिण एशिया के लिए नियुक्त किया प्रतिनिधि

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की पहली महिला पैरालंपिक पदक विजेता दीपा मलिक को एशियाई पैरालंपिक समिति (एपीसी) ने दक्षिण एशिया के लिए उप क्षेत्रीय प्रतिनिधि नियुक्त किया है। एपीसी की 34वीं कार्यकारी बोर्ड बैठक के दौरान यह फैसला लिया गया। दीपा तुरंत पद की जिम्मेदारी संभालेंगी। भारत की पूर्व पैरालंपिक समिति प्रमुख की नियुक्ति से कार्यकारी बोर्ड में महिला प्रतिनिधियों की संख्या पांच हो गई है जो एपीसी के इतिहास में बोर्ड में महिलाओं का सबसे अधिक प्रतिनिधित्व है। एपीसी के अध्यक्ष माजिद रशीद ने कहा, हमारे कार्यकारी बोर्ड की बैठकों में महिलाओं की संख्या में इजाफा होना सकारात्मक कदम है, विशेषकर जब डॉक्टर दीपा मलिक के अनुभव, कौशल और जानकारी रखने वाली कोई महिला इसमें शामिल हो। दीपा की भूमिका में दक्षिण एशियाई देशों का प्रतिनिधित्व करना और इस क्षेत्र में पैरा खेलों के विकास और इन्हें प्रोमोट करने के लिए प्रयास करने होंगे।

न्यूजीलैंड ने घरेलू सीजन के शेड्यूल का किया ऐलान

क्राइस्टचर्च, 17 जुलाई (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने 2024-25 के घरेलू अंतरराष्ट्रीय समर शेड्यूल का ऐलान कर दिया है। कीवी टीम इस दौरान इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान जैसे बड़ी टीमों की मेजबानी करेगी। न्यूजीलैंड की ओर से जारी 2024-25 घरेलू सीजन के दौरान कुल मिलाकर न्यूजीलैंड की पुरुष टीम 6 वनडे और 8 टी20 इंटरनेशनल मैच खेलेगी।

कार्यक्रम की शुरुआत इस साल के अंत में इंग्लैंड के खिलाफ पहले से घोषित आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप श्रृंखला से होगी, जिसके बाद श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ सफेद गेंद की श्रृंखला होगी। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 28 नवंबर को क्राइस्टचर्च में शुरू होगी। न्यूजीलैंड की पुरुष टीम 28 दिसंबर से 11 जनवरी तक तीन टी20 और इतने ही वनडे श्रीलंका के साथ खेलेगी। ब्लैककैप्स फरवरी में मेजबान और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के लिए पाकिस्तान जाएगी, उसके बाद आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी अभियान शुरू करेगी। इसके बाद 16 मार्च से 5 अप्रैल तक पाकिस्तान के खिलाफ पांच टी20 और तीन वनडे के लिए स्वदेश लौटेगी। न्यूजीलैंड की महिला टीम 19 से 23 दिसंबर तक सेलो बेसिन रिजर्व में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेलेगी और बाद में 4 से 18 मार्च तक श्रीलंका के मल्टी-फॉर्मेट दौरे की मेजबानी करेगी, जो 21-26 मार्च को नंबर 1 रैंक वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज से ठीक पहले होगी। महिलाओं के पांच टी20 मैच पाकिस्तान के खिलाफ पुरुषों की टी20 सीरीज के साथ डबल-हेडर के रूप में खेले जाएंगे।

टोक्यो में मिली निराशा : मानसिक द्वंद से पार पाकर किया प्रवेश

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। टोक्यो ओलंपिक में भारतीय निशानेबाजों का सफर अच्छा नहीं रहा था और उसे अंजुम मोदगिल भी शामिल थीं। अंजुम पिछले साल एशियाई खेल और विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं बना सकी थीं। इससे वह काफी निराश हो गई थीं, लेकिन उन्होंने मानसिक द्वंद से पार पाकर पेरिस खेलों में प्रवेश किया। मोदगिल ने स्वीकार किया कि विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में नहीं चुने जाने के बाद उनकी आंखें खुल गई। इसके बाद उन्होंने अपनी मानसिक दृढ़ता और अभ्यास पर ध्यान दिया।

टोक्यो ओलंपिक में किया था निराश

मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के महत्व को समझते हुए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने एक हेल्पलाइन शुरू की है जो ओलंपिक के दौरान सभी खिलाड़ियों को मानसिक स्वास्थ्य को लेकर परामर्श देगी। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी मोदगिल ने विश्व चैंपियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीते हैं लेकिन टोक्यो ओलंपिक में वह अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई थीं। वह 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में 15वें और 10 मीटर एयर राइफल में 18वें स्थान पर रही थीं। पेरिस ओलंपिक में वह केवल 50 मीटर 3 पोजीशन में भाग लेंगी।

'टोक्यो का अनुभव काम आएगा'

अंजुम ने कहा, टोक्यो के बाद तीन साल मेरे लिए उतार-चढ़ाव वाले रहे। मैंने मुश्किल दौर देखा और मैं मजबूत वापसी करना चाहती थी। टोक्यो का अनुभव निश्चित रूप से पेरिस में काम आएगा। मैंने वास्तव में कोटा और ट्रायल्स का फायदा उठाया। महासंघ ने मुझे उम्मीद नहीं खोने के लिए कहा था। मैं जिस दौर से गुजर रही थी, वह उससे अच्छी तरह वाकिफ थे। विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के लिए टीम में जगह नहीं बनाने के बाद मैं मजबूत वापसी करने के लिए आश्वस्त थी। मैंने केवल अपने खेल पर ध्यान दिया और मैं ट्रायल्स में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को लेकर सकारात्मक थी। मुझे अपने मजबूत पक्ष पता थे और मैं जानती थी कि दबाव में कैसे खेलना है। इसका मुझे फायदा मिला।

मोदगिल ने कहा, टोक्यो ओलंपिक के एक साल बाद मैंने विश्व कप में कुछ पदक जीते और मैं विश्व में नंबर एक खिलाड़ी बनी। मैंने मानसिक रूप से मजबूत बनने पर ध्यान दिया। यह मेरे लिए सकारात्मक कदम था।

स्थानीय निकायों पर भाजपा की नजर

केंद्रीय कोयला मंत्री ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

'तेलंगाना को सलाम' नारे के साथ लोगों के बीच में जाएगी बीजेपी

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में लोकसभा चुनावों में पार्टी को मिले समर्थन से उत्साहित भाजपा नेतृत्व ने अपनी तेलंगाना इकाई के नेताओं से आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में लोकसभा चुनावों में हासिल लाभ को भुनाने को कहा है। भाजपा नेतृत्व चाहता है कि राज्य इकाई स्थानीय निकाय चुनावों तक अपनी गति जारी रखे ताकि वह राज्य में एक ताकत के रूप में उभर सके। केंद्रीय कोयला मंत्री और भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख जी किशन रेड्डी ने हाल ही में राज्य कार्यकारिणी की बैठक के दौरान पार्टी पदाधिकारियों से कहा कि राज्य का चुनावी परिदृश्य पार्टी के पक्ष में बदल गया है और लोकसभा चुनावों में उत्साहजनक प्रदर्शन आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में परिलक्षित होगा।

सूत्रों का कहना है कि तेलंगाना में भाजपा ने 'तेलंगाना को सलाम' के नए नारे के साथ जिलों में लोगों तक पहुंचने का फैसला किया है, ताकि 8 सांसदों को चुनकर और 35 प्रतिशत वोट शेयर देकर भाजपा में विश्वास जताने के लिए लोगों को धन्यवाद दिया जा सके। भाजपा की राज्य कार्यकारिणी ने हाल ही में तेलंगाना के लोगों को भाजपा को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देने के लिए 'तेलंगाना को सलाम' प्रस्ताव पारित किया।

भाजपा अगले स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी की स्थिति मजबूत करने और प्रभावशाली जीत हासिल करने के लिए 'तेलंगाना को सलाम' नारे के साथ राज्य के अंदरूनी इलाकों में लोगों तक पहुंचने के लिए आउटरीच कार्यक्रम शुरू करने की योजना बना रही है। चूंकि भाजपा 46 विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त हासिल करने में सफल रही और 44 विधानसभा क्षेत्रों में दूसरे स्थान पर रही, इसलिए भाजपा के राज्य नेतृत्व का मानना है कि लोकसभा चुनावों के दौरान पार्टी का प्रदर्शन तेलंगाना के मतदाताओं द्वारा भाजपा की बढ़ती स्वीकृति को दर्शाता है।

भाजपा को लगता है कि कांग्रेस अपनी अंतर्निहित गुटबाजी और लोगों को गारंटी और अन्य बड़े वादों को पूरा करने में विफल रहने के कारण लंबे समय तक नहीं टिक पाएगी। इसलिए, चुनावों के दौरान कांग्रेस द्वारा लोगों से किए गए बड़े-बड़े अव्यवहारिक वादों को लोगों की यादों में ताज़ा रखने के लिए, राज्य भाजपा आने वाले दिनों में पूरे राज्य में आंदोलन तेज करने के लिए युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, एबीवीपी सहित अपने सभी फ्रंटल संगठनों को सक्रिय करने की योजना बना रही है।

सूर्यापेट में खदान के गड्ढे में तीन डूबे

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने बताया कि सूर्यापेट जिले में बुधवार को खदान के गड्ढे में 12 वर्षीय लड़की समेत तीन लोग डूब गए। यह घटना आत्मकुर (एस) मंडल के बोप्पाराम में हुई, जब लड़की गलती से गड्ढे में गिर गई और उसके पिता और उसके दोस्त ने उसे बचाने की कोशिश की।

मृतकों की पहचान श्रीपाल रेड्डी (40), श्रावली राजू (45), और उनकी बेटी श्रावली उषा (12) के रूप में हुई है, जो सभी हैदराबाद के निवासी हैं। बिल्डर श्रीपाल रेड्डी और सॉफ्टवेयर इंजीनियर राजू दोस्त थे। वे अपने परिवारों के साथ मंगलवार को बोप्पाराम में एक समारोह में शामिल हुए थे।

बुधवार की सुबह तीनों पत्थर की खदान देखने गए थे। लड़की फिसल गई और पानी से भरे गड्ढे में गिर गई। उसे बचाने के लिए उसके पिता और उसके दोस्त गड्ढे में उतरे। चूंकि उन्हें तैरना नहीं आता था, इसलिए वे सभी डूब गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने खुलेगा कॉल सेंटर

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को दिए निर्देश

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के जवाहर नगर में आवारा कुत्तों द्वारा हमला कर मारे गए दो वर्षीय बच्चे की दुखद मौत के बाद मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए तत्काल उपाय करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से एक कॉल सेंटर या टोल फ्री नंबर स्थापित करने को कहा, ताकि नागरिक आवारा कुत्तों की समस्या की रिपोर्ट कर सकें और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित कर सकें।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए व्यापक उपाय लागू करने के निर्देश दिए। इन हमलों के मूल कारणों को समझने और उनका समाधान करने के लिए उन्होंने एक विशेषज्ञ समिति के गठन का सुझाव दिया। इस समिति में स्वैच्छिक संगठनों, पशु चिकित्सकों और ब्लू क्रॉस के प्रतिनिधि शामिल होंगे, जिन्हें बच्चों के प्रति आवारा कुत्तों के आक्रामक व्यवहार में योगदान देने वाले मौसमी या पर्यावरणीय कारकों का अध्ययन करने का काम सौंपा जाएगा।

रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों से आवारा कुत्तों का टीकाकरण सुनिश्चित करने और अन्य राज्यों से सर्वोत्तम प्रथाओं का पता लगाने के लिए भी कहा। उन्होंने चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कुत्ते के काटने के लिए आवश्यक दवाएँ राज्य भर के सभी शहरी स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों में आसानी से उपलब्ध हों। उन्होंने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) और नगर निगम के अधिकारियों से स्थानीय निवासियों के समुदायों के साथ घनिष्ठ समन्वय में काम करके सक्रिय कदम उठाने को कहा, ताकि ऐसी दुखद घटनाओं को रोका जा सके।

आवारा कुत्तों के झुंड ने बच्चे को मार डाला

जवाहर नगर में हृदयविदारक घटना

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार शाम को शहर के जवाहर नगर में आवारा कुत्तों के एक झुंड ने 18 महीने के एक बच्चे पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। जवाहर नगर के आदर्शनगर में घर के बाहर विहास नामक बच्चा जब खेल रहा था, तभी आवारा कुत्तों का एक झुंड वहां आ धमका। कुत्तों ने बच्चे पर झपट्टा मारा और उसे कुछ दूर तक घसीटते हुए ले गए, जिससे वह घायल हो गया। एक स्थानीय निवासी ने देखा कि बच्चे पर कुत्तों ने हमला कर दिया है, तो वह मौके पर पहुंचा और कुत्तों को भगाया। बच्चे के माता-पिता भरत और लक्ष्मी को इसकी सूचना दी गई। माता-पिता बच्चे को गांधी अस्पताल ले गए, जहां देर रात इलाज के दौरान बच्चे की मौत हो गई।

सिद्दीपेट निवासी विहास का परिवार आजीविका कमाने के लिए शहर आया था और आदर्शनगर में एक रिश्तेदार के घर रह रहा था। स्थानीय लोगों ने शिकायत की कि जवाहर नगर क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक चरम पर पहुंच गया है और कई बच्चों पर कुत्ते हमला कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि नगर निगम अधिकारियों से कई बार शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

किसान वेदिका में आज ऋण माफी समारोह

मदनूर, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सयुक्त मदनूर मंडल कृषि अधिकारी राजू ने बताया की तेलंगाना सरकार के आदेश नुसार गुरुवार के दिन किसान भवन में ऋण माफी समारोह का आयोजन किया गया है। कल से 1 लाख रुपये से कम के कर्ज माफ होंगे। मुख्यमंत्री द्वारा सीधी ऋण माफी योजना का उद्घाटन एवं लाभार्थियों से आमने-सामने संवाद किया जाएगा। सयुक्त मदनूर मंडल के किसान मदनूर और लिम्बर किसान भवन के माध्यम से कार्यक्रम देख सकते हैं और वीडियो कॉन्फ्रेंस (ऑडियो-विजुअल माध्यम) के माध्यम से ऋण माफ किए गए किसानों के खातों में सीधे पैसा जमा कर सकते हैं।

इस कार्यक्रम में प्रगतिशील किसान, बैंक प्रतिनिधि, मंत्री, विधायक, एमएलसी और जन प्रतिनिधि भाग लेंगे।

सरकार का अंतिम लक्ष्य किसान को राजा बनाना : पोंगुलेटी

किसान देश की रीढ़, कर्ज माफी पर ऐतिहासिक फैसला

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना सरकार ने किसानों के पीछे खड़े रहने के दृढ़ संकल्प के साथ चावल किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से किसानों को ऋण राहत प्रदान करने का एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यदि तत्कालीन सीएम केसीआर ने स्वयं विधानसभा में घोषणा की थी कि एक लाख रुपये की ऋण माफी संभव नहीं है और नहीं होगी, तो हमारे वर्तमान सीएम रेवंत रेड्डी ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि उन्होंने एक क्रांतिकारी निर्णय लेकर असंभव को संभव बना दिया।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के प्रबंधन से राज्य की अर्थव्यवस्था चौपट हो गयी थी। साथ ही हमने प्रदेश के किसानों से किया गया अपना वादा निभाया, भले ही आर्थिक स्थिति अनुकूल न होने पर भी दो लाख रुपये की कर्जमाफी की जा सके। हमने चुनाव में किया वादा निभाया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि 15 अगस्त तक किसानों का ऋण माफ कर दिया जाएगा। लेकिन, उससे कई महीने पहले उन्होंने अपना वादा निभाया और किसानों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। उन्होंने कहा कि 18 जुलाई को हम किसानों का एक लाख रुपये तक का कर्ज माफ कर रहे हैं और उस दिन शाम तक किसानों के कर्ज खाते में पैसा जमा कर रहे हैं। आज का दिन प्रदेश के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि 16 साल पहले केंद्र की कांग्रेस सरकार ने किसानों का 72,000 करोड़ रुपये का कृषि ऋण और ब्याज माफ किया था। तेलंगाना में कृषि अधिक लाभदायक होनी चाहिए। अंततः किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए यह सरकार हमेशा किसानों के साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा कि हम तेलंगाना राज्य में स्थिति को इस तरह से बदल रहे हैं कि कृषि एक गैरीसन नहीं, बल्कि एक उत्सव बन जाए, ताकि किसानों की कठिनाइयों को कम किया जा सके। तेलंगाना राज्य की 60 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है। कृषि क्षेत्र अच्छा होगा तो राज्य की जनता भी अच्छी होगी और सरकार की कृषि क्षेत्र के विकास के अलावा कोई अन्य प्राथमिकता नहीं है। सरकार की मंशा है कि भविष्य में कृषि को उज्ज्वल बनाया जा सके। आने वाले समय में सरकार किसानों की और अधिक समर्थक होगी। सरकार का अंतिम लक्ष्य किसान को राजा बनाना है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए किसानों को फसल ऋण माफी योजना दी जाएगी। यह एक अच्छी शुरुआत हुई है।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष नेरेला शारदा ने पदभार संभाला

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेता नेरेला शारदा ने तेलंगाना राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष का पदभार संभाल लिया है। उन्होंने बुधवार को यहां बुद्ध भवन में आयोग के कार्यालय में अपने परिवार के सदस्यों के साथ विशेष पूजा करने के बाद जिम्मेदारी संभाली। महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सीतक्का, नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, विधायक दानम नागेंद्र, पद्मावती रेड्डी और विनोद ने कार्यक्रम में भाग लिया और शारदा को नई जिम्मेदारी संभालने के लिए बधाई दी। इस अवसर पर बोलते हुए नेरेला शारदा ने महिला आयोग की अध्यक्ष नियुक्त करने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को धन्यवाद दिया। उन्होंने वादा किया कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचारों को रोकने के लिए कदम उठाए जाएंगे और कहा कि वह इस तरह से काम करेंगी कि पुरुष महिलाओं की देखभाल करने के साथ-साथ महिलाओं का सम्मान भी करें। शारदा ने खुलासा किया, "मैं अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के बाद महिला आयोग की भविष्य की योजनाओं की घोषणा करूंगी।" महिला आयोग की अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने के लिए नेरेला शारदा को बधाई देते हुए मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि उन्होंने लंबे समय तक राज्य महिला कांग्रेस की सेवा की है और पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने पद की पेशकश करके उनकी सेवाओं को मान्यता दी है।

फसल ऋण माफी निर्देशों में बदलाव करे सरकार

सीपीआई (एम) के राघवुलु ने की मांग

वारंगल, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रस्तावित फसल ऋण माफी के संबंध में राज्य सरकार द्वारा जारी नए दिशानिर्देशों से किसानों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की बात कहते हुए माकपा पोलित ब्यूरो सदस्य बीवी राघवुलु ने राज्य सरकार से दिशानिर्देशों में संशोधन करने का आग्रह किया। बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राघवुलु ने कहा कि जिस तरह से दिशा-निर्देश तैयार किए गए हैं, उससे अधिकांश किसानों को बहुत नुकसान होगा। उन्होंने रायथु मिश्रा और पहचान पत्र रखने वाले काश्तकारों को छूट के लिए पात्र न मानने पर आपत्ति जताई और कहा कि इससे कई काश्तकारों और छोटे और सीमांत किसानों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

वरिष्ठ माकपा नेता ने सरकार से आग्रह किया कि वह सभी पात्र किसानों को इस योजना में शामिल करने के लिए दिशानिर्देशों में तत्काल बदलाव करे। उन्होंने कहा कि मैं सरकार से दिशा-निर्देशों में बदलाव करने का आग्रह करता हूं ताकि सभी किसानों को योजना का लाभ मिल सके। बटाईदार किसानों को योजना में शामिल किए बिना इसका कोई मतलब नहीं है। स्थानीय निकाय चुनावों पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को चुनाव कराने से पहले जनगणना और जाति गणना करानी चाहिए।

श्री ज्ञान सरस्वती देवस्थानम के ईओ व पुजारी मंत्री से मिले

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और धर्मार्थ मंत्री कोंडा सुरेखा को निर्मल जिले के बसारा में श्री ज्ञान सरस्वती देवस्थानम में 19 से 21 जुलाई तक तीन दिनों के लिए आयोजित होने वाले व्यासपूर्णमी (गुरुपूर्णमी) उत्सव में आमंत्रित किया गया है। मंदिर के ईओ विजयराम राव और मंदिर के पुजारियों ने मंत्री को निमंत्रण दिया। इस अवसर पर पुजारियों ने मंत्री सुरेखा को श्री ज्ञान सरस्वती के अवशेष और प्रसाद भेंट किये और वेदशिर्वचन दिये। मंत्री से गुरुपूर्णमी समारोह में शामिल होने के लिए अनुरोध किया गया। पुजारियों ने मंत्री को बताया कि 19 जुलाई को मंगल वाद्ययंत्रों के साथ व्यासालय में प्रवेश, शांति मंत्र का जाप, उत्सव संकल्प, रूथविग्वरण, मंडपाराधना, वेदपरायणम, 20 जुलाई को प्रातःकाल पूजा स्थापना देव मूलमंत्र होम, वेदपारायणम, तीर्थप्रसाद वितरण, प्रदोषकाल पूजा, धार्मिक पर्व चना कार्यक्रम, 21 जुलाई को विशेष दान के साथ अभिषेक, सजावट, रुद्रस्वाहाकर, बलिदान और पूर्णाहुति होगी।

ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत, आरपीए ने 38 अपराधियों को गिरफ्तार किया

यात्रियों की सुरक्षा को लेकर उठाए गए कई कदम

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल का मुख्य उद्देश्य रेलवे संपत्ति की सुरक्षा, यात्रियों की सुरक्षा और संरक्षा में अपराधियों के खिलाफ़ निरंतर लड़ाई जारी रखना है। रेलवे संपत्ति और यात्रियों की जान की सुरक्षा के लिए आरपीएफ हमेशा अपनी जान जोखिम में डालने में भी सबसे आगे रहती है। रेलवे संपत्ति की सुरक्षा, यात्री सुरक्षा और सरकारी पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय में यात्रियों को सहायता प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए, आरपीएफ ने जून-2024 के दौरान कई अभियान शुरू किए और उल्लेखनीय प्रदर्शन दर्ज किया। ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत, आरपीएफ/एससीआर ने 38 अपराधियों को गिरफ्तार किया है और उनके खिलाफ़ 45 मामले दर्ज करके 20.63 लाख रुपये की चोरी की संपत्ति बरामद की है। "ऑपरेशन अमानत" के तहत, आरपीएफ कर्मियों ने यात्रियों के सामान को सुरक्षित करने में मदद की और उन्हें उनके असली मालिकों को सौंप दिया। आरपीएफ ने 50 लाख रुपये से अधिक मूल्य के 193 से अधिक यात्रियों के सामान बरामद किए। रेलवे के माध्यम से मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए आरपीएफ ने "ऑपरेशन नार्कोस" शुरू किया है। इस अभियान के तहत, आरपीएफ ने 12 लोगों को गिरफ्तार करके 71 लाख रुपये से अधिक मूल्य का गांजा जब्त किया है। "ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते" के तहत, आरपीएफ/एससीआर ने देखभाल और संरक्षण की जरूरत वाले बच्चों की पहचान करने और उन्हें बचाने का नेक काम किया, जो विभिन्न कारणों से अपने परिवार से खो गए हैं या अलग हो गए हैं। आरपीएफ/एससीआर द्वारा 100 बच्चों (86 लड़के + 14 लड़कियां) को बचाया गया है। आरपीएफ ने "ऑपरेशन एएएचटी" शुरू किया है। इस अभियान के तहत, आरपीएफ/एससीआर ने 18 तस्करों के चंगुल से 27 लड़कों और 01 लड़की को बचाया है। "ऑपरेशन जीवन रक्षा" के तहत, आरपीएफ/एससीआर ने 01 पुरुष यात्री की जान बचाई। "ऑपरेशन सतर्क" के तहत, आरपीएफ ने अवैध रूप से ट्रेनों के माध्यम से ले जाई जा रही 88,090 रुपये की शराब जब्त की, जिसमें 02 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया और बाद में आबकारी विभाग को सौंप दिया गया, जिसने अपराधियों के खिलाफ 04 मामले दर्ज किए। आरपीएफ ने दलालों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने और आम आदमी को रेलवे टिकट उपलब्ध कराने के लिए "ऑपरेशन उपलब्धि " शुरू किया है।

आरपीएफ/एससीआर द्वारा 11 मामले दर्ज किए गए, जिसमें 12 दलालों की गिरफ्तारी के साथ 1,29,340 रुपये मूल्य के 51 लाइव टिकट जब्त किए गए। सीसीटीवी तकनीक का उपयोग करके, आरपीएफ/एससीआर ने 03 अपराधियों को पकड़ लिया और 1,60,000 रुपये मूल्य की चोरी की गई यात्री संपत्ति बरामद की और आगे की कार्यवाही के लिए संबंधित एजेंसियों को सौंप दिया।

आम लोगों के खिलाफ पुलिस का व्यवहार निंदनीय

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने आलोचना की

पुलिस महानिदेशक से कार्रवाई की मांग

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक इंस्पेक्टर द्वारा सड़कों पर खड़े आम लोगों पर लाठी से हमला करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसकी सामाजिक कार्यकर्ताओं ने आलोचना की। यह घटना मोगलपुरा पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई जब स्थानीय इंस्पेक्टर दुर्गा प्रसाद मोटरसाइकिल पर रात के दौरे पर थे। सड़क पर खड़े युवकों को देखकर इंस्पेक्टर ने कथित तौर पर उन्हें टक्कर मार दी। सामाजिक कार्यकर्ता एसक्यू मसूद ने दुख जताते हुए कहा कि रात में सड़क पर खड़े होने के कारण इंस्पेक्टर ने कम से कम तीन या चार युवाओं को फाइबर की छड़ी से पीटा। शहर में कोई निषेधाज्ञा लागू नहीं है और न ही रात के दौरान लोगों की आवाजाही पर कोई आधिकारिक प्रतिबंध है। इंस्पेक्टर का व्यवहार बेहद निंदनीय है। घटना के बाद मसूद ने तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर इंस्पेक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

मसूद ने शिकायत करते हुए कहा कि दुर्गा प्रसाद इन घटनाओं के वीडियो रिकॉर्ड कर रहे हैं और उन्हें सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं, जो व्यक्तियों की निजता, सम्मान और स्वतंत्रता के अधिकारों का घोर उल्लंघन है। कानून प्रवर्तन अधिकारी का ऐसा व्यवहार न केवल अस्वीकार्य है, बल्कि पुलिस बल में जनता के विश्वास को भी कम करता है। उन्होंने आगे कहा कि दुर्गा प्रसाद पर आम लोगों के मानवाधिकारों का उल्लंघन करने और मिशन चबूतरा को रोकने के लिए तत्काल आदेश जारी करने का आरोप है, जो कुछ क्षेत्रों में रहने वाले गरीब लोगों को निशाना बनाकर किया जाने वाला एक अवैध अभ्यास है।

अक्टूबर माह के लिए श्रीवारी ऑनलाइन कोटा जारी

तिरुमाला, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अक्टूबर माह के लिए श्रीवारी दर्शन और आवास का ऑनलाइन कोटा 18 जुलाई को सुबह 10 बजे जारी किया जाएगा। तीर्थयात्री 20 जुलाई की सुबह 10 बजे तक इलेक्ट्रॉनिक लकी डिप के लिए पंजीकरण कर सकते हैं और जिन्हें आवंटन मिलता है, उन्हें 20-22 जुलाई के बीच दोपहर 12 बजे तक भुगतान करना चाहिए और टिकट खरीदना चाहिए। कल्याणोत्सवम, उनजल सेवा, अर्जित ब्रह्मोत्सवम और सहस्र दीपंकर सेवा के टिकट 22 जुलाई को सुबह 10 बजे ऑनलाइन जारी किए जाएंगे।

टीटीडी 22 जुलाई को दोपहर 3 बजे ऑनलाइन वर्चुअल सेवा टिकट और उनके दर्शन स्लॉट जारी कर रहा है, जबकि अंग प्रदक्षिणा टोकन 23 जुलाई को सुबह 10 बजे जारी किए जाएंगे। श्रीवाणी ट्रस्ट टिकट 23 जुलाई को सुबह 11 बजे ऑनलाइन उपलब्ध होंगे, जबकि वरिष्ठ नागरिक और विकलांग व्यक्तियों का कोटा 23 जुलाई को दोपहर 3 बजे और विशेष प्रवेश दर्शन (एसईडी) टिकट 24 जुलाई को सुबह 10 बजे जारी किए जाएंगे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.